हिन्दी दैनिक   पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com   सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 11 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 98 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बिहार के आठ जिलों में 12 अप्रैल तक मेघगर्जन और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलें

एजेंसी

पटना: मौसम के मिजाज में आये बदलाव के कारण पटना सहित बिहार के 28 जिलों के अधिकतम तापमान में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। पूर्वोत्तर असम व इसके आसपास के हवा का चक्रवाती परिसंचरण का प्रभाव व बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बने होने से बारिश और वज्रपात का सिस्टम वातावरण में बना है। इस दौरान बिहार में आंशिक बारिश के आसार है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार बुधवार-गुरुवार को उत्तर बिहार के आठ जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण एवं पश्चिम चंपारण में आंधी पानी एवं वज्रपात की चेतावानी है। मौसमविदों के अनुसार इन जिलों पर 40-50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। यह सिस्टम 12 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। पटना सहित आसपास इलाकों में भी इस दौरान बादल छाए रहने के साथ गरज-तड़क के साथ छिटपुट वर्षा की संभावना है।

मिशन राणा की कामयाबी का चेहरा, कभी कसाब का खोला राज,

अब तहव्वुर की कान पकड़ उगलवाएंगे सच, जानिए कौन?

राणा पर 26/11 के मुंबई हमलों के सिलसिले में अमेरिका में आरोप लगाया गया था, लेकिन अतीत में उसे बरी कर दिया गया था। अब, जब राणा भारत आ रहा है, तो किस्मत उसे उसी अधिकारी से आमने–सामने ला खड़ा करती है, जिसने मुंबई में 26/11 के हमलों के दौरान अपनी जान लगभग गंवा दी थी

एजेंसी

नई दिल्ली: तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस उपलब्धि के पीछे एक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी द्वारा की गई सावधानीपूर्वक की गई तैयारी छिपी है, जिसके मजबूत मामले ने एक अमेरिकी अदालत को राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने के लिए राजी करने में मदद की। दिलचस्प बात यह है कि राणा पर 26/11 के मुंबई हमलों के सिलसिले में अमेरिका में आरोप लगाया गया था, लेकिन अतीत में उसे बरी कर दिया गया था। अब, जब राणा भारत आ रहा है, तो किस्मत उसे उसी अधिकारी से आमने-सामने ला खड़ा करती है, जिसने मुंबई में 26/11 के हमलों के दौरान अपनी जान लगभग गंवा दी थी। सदानंद दाते राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के वर्तमान प्रमुख हैं। दाते, जो 2008 के हमलों के दौरान आतंकवादियों का सामना करते हुए गंभीर रूप से घायल हो गए थे, राणा के आने पर सबसे पहले

उनसे पूछताछ करेंगे। 26 नवंबर 2008 की रात को जब मुंबई समन्वित आतंकवादी हमलों से अराजकता में डूबा हुआ था, सदानंद दाते मुंबई के मध्य क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यरत थे। हालाँकि हमलों ने मुख्य रूप से दक्षिणी क्षेत्र को निशाना बनाया, लेकिन दाते ने कोई समय बर्बाद नहीं किया। मालाबार हिल में अपने निवास से वह सीएसटी स्टेशन की ओर भागे। रास्ते में, वह एक पुलिस स्टेशन पर रुके, खुद को कार्बाइन से लैस किया और अपने साथ छह अधिकारियों को ले गए। सीएसटी पहुँचने पर दाते को सूचित किया गया कि दो आतंकवादी - जिन्हें बाद में अजमल कसाब और अबू इस्माइल के रूप में पहचाना गया कामा और अल्बलेस अस्पताल में घुस गए थे। बंधक स्थिति की आशंका से दाते तुरंत अस्पताल की ओर बढ़ गए। छत से आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। दाते ने जवाबी फायरिंग की, लेकिन ऊंचाई के कारण आतंकवादियों को निशाना बनाना मुश्किल था। आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया। इसके टुकड़े सदानंद दाते के हाथ और पैर भी लगे। दाते ने अपनी टीम के साथ हार नहीं मानी और लगातार आतंकवादियों से लोहा लेते रहे। हमले के बाद उन्होंने वह तमाम वायरलेस मैसेज भी सुने, जो आतंकवादियों ने पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को दिए थे। अधिसूचना में कहा गया है, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) की धारा 15 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के साथ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 18 की उप-धारा (8) के तहत केंद्र सरकार अधिवक्ता नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है। उनकी नियुक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए या उक्त मामले की सुनवाई पूरी होने तक, जो भी पहले हो, होगी।

1 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ वक्फ कानून प्रस्ताव, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लिया फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव भेजने की कसम खाई है। कोलकाता के रामलीला मैदान में एक विशाल सभा में जमीयत के बंगाल चैप्टर ने अपने प्रमुख और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री से इस कानून को तुरंत निरस्त करने का आग्रह किया। जमीयत ने वक्फ कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए क्राउडफंडिंग अभियान की भी घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते कई याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। कानून के खिलाफ हस्ताक्षर स्वयंसेवक बंगाल के विभिन्न जिलों में जाकर एकत्र करेंगे। चौधरी ने कहा कि इस तरह के सामूहिक आंदोलन के कारण पहले भी सरकारों ने कानून वापस लिए हैं। हमारा लक्ष्य विभिन्न जिलों और कस्बों से ये हस्ताक्षर प्राप्त करना और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी को भेजना है। चौधरी ने सभा को बताया कि पहले भी कानून वापस लिए गए हैं और इस कानून को निरस्त करवाने के लिए हम 1 करोड़ हस्ताक्षर प्राप्त करेंगे। वक्फ कानून, जिसे पिछले सप्ताह संसद द्वारा आधी रात के बाद तक चली बैठकों में पारित किया गया था, वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने और उनसे संबंधित विवादों का निपटारा करने में सरकारी निगरानी का विस्तार करता है। जमीयत ज्ञापन में कहा गया है कि वक्फ कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसमें कहा गया है कि यह कानून वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कमजोर करता है और नौकरशाहों को अत्यधिक अधिकार देकर अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता है। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र का इरादा वक्फ प्रशासन पर नियंत्रण करना और मुस्लिम समुदाय को अपने धार्मिक बंदोबस्त के प्रबंधन से अलग करना है।

दिनकर के नाम पर बिहार में यूनिवर्सिटी, सम्राट चौधरी बोले- पीएम मोदी और सीएम नीतीश से करेंगे बात

एजेंसी

पटना: डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार रामधारी सिंह दिनकर के नाम पर बेगूसराय में बिहार सरकार यूनिवर्सिटी स्थापित करने का काम करेगी। जिसके लिए लिए पीएम मोदी और सीएम नीतीश से बात करेंगे। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के नाम पर बेगूसराय में बिहार सरकार यूनिवर्सिटी स्थापित करने का काम करेगी। ये ऐलान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने किया। उन्होने कहा कि इसके लिए वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार से बात करेंगे।

आपको बता दें कई सालों से दिनकर के नाम पर केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग उठ रही है। बेगूसराय दिनकर का गृह जिला है। इसके अलावा डिप्टी सीएम ने कहा कि साथ ही राज्य के प्रखंडों में 350 डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। जिससे जिलों के बच्चों को पटना या बाहर जाकर पढ़ाई ना करनी पड़े। वहीं डोमिसाइल नीति पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे राज्यों के 6.30 फीसदी लोग ही बिहार आकर नौकरी करते हैं। जबकि बिहार के 17 फीसदी लोग दूसरे राज्यों में नौकरी करते हैं। बिहार में मजदूर के साथ-साथ शिक्षक भी हैं और सबसे ज्यादा आईएएस-आईपीएस अधिकारी हैं। गुरूवार को बापू सभागार में दिनकर शोध संस्थान की ओर से प्रतिज्ञा कार्यक्रम के उद्घाटन कार्यकर्म में ये बातें डिप्टी सीएम ने कहीं। इस कार्यक्रम में बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे,

कन्हैया की पदयात्रा के समापन में साथ चलेंगे सचिन पायलट, नीतीश से मिलने का भी बना है प्लान

एजेंसी

पटना: कांग्रेस नेता सह एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को दावा किया कि बिहार से पयालन बढ़ा है। लोग रोजी-रोजगार के लिए पलायन को मजबूर हैं। बिहार में शिक्षकों के दो लाख से अधिक पद रिक्त हैं। राज्य में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध भी बढ़े हैं। कन्हैया ने गुरुवार की दोपहर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेसवार्ता में ये सभी आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 26

दिनों में पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा राज्य के विभिन्न जिलों में पहुंची। शुक्रवार को यात्रा के अंतिम दिन कांग्रेस नेता सचिन पायलट भी इसमें शामिल होंगे। यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों में प्राप्त लोगों की समस्याओं की सूची मुख्यमंत्री को सौंपेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की एनडीए सरकार लोगों को मूर्ख बना रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने पुत्र को बीसीसीआई का चेयरमैन बना दिया। क्या 2005 तक की सरकार में बिहार की स्थिति अच्छी थी? इस सवाल पर कन्हैया ने कहा कि पहले क्या था, यह कहने से काम नहीं चलेगा। रोजगार का संकट और गरीबी दूर की जानी चाहिए।

अश्विनी चौबे ने कर दी मन की बात, नीतीश कुमार डिप्टी पीएम हों तो?

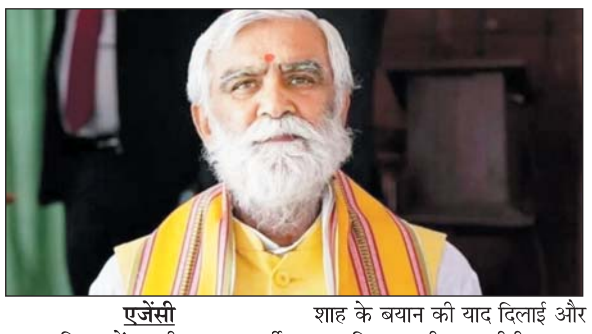

एजेंसी

पटना। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और राज्य के सीएम नीतीश कुमार को लेकर उप-प्रधानमंत्री वाला एक बयान देकर पटना से दिल्ली तक खलबली मचा दी है। नीतीश की पार्टी जेडीयू ने फौरन भाजपा नेता को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान की याद दिलाई और कहा कि राज्य की जनता नीतीश कुमार को उम्मीद भरी निगाहों से देखती हैं और भाजपा, लोजपा, रालोमो समेत सभी सहयोगी दलों को इस बात का अहसास है। अश्विनी चौबे ने कुछ समय पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को सीएम मैटेरियल बताया था। बक्सर में बुधवार को कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के कार्यक्रम की शुरूआत के मौके पर पहुंचे अश्विनी चौबे ने एक सवाल के जवाब में नीतीश को डिप्टी पीएम बनाने जैसी बात कही। कांग्रेस के करीब चल रहे पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के एक बयान को लेकर चौबे से पत्रकारों ने सवाल किया था। पप्पू यादव ने कहा था कि क्षेत्रीय दल बीजेपी से कम और कांग्रेस से ज्यादा लड़ाई लड़ते हैं। अश्विनी चौबे ने सीधे तौर पर पप्पू यादव के बयान का जवाब देने के बजाए नीतीश कुमार को लेकर बयान दे दिया. चौबे ने कहा कि नीतीश कुमार ने लंबे समय तक एनडीए के संयोजक की भूमिका निभाई है और यदि उन्हें उप-प्रधानमंत्री का दर्जा दिया जाता है तो यह बिहार के लिए गर्व की बात होगी। चौबे का कहना था कि अगर ऐसा होता है तो यह बिहार के लिए बहुत फायदेमंद होगा, क्योंकि यह सम्मान जगजीवन राम के बाद बिहार को दूसरी बार मिलेगा।

पीएम मोदी के बिहार दौरे से पहले सम्राट चौधरी की बड़ी डिमांड

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को लिखा पत्र

एजेंसी

पटना: बिहार सरकार ने केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार यात्रा के पहले ग्रामीण गरीबों के लिए 5.29 लाख मकान की मांग की है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र भेजकर मकानों का लक्ष्य बढ़ाने की भी मांग की, ताकि प्रतीक्षा सूची में पड़े 5.29 लाख गरीब परिवारों को भी मकान मिल सके। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में बिहार के ग्रामीण गरीबों के लिए 7.90 लाख मकान बनाने का लक्ष्य देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रामीण विकास मंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। चौधरी ने पत्र में लिखा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य

को कुल 7,90, 648 लक्ष्य उपलब्ध कराया है। प्राप्त लक्ष्य से राज्य के गरीब आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में रहने वाले परिवारों को आवास का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार को जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रतीक्षा सूची से छूटे हुए योग्य लाभुकों के सर्वेक्षण का कार्य भी चल रहा है।

उन्होंने अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस, 2018 के आधार पर निर्मित प्रतीक्षा सूची में बचे हुए शेष 5.29 लाख लाभुकों को आवास का लाभ देने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के लिए 5.29 लाख भौतिक लक्ष्य उपलब्ध कराया जाय। श्री चौधरी ने आग्रह किया कि यदि राज्य को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए शीघ्र लक्ष्य आवंटित कर दिया जाता है, तो इसी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री की बिहार यात्रा के प्रस्तावित कार्यक्रम में संबंधित योग्य लाभुकों को एक साथ प्रथम किस्त की सहायता राशि का भुगतान किया जा सकेगा।

सिवान मुखिया संघ के उपाध्यक्ष चंदन सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए, भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने दिलाई सदस्यता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में बड़ी संख्या में युवाओं ने थामा भाजपा का 'कमल'
- भाजपा के प्रति लोगों का बढ़ा आकर्षण, पार्टी की नीतियां लोगों को भा रही हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा कार्यकर्ता समर्पण भाव से पार्टी के लिए कार्य करते हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा सदैव समाज के लोगों के साथ जुड़कर अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों की चिंता करती है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा किसी परिवार या किसी जाति की पार्टी नहीं है, यहां का आम कार्यकर्ता भी पार्टी का सर्वोच्च पद पा सकता है : मंगल पांडेय

पटना, 10 अप्रैल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज आयोजित मिलन समारोह में सैकड़ों युवाओं ने भाजपा की नीतियों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर सिवान मुखिया संघ के उपाध्यक्ष और हसुआ पंचायत के मुखिया चंदन सिंह ने भी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पार्टी में आने वाले सभी लोगों की सदस्यता ग्रहण करवाई और पार्टी में स्वागत किया।

सिवान के पूर्व सांसद ओम प्रकाश यादव सहित सिवान के विधायक और जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी भी मिलन समारोह मे शामिल रहे ।भाजपा में आने वाले लोगों का स्वागत करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने भाजपा के कार्यकताओं की सेना के जवानों से तुलना करते हुए कहा कि एक सेना देश की सरहद की रक्षा करती है तो भाजपा के कार्यकर्ता भी सेना की तरह देश के अंदर विरासत, संस्कृति और विचारधारा की रक्षा करते हैं। आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल इसलिए है कि इस पार्टी के कार्यकर्ता समर्पण भाव से पार्टी के लिए कार्य करते हैं ।उन्होंने कहा कि आज सिवान के लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं, यह ऐतिहासिक पल है। क्योंकि इसी सिवान में क्या क्या होता था लोग भूले नहीं हैं, लेकिन अब सिवान बदल गया है। भाजपा सदैव समाज के लोगों के साथ जुड़कर समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों की चिंता करती है ।उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकसित हो रहा है, बिहार आगे बढ़ रहा है। बिहार के अंदर अब लालटेन युग समाप्त हो गया है, अब बिजली युग आ गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि भाजपा अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर चलती है। अपराध को हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं ।भाजपा में आने वाले लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आज से आप भाजपा परिवार के सदस्य बन गए हैं। अब हम आपके सुख और दुख में साथ हैं ।इस मौके पर हसुआ पंचायत के मुखिया चंदन सिंह के अलावा पूर्व जिला पार्षद राजीव रंजन पांडेय, जय प्रकाश पांडेय, अभिषेक पांडेय, अरुण सिंह, अशोक साह, उदय शंकर सिंह, सिवान नगर परिषद की चेयरमैन सेम्पी गुप्ता, नीरज पटेल, अरविंद मांझी, सतीश मांझी, अखिलेश मांझी, राजू मांझी, विरजु मांझी, रंजीत मांझी प्रमुख हैं ।इस मौके पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों का स्वागत करते हुए बिहार के मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने कहा कि आज भाजपा के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि यह पार्टी जो कहती है, वह करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी परिवार या किसी जाति की पार्टी नहीं है, बल्कि इस पार्टी का आम कार्यकर्ता भी पार्टी के सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है। यही इस पार्टी की विशेषता है। इस पार्टी के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के लिए किसी खास व्यक्ति का पुत्र होना और किसी खास जाति से आने की जरूरत नहीं होती है, बल्कि उसकी मेहनत और कार्यकर्ता की कर्तव्यपरायणता ही उसकी पहचान होती है।

पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा पटना में निकली

बिहार की नौकरियों में बिहारी अभियार्थियों को मिले डोमिसाइल का लाभ, BPSC सहित तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में धाँधली की जाँच कर छात्र के न्याय की माँग उठी ।11 अप्रैल को मुख्यमंत्री से मिलने पहुँचेंगे पदयात्री

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

पटना ।भीतिहरवा गांधी आश्रम से चलकर पूरे प्रदेश का भ्रमण करते हुए पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा आज 26 वे दिन पटना पहुंची । पदयात्रा के आगे पेंडिंग सेना भर्ती के सैकड़ों अभ्यर्थियों ने हाथों में हथकड़ी डाल कर पदयात्रा की साथ ही साथ यात्रा के रास्ते में आम जनता को संविधान की प्रस्तावना की प्रति बांटी .

इसके पहले यात्रा में चल रहे कन्हैया कुमार सहित सभी पदयात्रियों ने पटना साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेका । इसके बाद गुरुद्वारे से शुरू होकर पदयात्रा गुरुका बाग पहुंची पदयात्रा में कन्हैया कुमार,यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास, ठरवक के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में स्थानीय छात्र नौजवान शामिल हुए ।

पदयात्रा दिन में विश्राम के लिए रुकी । इसी क्रम में सदाकत आश्रम में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया .

प्रेस वार्ता में इढरउ अभ्यर्थी खुशी चौधरी ने बताया कि सरकार हम छात्रों को पहले बेरोजगार और बाद में अपराधी बनाती है । बिहार के नौकरियों में बिहार के छात्रों को नौकरियां नहीं मिल रही है जबकि दूसरे प्रदेशों के छात्र बिहार में सरकारी नौकरियों में भरे जा रहे है । सरकार अविलंब नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करे । प्रेस वार्ता में पटना के फुटकर दुकानदारों ने भी अपनी समस्याओ को रखा । फुटकर दुकानदार उमा देवी और कपिल कुमार ने कहा कि पहले हम फुटकर दुकानदारों को पुलिस प्रशासन परेशान करती थी लेकिन अब नगर निगम के लोग भी हमे परेशान करते है ।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि बिहार में इस यात्रा बिहार की आम आवाम पर बड़ा असर हो रहा है .सरकार विपक्ष की आवाज को सुनती नहीं है लेकिन अब हमारी आवाज को दबा नहीं सकती । हम इस यात्रा माँगो को सरकार के समक्ष रखेंगे । ठरवक के प्राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि 11 अप्रैल को सभी पदयात्री बिहार के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपना माँग पत्र सौंपेंगे ।आगे उन्होंने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस की यात्रा नहीं है बल्कि बिहार के तमाम छात्रों नौजवानों की यात्रा है जो बिहार में जन्म लिए और बिहार को अपनी कर्मभूमि बनाना चाहते है ।

प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कन्हैया कुमार ने डबल इंजन की सरकार पर बरसते हुए कहा कि यह सरकार आम जनता को इमोशनल मुद्दे पर भटकाने का काम करती है ।15 दिनों से वक़्फ़ बोर्ड के मुद्दे पर जनता को भटकाने का काम कर रही है ताकि बेकारी, महँगाई पर कोई सवाल ना कर सके । अमित शाह के बेटा को क्ळउ का चेयरमैन बनाया जाएगा और आम किसान के बच्चों पर सरकार लाठी चलाएगी ।

विश्राम के बाद फिर दोपहर 4:30 बजे से पदयात्रा अंबेडकर छात्रावास, पत्थर की मस्जिद, दरगाह चौराहा, साईं मंदिर, मुसल्लाह पुर हाट होते हुए पटना यूनिवर्सिटी के गेट पर यात्रा समाप्त हुई ।

इस प्रेस कांफ्रेंस अक्ळउ के सचिव सह बिहार प्रभारी सुशील पासी, शाहनवाज आलम, बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौर, ज्ञान रंजन, जिला अध्यक्ष सुमित कुमार सन्नी उपस्थित थे ।

वक्फ बिल के खिलाफ होने वाले नागरिक मार्च में इंसाफ मंच पुरी ताकत से उतरेगा - पप्पू खां

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दरभंगा, 10 अप्रैल 2025 ।वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ अभियान समिति के बैनर तले 12 अप्रैल को हमीदिया मदरसा, किलाघाट से निकलने वाले मौन जूलूस में इंसाफ मंच पुरी ताकत से उतरेगा। उपरोक्त घोषणा करते हुए इंसाफ मंच के जिला सचिव मकसूद आलम पप्पू खां ने कहा कि मोदी सरकार के संविधान विरोधी इस विधेयक के खिलाफ देश के तमाम न्याय पसंद लोकतांत्रिक शक्तियां एकजूट होकर इसके खिलाफ आंदोलन तेज किया हैं। दरभंगा में भी इस आंदोलन का आगाज 12अप्रैल को निकलने वाले मौन जूलूस से होगा। इस मार्च को सफल बनाने के लिए इंसाफ मंच के नेताओं ने जनसंपर्क तेज कर दिया हैं। इस अभियान में मकसूद आलम पप्पू खां, इंसाफ मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष नेयाज अहमद, रंजन प्रसाद सिंह, मो जमशेद, मो शहनाज आदि शामिल थे।

वज्रपात से बचाव हेतु जिला प्रशासन, मधुबनी ने जारी किया एडवाइजरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

वज्रपात से बचाव हेतु जिला प्रशासन, मधुबनी ने जारी किया एडवाइजरी* ।

मौसम विभाग द्वारा अगले एक - दो दिनों तक मधुबनी जिले के कुछ स्थानों पर तेज हवा, वर्षा एवं वज्रपात (ठनका) की संभावना जताई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन मधुबनी आमजन से अपील करता है कि वे सतर्क रहें और निम्नलिखित सुरक्षात्मक उपायों का पालन करें:

महत्वपूर्ण सुरक्षा निदेर्श: -

1. तेज हवा अथवा बिजली कड़कने की स्थिति में घर के अंदर रहें।
2. पेड़ के नीचे, बिजली के खंभों या खुले मैदान में शरण न लें।
3. मोबाइल फोन या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग खुले में न करें।
4. किसान भाई कृपया खेतों में कार्य करते समय मौसम की स्थिति की जानकारी रखें और खराब मौसम में कार्य स्थगित करें ।
5. मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखें, विशेषकर खुले स्थानों से दूर रखे।

आपातकालीन सहायता हेतु जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर पर 06276-222576 पर संपर्क करे ।डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के फेस बुक पेज पर वज्रपात सहित विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु लगातार जानकारी दी जा रही है। जानकारी ही सर्वोतम बचाव है। अतः आप थोड़ी सी सावधानी बरतकर अपनी एवं अपनो की जान बचा सकते है।

मशरक प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष बने दुर्गेश और उपाध्यक्ष रामाधार सिंह, लोगों ने दी बधाई

बधाई देने वालों में सरपंच बिनोद प्रसाद, ललन प्रसाद, राजन प्रसाद,बिनोद सिन्हा समेत अन्य ने बधाई दी।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री के अध्यक्ष पद पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष पद पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाधार सिंह और सदस्यों के नामों की घोषणा होते ही लोगों ने बधाई दी। बधाई देने वालों में सरपंच बिनोद प्रसाद, ललन प्रसाद, राजन प्रसाद,बिनोद सिन्हा समेत अन्य ने बधाई दी। वहीं सदस्यों के रूप में बंगरा निवासी सुनिल कुमार सिंह, हनुमानगंज गांव निवासी बीरबल प्रसाद कुशवाहा,यदु मोड़ निवासी त्रिभुवन तिवारी,सिसई गांव निवासी रामसागर राय, चांद बरवा गांव निवासी सुनिल कुमार सिंह,सेरूकहा गांव निवासी तारकेश्वर पांडेय,घोघिया गांव निवासी संजय कुमार सिंह,गंडामण गांव निवासी रामेश्वर महंतों, स्टेशन रोड निवासी दिलीप कुमार व गौतम प्रसाद ,डुमरसन निवासी अब्बास अली,चरिहारा गांव निवासी कुमारी सविता और कवलपुरा गांव निवासी दिलीप महंतों को मनोनीत किया गया है। अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसका वे निर्वहन करेंगे।

मधुबनी विधानसभा क्षेत्र सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए गठबंधन से मधुबनी विधानसभा क्षेत्र भाजपा के खाते में जाने की पूरी सम्भावना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी विधानसभा क्षेत्र सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए गठबंधन से मधुबनी विधानसभा क्षेत्र भाजपा के खाते में जाने की पूरी सम्भावना।

भारतीय जनता पार्टी नया जिला कार्यालय के सभागार में जिला अध्यक्ष प्रभांशु झा की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री सुबोध कुमार चौधरी के संचालन में मधुबनी विधानसभा क्षेत्र सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन की बैठक आयोजित की गई ।कार्यक्रम के शुरूआत में वंदे मातरम् गीत ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय,डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि और दीप जलाकर कर शुरूआत किया गया ।इस अवसर पर आगत अतिथियों को मिथिला पेंटिंग पाग और चादर पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया गया ।मुख्य अतिथि कला संस्कृति मंत्री एवं युवा विभाग मोती लाल प्रसाद ने कहा कि आने वाला बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सभी मंडल अध्यक्ष बूथ कमिटी का निर्माण, सम्मेलन करना, बूथ लेवल पर एजेंट बनना और समर्पित कार्यकर्ताओ का सम्मानित करना और संगठन को मजबूत करना है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में चहुंमुखी विकास हो रहा है। मधुबनी के लोकप्रिय सांसद डॉक्टर अशोक कुमार यादव ने बताया कि जनसंघ के स्थापना काल से ही देवतुल्य कार्यकताओं ने भाजपा संगठन को सींचने और संगठन को विश्व स्तर पर पहुंचाया है। राष्ट्रवाद एकात्मवाद मानववाद को भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बढ़ावा दिया। भाजपा ने हमेशा तुष्टिकरण का विरोध किया जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाकर विकसित भारत के निमार्ण अग्रिणी भूमिका निभाई है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में मौलिक अधिकार का हनन किया है। आने वाला बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएगी। सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन बैठक में देवेंद्र कुमार यादव प्रमोद सिंह रंजीत यादव वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल झा मनोज कुमार मुन्ना राधा देवी संजय पांडे सतीश ठाकुर राम सकल यादव जिला पार्षद विनोद प्रसाद पिंटू मिश्रा आदित्य झा कन्हैया साह दीप्ति राउत प्रतिमा रंजन मीना देवी संजय गुप्ता पवन साह पवन झा कुंदन सिंह बिष्णु कुमार राउत अरूण कांत झा अरूण झा जामून सहनी सुशील सहनी ओमरेश श्रीवास्तव धुवनारायण त्रिपाठी जगरनाथ राय अरूण राय अशोक राम चंदन कुमार चौधरी मनीष करण शिवनाथ दास राम पुकार ठाकुर मनीष झा उद्धव सुनील कुंवर उपेन्द्र साह सुधीर मंडल रामू सिंह राम विलास यादव विभूति झा राम नरेश राय सतीश दास मनोहर झा आयुष सिंह वीरेंद्र मेहता देबू सिंह विजेता झा सीता देवी प्रभात कुमार महेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

25 हजार गैलन क्षमता वाला पानी टंकी लगभग एक महीने से बंद

20 लाख कर्ज के बाद बिजली विभाग ने काट दिया कनेक्शन बिजली

पीएचईडी विभाग के पास इस मामले में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। प्रखंड के खानपुर खैरांटी पंचायत में लगभग एक माह से नल का जल की सप्लाई नहीं हो रही है। जिस कारण लगभग आधा दर्जन वार्डों में ग्रामीणों को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाना बनाने एवं पीने के लिए हजारों ग्रामीणों के लिए नल का जल एक बेहतरीन साधन था किन्तु अब ग्रामीणों को स्वच्छ पानी पीने के लिए खरीदना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि खानपुर खैराँटी स्थित 25 हजार गैलन की क्षमता वाले जलमीनार से जल की सप्लाई बाधित होने के कारण ग्रामीणों का बुरा हाल है। इस संबंध में जलमीनार के संचालक मिंटू कुमार ने बताया कि जलमीनार के बिजली की सप्लाई बिजली विभाग द्वारा काट दी गई है। इस संबंध में ठेकेदार व पीएचईडी विभाग कार्यवाही करे तो बिजली कनेक्शन बहाल होते ही जालमीनार की सप्लाई शुरू हो जाएगी। बिजली विभाग से इस संबंध में बताया गया कि लगभग 20 लाख बकाया होने के कारण बिजली विभाग के अभियंता के निर्देश पर विद्युत कर्मचारियों ने कनेक्शन काट दिए थे। वहीं इस संबंध में जब नल जल के ठेकेदारों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ठेकेदारी का टेंडर काल खत्म हो चुका है। पुनः नया टेंडर निकाला गया है। जिसके बाद नए चुने गए ठेकेदारों द्वारा समस्या का समाधान किया जाएगा। जब पीएचईडी के जेई नितेश कुमार से इस संबंध के पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्हें स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं है क्योंकि उन्हें अभी ज्वाइन किए लगभग एक महीना हो रहा है। जब इस समस्या के समाधान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने वरीय अधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया। दूसरे दिन दुबारा कॉल करने पर फोन उठाने से बचते रहे। बता दें कि यह जलमीनार प्रखंड कार्यालय से सटा हुआ एवं बीडीओ आवास से महज चंद कदम की दूरी पर है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय मे प्रदेश संसदीय बोर्ड के महत्वपूर्ण बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थ दिनांक 10 अप्रैल, 2025लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय मे प्रदेश संसदीय बोर्ड के महत्वपूर्ण बैठक बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर महत्वपूर्ण सीटों और प्रत्याशियों के नाम पर गहन चर्चा की गई। बैठक में सभी सदस्यों से आवश्यक सुझाव भी लिए गए जिससे पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के तहत अपने प्रत्याशियों की भारी मतों से जीत सुनिश्चित कराई जा सके।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि उक्त बैठक में संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हुलास पांडे के अलावा संसदीय बोर्ड के सदस्यों में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजू तिवारी, पूर्व विधायक राम विनोद पासवान, पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान, राष्ट्रीय महासचिव शंकर झा बाबा डॉ शहनवाज अहमद कैफी अशरफ अंसारी संजय सिंह वेद प्रकाश पांडे अनिल पासवान मौजूद थे

सिवान के महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में आकाशीय बिजली के चपेट में आने से अलग अलग प्रखंडों में दो की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 10 अप्रैल बृहस्पतिवार। जिले में अचानक मौसम ने करवट बदला तेज आंधी और आसमान से ग्रज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से जिले के दो घरों और क्षेत्र में मातम फैला दिया। बता दे की महाराजगंज अनुमंडल के दुरौंधा प्रखंड के रुकुंदीपुर पंचायत के धानौता गांव निवासी मंटू महतो के पुत्र राजू महतो उम्र 22 वर्ष का घर से कुछ ही दूरी पर आकाशीय बिजली के चपेट में आने से घायल हो गया जिनको परिजनों ने महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के पोखरा पंचायत के सरैया मठिया का है जहां सरैया मठिया गांव निवास हरेराम गिरि के पुत्र राकेश गिरि खेत से काम कर घर लौट रहे थे तभी रास्ते में आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए जिन्हे परिजनों ने घायल अवस्था में अनुमंडल अस्पताल महाराजगंज लाए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वही दोनों युवक के घर और क्षेत्र में मातम छा गया। अब देखना ये है की उक्त दोनों मृत युवक के परिजनो को आपदा विभाग द्वारा क्या मदद मिल पा रहा है।

इंडी गठबंधन के नेताओं ने पिछड़ों व वंचितों के साथ विश्वासघात करने का एवं डॉ. अम्बेडकर के खिलाफ षड्यंत्र रचने का कार्य किया : तरूण चुग

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- डॉ. अंबेडकर एवं संविधान का अपमान करने वाले एवं आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस की बी टीम बन कर काम कर रही राजद : तरूण चुग

पटना, 10 अप्रैल:भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने पटना स्थित भाजपा बिहार प्रदेश कार्यालय में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों, विशेषकर राष्ट्रीय जनता दल, पर तीखा प्रहार किया। चुग ने कहा कि इंडी गठबंधन के इन दलों ने वर्षों तक पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों को कुचलने का कार्य किया है और बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के विचारों के विरुद्ध षड्यंत्र रचा है।चुग ने कहा कि कांग्रेस और राजद जैसे दल जो स्वयं को दलितों और पिछड़ों का रक्षक बताते हैं, वास्तव में उनके सबसे बड़े धोखेबाज हैं। उन्होंने कहा कि काका कालेलकर आयोग (1956) और मंडल आयोग (1980) की रिपोर्टों को वर्षों तक लटकाने और संसद में उनका विरोध करने का पाप इन्हीं दलों ने किया। नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक, कांग्रेस नेतृत्व ने आरक्षण का विरोध किया और आज राजद उसी कांग्रेस की चरणवंदना कर रही है।

राजीव गांधी द्वारा मंडल आयोग की रिपोर्ट पर संसद में दिया गया आरक्षण विरोधी भाषण और राहुल गांधी द्वारा विदेशी धरती पर आरक्षण समाप्त करने की वकालत–ये सभी कांग्रेस की मानसिकता और पिछड़े वर्गों के प्रति उसके असली रवैये को उजागर करते हैं।चुग ने कहा कि पिछले सात दशकों से कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अम्बेडकर, भारत के संविधान और सामाजिक न्याय की भावना का निरंतर अपमान किया है। राजद जैसे दल आज कांग्रेस की चापलूसी कर उनके पापों में सहभागी बनकर तुच्छ वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।चुग ने तीखे लहजे में पूछा कि क्या ये वही लालू यादव हैं जिन्होंने इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का विरोध करते हुए जेपी आंदोलन में भाग लिया था? अगर हां, तो आज वे किस स्वार्थ या लालच में उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं जिसने लोकतंत्र की हत्या की, संविधान को कुचला और देश को बंधक बना दिया?उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अकेले 50 निर्वाचित सरकारों को गिराया और कांग्रेस के शासन में लगभग 90 सरकारों को बर्खास्त किया गया। क्या यही है राजद और कांग्रेस का असली रिश्ता?चुग ने कांग्रेस द्वारा डॉ. अम्बेडकर के लगातार किए गए अपमान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1952 और 1954 के चुनावों में कांग्रेस ने षड्यंत्रपूर्वक बाबा साहब को हराने के प्रयास किए। यह चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं था, बल्कि बाबा साहब को राजनीतिक रूप से हाशिए पर ढकेलने की योजना का हिस्सा था।भारत रत्न के विषय में चुग ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने स्वयं को भारत रत्न देकर बाबा साहब के प्रति अपनी घृणा को उजागर किया। 1955 में नेहरू और 1971 में इंदिरा गांधी ने स्वयं को भारत रत्न से सम्मानित कर लिया, लेकिन बाबा साहब को यह सम्मान देने से इंकार किया गया। यह सम्मान तब मिला जब कांग्रेस सत्ता से बाहर थी और भाजपा समर्थित सरकार ने 1990 में यह कार्य किया।

चुग ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बाबा साहब की 100वीं जयंती तक मनाने की अनुमति नहीं दी। नेहरू की डॉ. अम्बेडकर के प्रति घृणा जगजाहिर है। कांग्रेस के शासनकाल में बाबा साहब की स्मृति में एक भी स्मारक नहीं बनवाया गया। जब दूसरी पार्टियाँ सत्ता में आईं, तब जाकर यह कार्य संभव हो सका।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बाबा साहब की स्मृति में पंचतीर्थ का विकास किया और संविधान को सहेजने व सम्मानित करने का कार्य किया। यही सच्चा सम्मान है बाबा साहब के विचारों और संघर्ष को।

तेज आंधी और बारिश से गेहूं की फसल समेत अन्य नुकसान , आकाशीय बिजली गिरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गुरूवार की दोपहर मशरक के गांवों में तेज आंधी और बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए और आकाशीय बिजली चमकने और गरजने लगी एवं तेज मूसलाधार बारिश होने लगी। तेज हवा, मूसलधार बारिश के कारण गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। वही सीएचसी के मुख्य गेट पर विशालकाय पेड़ तेज आंधी और बारिश के बीच गिर पड़ा जिससे मुख्य गेट से अस्पताल परिसर में पहुंचने में मरीजों और परिजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि स्थानीय लोगों ने पेड़ काट सड़क से हटाया।इलाज के लिए पहुंचे मरीजों ने बताया कि बारिश की वजह से कोई बाहर नहीं था अन्यथा जान माल की क्षति हो सकती थी। दुमदुमा गांव में तेज आंधी और बारिश के बीच ठनका गिरने से गाय की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृत गाय दुमदुमा गांव निवासी ललन सिंह की बताई गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गाय बाहर बधी थी कि अचानक तेज आधी और बारिश आ गयी उसी दौरान ठनका गिर पड़ा जिससे गाय चपेट में आ गई और मौत हो गई। दुरगौली मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह और उप मुखिया पंकज कुमार सिंह ने मृत गाय के बदलें उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की। अचानक हुई बारिश से खेतों में कटाई कर रखी गई फसल भींगकर खराब हो गई। किसानों का कहना है कि इस बार बालियां अच्छी थीं और पैदावार से काफी उम्मीदें थीं। कई किसानों ने खेत से फसल काटकर एक जगह जमा किया था, लेकिन बारिश ने वह भी नष्ट कर दिया। खेतों में पानी भरने से अब दाने सड़ने के कगार पर हैं, जिससे नुकसान तय माना जा रहा है। हालांकि आम, लीची, जामुन और कटहल जैसी बागवानी फसलों एवं सब्जियों की फसलों को थोड़ी राहत मिली है। वहीं प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने प्रशासन से तत्काल सर्वे और क्षतिपूर्ति की मांग की है

गेहूं की 20 कट्ठा की फसल जलकर राख

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव के वार्ड - 2 में गेहूं की फसल में आग लगने से फसल जलकर राख हो गई। पीड़ित बहरौली गांव निवासी रामबाबू सिंह हैं। बताया गया कि गुरूवार की अहले सुबह 4 बजें के लगभग खेत में काट कर बोझा रखा गया था कि अचानक आग की लपटे उठने लगी। जब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की तब तक 20 कठ्ठा की गेहूं फसल जलकर राख हो गया। वहीं फायर ब्रिगेड टीम ने भी पहुंच आग को बुझाया। मुखिया अजीत सिंह ने बताया कि सरकारी स्तर पर जो भी मुवाअजा होगा वह दिलवाया जाएगा।

विंग कमांडर रंजीत कुमार ने भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बेगूसराय:प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुरज सक्रिय कार्यकर्ता और जिला प्रवक्ता विंग कमांडर रंजीत कुमार ने भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले मुख्य प्रवक्ता अजय कुमार और शहर के व्यवसायी दिनकर भारद्वाज ने भी इस्तीफा देते हुए प्रशांत किशोर को घमंडी, आत्ममुग्ध सोच, तानाशाह और वन मन शो का पर्याय बताया है। गुरुवार को शहर के अर्चना विहार स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान विंग कमांडर रंजीत कुमार ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। विदित हो कि कल यानि 11 अप्रैल को ही पटना के गांधी मैदान में जनसुराज की रैली आहूत की गई है। उसके ठीक एक दिन पूर्व विंग कमांडर रंजीत कुमार के इस्तीफे की घोषणा ने शीर्ष नेतृत्व को असहज कर दिया है।पार्टी नहीं बल्कि कॉरपोरेट कंपनी चला रहे हैं प्रशांत किशोर विंग कमांडर रंजीत कुमार ने कहा कि प्रशांत किशोर पार्टी नहीं, बल्कि कॉरपोरेट कंपनी चला रहे हैं। यहां व्यक्ति की कोई अहमियत नहीं है। इसका संचालन लोकतांत्रित तौर तरीके से नहीं बल्कि कंपनी की तरह हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेगूसराय में सक्रिय कार्यकताओं की सहमति के बिना अध्यक्ष मनोनीत कर दिया गया, फिर उसे पदच्युत कर दिया गया। पुनः किसी दूसरे को सहमति के बगैर मनोनीत कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जनसुराज हैसियत और शक्ति विहीन पार्टी बन कर रह गई है, जहां कार्यकताओं की कोई कद्र ही नहीं है। जब तक कोई गाड़ी भेज देता है, कोई भोजन का इंतजाम कर देता है, तब तक ही उसकी महत्ता है। यहां ऐसा माहौल और विचार है कि जो झूठ बोलता हो, जो प्रशांत किशोर का यस मैन हो, उसी को प्राथमिकता दी जाती है। यहां कार्यकताओं का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जिला में आठ सौ पदाधिकारी हैं। यहां कोई कार्यकर्ता नहीं है। प्रशांत किशोर पद का लॉलीपॉप देकर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वे बेगूसराय में राजनीति करने नहीं आए हैं और न ही किसी पार्टी को ज्वाइन करेंगे। अपनी आर्थिक हैसियत से हम आगे भी समाज की सेवा करते रहेंगे।इसके पूर्व अजय कुमार और दिनकर भारद्वाज भी दे चुके हैं इस्तीफा विंग कमांडर रंजीत कुमार के पहले जनसुराज के पूर्व उपाध्यक्ष और मुख्य प्रवक्ता अजय कुमार और दिनकर भारद्वाज भी जनसुराज से इस्तीफा दे चुके हैं। उन्होंने बताया था कि मैं लंबे समय से संगठन के विभिन्न स्तरों पर सक्रिय भूमिका निभाता रहा हूँ। एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में मेरी आस्था उन सिद्धांतों में रही है जिनकी नींव पर जन सुराज खड़ा हुआ थाझ पारदर्शिता, लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान, जनता की भागीदारी और वैकल्पिक राजनीति का निर्माण। इन्हीं मूल्यों के कारण मैंने न केवल अपना समय, श्रम और ऊर्जा जन सुराज को समर्पित किया,

आयोजनः नगर परिषद बरौनी में सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाली गई रामनवमी शोभायात्रा

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय रामनवमी के अवसर पर हर साल की भांति इस साल भी नगर परिषद बरौनी में बुधवार को महाराणा प्रताप परशुराम व्यायाम के द्वारा पैदल शोभा यात्रा निकाला गया सैकड़ो की संख्या में उत्साहित श्रद्धालुओ ने शांतिपूर्ण माहौल में शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभा यात्रा दिन दयाल रोड़ काली स्थान से प्रारंभहोकर फूलवाड़िया बाजार, कौड़ी बारी, तारा अड्डा होते हुऐ पुनः उसे रास्ते से आलू चट्टी रोड़, मिरचैया चौंक, राजेन्द्र रोड़, वाटिका चौक, फल मंडी, सिंधिया चौक होते हुऐ काली स्थान में समाप्त हुआ। इस दौरान सुरक्षा दृष्टिकोण पर पैनी नजर तेघड़ा एसडीपीओ रविन्द्र मोहन प्रसाद, तेघड़ा अनुमंडल पदाधिकारीराकेश कुमार, तेघड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार, तेघड़ा इंस्पेक्टर अमलेश कुमार, फूलवाड़िया थानाध्यक्ष दिवाकर प्रसाद सिंह सहित कई थाना के पुलिस पदाधिकरी पुलिस बल तैनात थे शोभा यात्रा अनुमंडल कार्यालय से मिली रूट से ही निकाला गया। शोभा यात्रा के दौरान मिली रूट पर सुरक्षा बलों की तैनाती दिखी। इस दौरान श्री महाराणा प्रताप परशुराम के विजयमेहता, प्रशान्त कुमार, दिवाकर गुप्ता रत्नेश गुप्ता, समाजसेवी मोहम्मद लाल बाबू, फूल कुमार चौधरी, अरविन्द चौधरी, केशव शांडिल्य, मोहम्मद मुबारक हुसैन, अनवर हैरान किरण देवी, एवं समाज के बुद्धिजीवी समासेवी उपस्थिति थे। वहीं फुलवाड़िया बाजार में मुस्लिम समुदाय के लोगों परशुराम व्यायाम शाला के कार्यकताओं और संयोजन एवं स्थानीय प्रशासन को फूल माला और अंगवस्त्र सम्मानित किया गया ।

विद्या भारती की तीन दिवसीय साधारण सभा आज से प्रारंभ, तैयारियां पूर्ण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राजगीर, 10 अप्रैल 2025पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर राजगीर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की तीन दिवसीय साधारण सभा का शुभारंभ 11 अप्रैल से हो रहा है, जो 13 अप्रैल तक चलेगा। इस महत्त्वपूर्ण सभा में देशभर से 350 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सभा के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संत जीयर स्वामी जी महाराज होंगे, जबकि अध्यक्षता विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव करेंगे।

प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने जानकारी दी कि इस साधारण सभा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में कार्य विस्तार व गुणवत्ता विकास, तथा विद्या भारती के चार आयाम –

विद्वत परिषद,शोध कार्य,संस्कृति बोध,पूर्व छात्र परिषद

सहित दो दर्जन से अधिक केंद्रीय विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह एवं विद्या भारती के मार्गदर्शक डॉ. कृष्ण गोपाल की विशेष उपस्थिति रहेगी।

विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है, और देशभर से आए प्रतिनिधियों के भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था भी यहीं की गई है।

प्रतिनिधियों का आगमन प्रारंभ

राजगीर में आयोजित इस साधारण सभा में शामिल होने हेतु विद्या भारती के केंद्रीय अधिकारी एवं देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधि पहुँच चुके हैं।

उपस्थित प्रमुख अधिकारीगणः

डॉ. कृष्ण गोपाल (सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ)

डी. रामकृष्ण राव (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्या भारती)

अवनीश भटनागर (महामंत्री)

गोविंद चंद्र महंत (राष्ट्रीय संगठन मंत्री)मधु श्री संजीव साव (राष्ट्रीय मंत्री)श्रीराम अरावकर (सहसंगठन मंत्री)

ब्रह्मा जी राव (मंत्री)

सुश्री पवित्रा दहाल (सह मंत्री)

शशिकांत फा ड़के सहित देश के 300+ प्रतिनिधि

यह आयोजन शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मशरक में जमीनी विवाद में मारपीट में 10 लोग घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चरिहारा गांव में जमीनी विवाद में मारपीट में 10 लोग घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए गए। घायलों का चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों में चरिहारा गांव निवासी एक पक्ष से 42 वर्षीय गीता देवी,38 वर्षीय तेतरा देवी,36 वर्षीय गायत्री देवी,19 वर्षीय रंभा कुमारी,18 वर्षीय सागर कुमार और दूसरे पक्ष से 40 वर्षीय उषा देवी,35 वर्षीय सरिता देवी,42 वर्षीय उमरावती देवी,46 वर्षीय लाल बिहारी मांझी,25 वर्षीय अजय कुमार मांझी शामिल हैं। इमरजेंसी 112 की टीम ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घटना का विवाद जमीनी विवाद बताया गया। वहीं मामले में थाना पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

पूर्व विधान पार्षद लालबाबू लाल पंचतत्व में विलीन, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सहित वरिष्ठ नेताओं ने पार्थिव शरीर पर की पुष्पांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू लाल का पार्थिव शरीर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में पार्टीजनों के बीच अंतिम दर्शन को रखा गया। मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व एमएलसी लालबाबू लाल आजीवन कांग्रेस के विचारधारा के सच्चे सिपाही के रूप में रहें और अंतिम दम तक प्रदेश मुख्यालय पर सक्रिय रहें। उनके निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया और मुक्तिधाम पर वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि और कांग्रेस का तिरंगा अर्पित किया। पूर्व एमएलसी लालबाबू लाल बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुंगेरी लाल के भतीजे थे और बेहद कम उम्र में एमएलसी बनें थे। इससे पूर्व उनका पार्थिव शरीर बिहार विधान परिषद में भी अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस दौरान उनके बेटे लगातार मौजूद रहें।स्व लाल बाबू लाल के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि देने वालों में मोतीलाल शर्मा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, अजय चौधरी, संजीव प्रसाद टोनी, जमाल अहमद भल्लू, मुन्ना शाही, ज्ञान रंजन, आशुतोष शर्मा, अरविंद लाल रजक, संजीव कर्मवीर, अनुराग चंदन, आलोक हर्ष, धनंजय शर्मा, मृणाल अनामय, अखिलेश्वर सिंह, रमाशंकर पांडेय, मृगेंद्र सिंह, सुनील कुमार सिंह, नदीम अंसारी, आर एन चौधरी,सहित अन्य नेता प्रमुख थे।

किसी भी सरकारी भवन का रंग रोगन में पीले रंग का इस्तेमाल नहीं होगा

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय:जिला पदाधिकारी बेगूसराय, श्री तुषार सिंगला द्वारा बेगूसराय जिला अंतर्गत सभी सरकारी भवनों को पीला रंग से रंग-रोगन नहीं कराने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा सभी विभागों को कार्यालय प्रधान को पत्र देकर निदेशित किया है । जिला पदाधिकारी ने बताया कि सामान्यतः ऐसा पाया जाता है की सरकारी भवनों का रंग-रोगन पीले रंग से किया जाता है, साथ ही ऐसा भी देखा जाता है कि जर्जर सरकारी भवनों का भी सौंदर्याकरण के नाम पर पीले रंग से रंग-रोगन कर दिया जाता है जो सौन्दर्याकरण की दृष्टिकोण से उचित नहीं दिखता है इसलिए जिला पदाधिकारी द्वारा किसी भी सरकारी भवन में रंग रोगन हेतु पीला रंग नहीं इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है साथ ही यह भी निदेशित किया गया है की पूर्व से पीले रंग से रंगे सभी सरकारी भवनों का अन्य किसी रंग से रंग रोगन करवाते हुए परिवर्तित किया जाय। सभी विभागों को भेजे गये पत्र में बताया गया है कि यदि किसी भी सरकारी भवनों का रंग-रोगन पीला रंग से करने का विभागीय निर्देश आता है तो इसकी जानकारी जिला पदाधिकारी को देते हुए ही कार्य करना प्रारंभ करेंगे।

बाईक की ठोकर राहगीर जखमी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर स्टेट बैंक के नजदीक सड़क किनारे जा रहे सफाई कर्मी को अज्ञात बाइक सवार ने पीछे से ठोकर मार दिया जिससे वह घायल हो गया। घायल बाईक सवार को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान कल्याणपुर गांव के 50 वर्षीय रणजीत राम के रूप में हुई है।इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने बताया कि गंभीर स्थिति देखते हुए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

अलग अलग थाना की पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर मारपीट के मामले में कोर्ट के निर्गत एनबीडब्ल्यू वारंटी कों गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मनियारपुर गांव के रामदेव पासवान के पुत्र प्रमोद पासवान के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत भेजा गया है। वहीं दूसरी ओर चकमहेसी थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र के बख्तियारपुर गांव में छापेमारी कर इश्तिहार वारंटी महेश सहनी के पुत्र राजा सहनी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष ने दी है।

तेज हवा चलने से विद्युत आपूर्ति ठप्प

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में खासकर बरहेता, तीरा, कुढवा, कल्याणपुर, अजना सहित विभिन्न जगहों पर गुरुवार की सुबह व दोपहर तेज हवा के साथ हल्की बुंदा बुंदी बारिश से क्षेत्र के किसानों में बेचैनी का माहौल है। जिन किसानों के खेत में लगी गेहूं की फसल को नुकसान होने की सम्भावना से किसान चिंतित है, वहीं जिन किसान के खेत में मक्का लगा हुआ है वे खुश दिख रहे थे। इधर प्रखंड क्षेत्र में दो दिन से दिन भर बिजली आपूर्ति बाधित रहने से प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के विभिन्न गांवों में बिजली नहीं रहने के कारण हर घर में नल जल नहीं चल रहा है। जिसके कारण लोगों मिलने वाली पेयजल आपूर्ति बंद है। इस संबंध में बिजली विभाग के कल्याणपुर जेई कुणाल कुमार ने बताया कि तेज हवा के कारण दो दिनों में पेड़ पौधे तार के सम्पर्क में आने के कारण मेंटेनेंस कार्य कराया जा रहा है। सुबह नौ बजे दिन तक लोग बिजली से होने वाली काम को कर ले अगले दो दिन यह स्थिति बने रहने की स्थिति बताई गई है।

स्थापना दिवस के अवसर निकाली गई कलश शोभा यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर

प्रखंड क्षेत्र के अंजना मंजिल मुबारक स्थित श्री श्री 108 आशुतोष महादेव की स्थापना दिवस के अवसर पर गांजे बाजे के साथ 301 कुंवारी कन्याओं ने कलश शोभा यात्रा निकाली जो मंदिर कैम्पस से होकर अंजना, महमूदाबाद, विरसिंहपुर होते बुढ़ी गंडक विरसिंहपुर से पंडित जवाहर द्वारा मंत्रों उच्चारण के कलश भरकर मंदिर कैम्पस में स्थापित किया गया।कलश स्थापना के बाद अष्टायम का आयोजन किया गया, जो गुरुवार से लेकर शुक्रवार तक चलेगा। कलश शोभा यात्रा 1 किलोमीटर लंबी कुंवारी कन्याएं व श्रद्धालु की भीड़ लगी हुई थी। मौके पर अंजना पंचायत मुखिया अनीता देवी, पैक्स अध्यक्ष हिमांशु कुमार शेखर, रामबली महतो, योगेन्द्र सदा, अजय कुमार गुप्ता, चन्दु साह, रुपेश कुमार राय उर्फ भोला, विनोद राय, शिव रंजन उर्फ छोटू, मोहम्मद सितारे, भिखारी राय, ललित राय, चन्दन साह सहित सभी ग्रामीण ओर समाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

यूनिसेफ की बाल संरक्षण टीम ने किया जिले का दौरा

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:यूनिसेफ की बाल संरक्षण दिल्ली टीम ने सीतामढ़ी जिले का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अनुश्रवण करना, बाल अधिकारों की स्थिति का मूल्यांकन करना और किशोरियों के सशक्तिकरण को लेकर संवाद स्थापित करना था। टीम ने बेलसंड और परसौनी प्रखंड के मधकौल, भोरहा और देमा गांवों का भ्रमण किया, जहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही टीम ने पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना से लाभान्वित एक बालिका से मुलाकात की और उसके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को जाना। दौरे के दौरान टीम ने स्थानीय किशोरी समूहों के साथ संवाद सत्र भी आयोजित किया। इन बैठकों में किशोरियों ने अपने अनुभव साझा किए और सामाजिक तथा व्यक्तिगत चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की। यूनिसेफ टीम ने किशोरियों को जागरूकता, आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व को लेकर प्रोत्साहित किया। वहीं, कठिन परिस्थितियों में रहकर इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल हुई किशोरियों को यूनिसेफ टीम ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टीम ने कहा कि इन किशोरियों की सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है।यूनिसेफ की यह पहल बाल संरक्षण, शिक्षा और किशोरी सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। टीम ने सीतामढ़ी जिले में इन क्षेत्रों में किए गए कार्यों की सराहना की। स्थानीय लोगों और प्रशासन ने भी यूनिसेफ टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और भविष्य में सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस टीम में यूनिसेफ दिल्ली से आए बाल संरक्षण प्रमुख जैरस लिगू, यूनिसेफ पटना से बाल संरक्षण अधिकारी गार्गी साहा और प्रथम संस्था से जिला समन्वयक सुधीर कुमार शामिल रहे।

इनर व्हील सारण ने मनाया 7वां स्थापना दिवस

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा ,शहर के पार्टी क्लब में इनर व्हील सारण ने क्लब का 7वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित किया और उसके बाद इनर व्हील प्रार्थना किया गया।क्लब की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने सभी का स्वागत किया और संस्थापक अध्यक्ष अनु जायसवाल ने क्लब के पिछले 6 सालों का गौरवशाली इतिहास सदस्यों को बताया ।उसके बाद अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने सभी संस्थापक मेंबर्स को अंग वस्त्र और गिफ्ट देकर सम्मानित किया । सभी सम्मानित सदस्यों ने अपने-अपने 6 साल के अनुभवों को अन्य सदस्यों के बीच साझा किया ।फिर संस्थापक सदस्यों ने स्थापना दिवस का केक काटकर एक दूसरे को खिलाया ।

वही वूमेंस डे पर क्लब द्वारा तीन महिलाओं पुनीता जी जो लड़कियों को निःशुल्क सिलाई का प्रशिक्षण देती है, अनीशा जी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देती है और क्लासिकल डांस का प्रशिक्षण देती है, प्रियंका जी भी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देती है ।यह तीनों अपने-अपने क्षेत्र में समाज के लिए बहुत ही कल्याणकारी कार्य कर रही हैं। अध्यक्ष ने तीनों महिलाओं और लड़कियों को अंगवस्त्र और मेमेंटो देकर सम्मानित किया ।मंच संचालन पूर्व अध्यक्ष अनीता राज ने किया और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अंजू फैशन ने दिया ।इस मौके पर वहां पूर्व अध्यक्ष रूपा गुप्ता, सुषमा गुप्ता, संजू गोल्ड, रिंकी सिन्हा, कामिनी जायसवाल, निष्ठा मोदनवाल, गायत्री गुप्ता, पिंकी गुप्ता, वीणा श्रीवास्तव, संध्या उपाध्याय, राधा गुप्ता, मंजू गुप्ता, प्रिया साह, सोनी गुप्ता और शालिनी अग्रवाल उपस्थित थी । इसकी जानकारी अध्यक्ष ने दिया ।

कलश शोभा यात्रा में 1100 श्रद्धालुओं ने लिया भाग

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अजना पंचायत अंतर्गत मंजिल मुबारक आशुतोष महादेव के प्रांगण में गुरुवार से चार दिवसीय महायज्ञ की प्रारंभ कलश शोभा यात्रा के साथ की गई। शोभा यात्रा में 1100 श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे के साथ जय श्री राम हर हर महादेव का नारा लगाते हुए कई गांव का भ्रमण करते हुए महायज्ञ स्थल पहुंचे। कलश यात्रा में भाग लेने वाली कन्याओं को खीर का प्रसाद खिलाया गया। महायज्ञ के आयोजनकर्ता समस्त ग्रामवासी के अलावा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शोभा यात्रा में भाग लेने वालो में डोमी साह, बुद्धु राम, मनोज साह, मिंटू सिंह, महात्मा जगदेव राय, सुरेश साह, पंचायत समिति सदस्य राजा कुमार, डॉ राजकुमार, अजय साह आदि का नाम शामिल है।शुरूआत में 24 घंटे की महाअष्टयाम शिव विवाह, राम विवाह, आशुतोष महादेव की स्थापना दिवस चार दिवसीय महायज्ञ में होगी। शोभा यात्रा में रागिनी कुमारी, मनतोरनी कुमारी, आशा कुमारी, अनुराधा कुमारी, ममता देवी व सैकड़ो की संख्या में शोभा यात्रा में श्रद्धालु मंत्र उच्चारण के साथ कलश में जल लेकर यज्ञ स्थल पहुंचे।

बेगूसराय से हजारों जदयू कार्यकर्ता आंबेडकर जयंती में जायेंगे पटना

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय : बेगूसराय जिला के जदयू जिलाध्यक्ष रूदलराय, जदयू जिला प्रवक्ता अरुण कुमार महतो ने संयुक्त रूप से बुधवार को को बताया कि 13 अप्रैल 2025 को पटना के बापू सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती में बेगूसराय जिले से हजारों की संख्या में जदयू के साथी नेता एवं कार्यकर्ता जयंती समारोह में भाग लेंगे. 14 अप्रैल 2025 को जिला जदयू कार्यालय, प्रखंड कार्यालय, पंचायत कार्यालय में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूम धाम से मनाया जायेगा. 14 अप्रैल को ही जदयू के सभी स्तर के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने अपने घरों में दीप जलाकर दीपावली के रूप में इस जयंती को महोत्सव में रूप में मनाने का कार्य करेंगे ।

परीक्षार्थी को किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। सोमनाहा एवं गोराई पंचायत के लोगों को आगे लाना है तो शिक्षा पर बल देना होगा। उक्त बातें वृहस्पतिवार को चूल्हाई राम आदर्श उच्च विद्यालय सोमनहा के प्रांगण में आयोजित एक सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर अनीता राम ने अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि अपने परिवार के बच्चों के लिए एवं समाज के लोगों को शिक्षा संस्थान की स्थापना पर जोर देना होगा। इसी से हमारा समाज आगे बढ़ेगा पुरस्कार बच्चों को प्रोत्साहित करने और अभिभावपकों को जागरूक करने का एक प्रयास है। बताते चलें कि चुल्हाईराम आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में सोमनाहा एवं गोराई पंचायत के मैट्रिक एवं इंटर पास परीक्षार्थियों को पुरस्कृत कर समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि इस अवसर पर 250 की इंटर एवं मैट्रिक की परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। जिसमें 12 वीं टॉपर विवेक कुमार, सरस्वती कुमारी, दीपक कुमार, पिंकी कुमारी, 10 वीं में टॉपर चंचल कुमारी, सुमन भारती, आदित्य कुमार, सोनम कुमारी, कल्पना कुमारी, संजना कुमारी, रंजना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रोशनी कुमारी का नाम शामिल हैं। इस दौरान स्नेहा संध्या, राजनंदिनी, हेमा, प्रभा, सोनम, प्रीति, रागिनी, अनुष्का, रोमा, नीतू, संजना, ग्रेसी, दीप, आदि बच्चों ने जाट जट्टिन, झिझिया आदि लोक धुनों पर आधारित मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा से लोगों का मनमोह लिया। मंच संचालन ब्रह्मदेव सिंह ने किया। मौके पर राजकुमार सिंह, ओम प्रकाश, सतीश प्रसाद सिंह, राधा कुमारी मुखिया सोमनहा, अनीश कुमार मुखिया बलहा, भुवनेश्वर राम आदि मौजूद थे।

गैस सिलेंडर मूल्यवृद्धि पर भड़का आक्रोश : कांग्रेस ने केंटीन चौराहे पर पीएम का पुतला फूंका

तेल के दाम घटे, सिलेंडर महंगा जनता के गले पर सरकार का पंजा

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय :जनता के समर्थन में कांग्रेस सोशल मीडिया इकाई ने दिखाया आक्रोश। सैकड़ों कार्यकताओं ने लगाए मोदी सरकार हाय-हाय के नारे। गैस सिलेंडर पर 50 रुपये की बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गरीबगध्यगवर्ग चुका रहा वोट की कीमत। शहर के केंटीन चौराहे पर आज दोपहर असामान्य दृश्य देखने को मिला जब कांग्रेस सोशल मीडिया की जिला इकाई के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में हुई वृद्धि के विरोध में प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी के साथ सरकार के खिलाफ अपनाआक्रोश व्यक्त किया। सोशल मीडिया की राज्य इकाई टीम के उपाध्यक्ष मोहित कुगार ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि यह विडंबना ही है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत तीन साल के निचले स्तर पर है और हमारी सरकार गैस के दाम बढ़ा रही है। पहले से महंगाई से परेशान आम लोगों पर 50 रुपये की एक और मार पड़ी है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार इस सरकार को अपना वोट देने की कीमत अदा कर रहे हैं। जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय सिंह ने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह सरकार अपने पूंजीपति मित्रों के हित में गरीबों का गला घोंट रही है। डूबती अर्थव्यवस्था के बीच कॉर्पोरेट मित्रों को बचाने के लिए इस सरकार का एकमात्र शिकार देश का आम नागरिक है। कांग्रेस विचार मंच के प्रदेश संयोजक अमित कुमार शर्मा ने कहा किकांग्रेस पार्टी हमेशा से गरीबों के हित में आगे आकर अन्यायपूर्ण नीतियों का विरोध करती रही है और आज भी सरकार की इन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क पर है। युवा नेता कुमार रत्नेश 'टुल्लू और सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष कुशमेश कुमार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह महज आंदोलन की शुरूआत की झलक है।

बेगूसराय में दिनदहाड़े अपराधियों ने लूटपाट के दौरान युवक को गोली मारकर की हत्या

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय जिले का
है जहां अपराधियों ने लूटपाट के दौरान एक युवक की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी।
इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।
मौके पर पहुंची पुलिस घटना के सभी बिन्दुओं की जांच कर रही है। वही मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है।
दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने युवक मारी गोली
दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने लूटपाट करने के दौरान एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी।
साथ ही साथ अपराधियों ने पांच लाख रुपए की लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है।
और मौके से अपराधियों ने हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया। यह पूरा मामला लाखो थाना क्षेत्र के पनसल्ला ढाला के समीप की है। मृतक युवक की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के बड़ी बलिया वार्ड-2 के रहने वाले रामाशीष पोद्दार के 37 वर्षीय पुत्र राहुल पोद्दार के रूप में हुई है।
परिजनों ने बताया राहुल घर से पांच लेकर निकला
इस घटना के संबंध में परिजनों बताया है कि राहुल पोद्दार अपने मोटरसाइकिल परबेगूसराय एसपी मनीष पहुंचे घटनास्थलवही इस घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष, सदर डीएसपी सुबोध कुमार सहित कई थाने के पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। वही इस घटना से नाराज लोगों ने एनएच-31 को भी जाम कर दिया। हालांकि कुछ देर बाद ही न रोड पर जाम को खत्म कर दिया गया है। फिलहाल इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वही घटनास्थल पर अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। एसपी मनीष के नेतृत्व में एफएसएल की टीम घटना स्थल पर पहुंची है, पूरे मामले की तहीकत की जा रही है। कल की एसपी ने कहा है कि अभी अमाउंट की बात सामने नहीं आई है कि कितने की लूट हुई है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।सवार होकर बेगूसराय से पांच लाख लेकर घर जा रहा था। तभी पनसल्ला के समीप ठल 31 पर एक बाइक पर तीन अपराधी सवार था। और हथियार निकाल कर रुपया लूटने लगा जब लूटपाट काइसका विरोध किया तो इसी से नाराज होकर अपराधियों ने राहुल पोद्दार को गोली मारकर दिनदहाड़े हत्या कर दिया। वही हत्या करने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया।

स्थापना दिवस के अवसर निकाली गई कलश शोभा यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अंजना मंजिल मुबारक स्थित श्री श्री 108 आशुतोष महादेव की स्थापना दिवस के अवसर पर गांजे बाजे के साथ 301 कुंवारी कन्याओं ने कलश शोभा यात्रा निकाली जो मंदिर कैम्पस से होकर अंजना, महमूदाबाद, विरसिंहपुर होते बुढ़ी गंडक विरसिंहपुर से पंडित जवाहर द्वारा मंत्रों उच्चारण के कलश भरकर मंदिर कैम्पस में स्थापित किया गया।कलश स्थापना के बाद अष्टायम का आयोजन किया गया, जो गुरुवार से लेकर शुक्रवार तक चलेगा। कलश शोभा यात्रा 1 किलोमीटर लंबी कुंवारी कन्याएं व श्रद्धालु की भीड़ लगी हुई थी। मौके पर अंजना पंचायत मुखिया अनीता देवी, पैक्स अध्यक्ष हिमांशु कुमार शेखर, रामबली महतो, योगेन्द्र सदा, अजय कुमार गुप्ता, चन्दु साह, रुपेश कुमार राय उर्फ भोला, विनोद राय, शिव रंजन उर्फ छोटू, मोहम्मद सितारे, भिखारी राय, ललित राय, चन्दन साह सहित सभी ग्रामीण ओर समाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

रिविलगंज प्रखण्ड के 20 सूत्री

अध्यक्ष बने धर्मेन्द्र सिंह चौहान।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

रिविलगंज मण्डल के भाजपा अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान को बिहार सरकार मंत्री मण्डल सचिवालय विभाग द्वारा बनाया गया है। प्रखण्ड 20 सूत्री में अध्यक्ष , उपाध्यक्ष सहित 13 सदस्य के साथ 15 का कमिटी बनाया गया। जिसकी अधिसूचना कर दिया गया है।बता दे कि 20 सूत्री अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान 1998 से भाजपा के सक्रिय राजनीति में है। पार्टी के सबसे पुराने कार्यकर्ता का लाभ लेनी चाहती है। 20 सूत्री अध्यक्ष के सचिव प्रखण्ड पदाधिकारी यानी बीडीओ होते है , सरकार के 20 योजनाओ के के देख रेख करने वाले 20 सूत्री अध्यक्ष होते है। बता दे दे कि इस 20 सूत्री के सदस्य के रूप में स्थानीय सांसद, विधायक ,एमएलसी पदेन सदस्य होते है।

> कानून को हाथ में लेने वालों के विरूद्ध सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अबतक की छापेमारी में 14 हिरासत में

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा:सरकारी कार्य में बाधा और पुलिस पर हमले के कुल 14 आरोपी (08 अभियुक्त गिरफ्तार एवं 06 विधि-विरूद्ध बालक निरूद्ध) हिरासत में।
दिनांक-09.04.25 को अमनौर थानान्तर्गत ग्राम जहरी पकड़ी टोला केवारी कला, थाना-अमनौर, जिला- सारण में एक 18 चक्का ट्रक सें धक्का लगने के कारण 01 बच्चे की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो जाने के कारण स्थानीय लोगों द्वारा लाठी, डंडा लेकर सड़क जाम कर दिया गया था। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुँच कर अमनौर थाना टीम द्वारा मामले को शांत कराने की कोशिश की जा रही थी तभी एकत्रित भीड़ उग्र हो गई तथा घटना स्थल पर उपस्थित स०अ०नि० संजय कुमार के साथ मारपीट करने लगे। भीड काफी उग्र होने के कारण उनके द्वारा आत्मरक्षार्थ दो राउंड हवाई फाइरिंग कर भीड़ को तितर-बितर किया गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक, ग्रमीण, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मढ़ौरा-1 अन्य थाना के पुलिस बल के साथ पहुँचे तथा स्थिति पर नियंत्रण करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। ट्रक चालक को भीड़ से छुड़ा कर अमनौर थाना लाया गया। घायल स०अ०नि० संजय कुमार को पी.एच.सी. अमनौर से प्राथमिक उपचार बाद बेहतर ईलाज हेतु सदर अस्पताल छपरा / हाईयर सेंटर रेफर किया गया है। सड़क जाम हटा कर यातायात को सुचारू रूप से चालू कराया गया है। पुलिस के कार्यों में बाधा उत्पन्न करने व हमला करने के संदर्भ में अमनौर थाना कांड संख्या-95/25, दिनांक-09.04.25, धारा-191(2)/191(3)/190/126(2)/127(2)/115(2)/112(2)/125 (ए)/125 (बी)/221/223/224/285/292/189(2)/189(4)/189(5)/324(4)/189(5)/324(4)/132 बी०एन०एस० दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर घटना में संलिप्त उपद्रवियों की पहचान कर कुल 14 आरोपियों को (08 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया तथा 06 विधि-विरूद्ध बालक को निरूद्ध किया गया है) हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। घटना में संलिप्त अन्य उपद्रवियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी न होने की स्थिति में वारंट और कुर्की की कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है। दोषियो को कठोरतम सजा स्पीडी ट्रायल के माध्यम से दिलाई जाएगी।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

1. लाल देव राय, पिता स्व० लक्ष्मण राय, ग्राम-जहारी पकड़ी, थाना-अमनौर, जिला-सारण।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल-तेजस्वी पर साधा निशाना

कहा- मुसलमान विरोधी हैं तेजस्वी यादव, राहुल गांधी को खुद नहीं पता क्या बोलते हैं

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने आज बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि तेजस्वी मुसलमानों के खिलाफ हैं। दरअसल, तेजस्वी ने कहा था कि 2025 बिहार में RJD की सरकार बनने पर संशोधित किए गए वक्फ बिल को निरस्त करेंगे। इसपर पलटवार करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि RJD की सरकार बनना ही नहीं है। संसद से जो कानून पास होता है, वह पूरे देश में लागू होता है।गिरिराज सिंह ने कहा कि संसद पूरे देश का है। तेजस्वी यादव गरीब

पसमांदा मुसलमान के खिलाफ हैं। तेजस्वी यादव नहीं चाहते हैं कि गरीब मुसलमान और महिलाओं को हक मिले। तेजस्वी यादव इसीलिए अनाप-शनाप बोल रहे हैं। तेजस्वी यादव गरीब पसमांदा मुसलमान के विरोधी हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड में कानून इसलिए बना है कि गरीब मुसलमानों को हक मिले, पसमांदा मुसलमान

समाज को हक मिले, महिलाओं को हक मिले, तेजस्वी यादव के ठेकेदारों को हक नहीं मिले। इसलिए वह कुछ से कुछ बोलकर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं।राहुल गांधी द्वारा जनगणना का सवाल उठाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को खुद ही पता नहीं है कि क्या बोलते हैं। वह राजा के घर में पैदा लिए हैं, राजा की तरह जो मन में होता है बोलते हैं। जनगणना बिहार में हो गया है, कई राज्यों में हो गया है। अब वह क्या से क्या बोल रहे हैं। राहुल गांधी के बेगूसराय में पदयात्रा करने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी बेगूसराय में 45 मिनट की यात्रा किए। बेगूसराय एक ऐसा स्थान है जो राजनीतिक केंद्र है, औद्योगिक केंद्र है और यहां 45 मिनट में परिवर्तन के लिए आए थे राहुल गांधी। परिवर्तन किस बात का, उनके पिताजी ने इसी बेगूसराय की धरती पर 1985 में कहा था कि पेट्रोकेमिकल्स होगा। दो बार लोगों से वोट लिया, पेट्रोकेमिकल्स कहां गया, जहन्नुम में चला गया ? नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और पेट्रोकेमिकल बन रहा है, 25 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट हो रहा है। यह नौटंकी के सिवा कुछ नहीं है, राहुल गांधी आएंगे तो क्या हो जाएगा। कन्हैया को चेहरा बनाने के सवाल पर कहा कि जिसको बनाना है बनाएं, हमको उससे क्या।

8 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट,ठनका से 22 मौतें

पटना। बिहार में मौसम बदला हुआ है। गुरुवार की सुबह सुपौल, मधुबनी, कटिहार, गोपालगंज, बक्सर में तेज बारिश हुई है। कटिहार में एक घंटे की तेज बारिश से कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। वहीं मुजफ्फरपुर में तेज हवा से एक पेड़ एक शख्स के ऊपर गिर गया। दबने से बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। मौसम विभाग ने बिहार के 8 जिलों में आज ऑरेंज, जबकि 24 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन सभी 32 जिलों में अगले 48 घंटे के बीच तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। वहीं, अन्य 6 जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगानाउकास्ट मौसम विज्ञान में इस्तेमाल होने वाला एक शब्द है,

जो बहुत ही कम समय के लिए मौसम की भविष्यवाणी को बताता है। यह आमतौर पर अगले कुछ घंटों (0-6 घंटे) के मौसम की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। इसके अनुसार, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल और सीमावर्ती इलाकों में 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। साथ ही इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम में यह बदलाव फसलों पर भी असर डाल सकता है, इसलिए किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि अगर फसल तैयार है तो जल्द से जल्द कटनी और दौनी कर लें। कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर ढंककर रखें। ताकि बारिश और आंधी से नुकसान न हो। बिहार में 9 अप्रैल को आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से 17 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा बेगूसराय और दरभंगा में 5-5 मौतें हुई हैं। जबकि मधुबनी में 4, सहरसा में 2 और औरंगाबाद में 1 की जान चली गई। ये बिहार में इस साल के शुरूआती आंकड़े हैं। पिछले 5 साल की बात करें तो बिहार में 1000 से ज्यादा लोगों की जान आकाशीय बिजली की चपेट में आने हुई है। 2024 में आकाशीय बिजली गिरने से प्रदेश में 253 मौतें हुई थीं। जबकि आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में 280, 2022 में 400, 2023 में 242 लोगों की जान जा चुकी है।

बीच सड़क से छात्र किडनैप, पीटते-पीटते ले गए

लखीसराय। टाउन थाना क्षेत्र में एक छात्र के अपहरण कर लिया। वारदात बुधवार रात चितरंजन रोड स्थित पीबी स्कूल के पास हुई। छात्र तब मोबाइल पर बात कर रहा था। बदमाश उसे पीटते-पीटते कार में ले गए। सूचना के बाद 8 घण्टे में पुलिस ने उसे ढूंढ निकाला। आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपहत छात्र की पहचान संतर मुहल्ला निवासी विनोद मंडल के बेटे अंशु कुमार (18) के रूप में हुई है। बदमाशों ने उससे मारपीट भी की। रेस्क्यू कर उसे अस्पताल लाया गया। अपहरण का वीडियो भी सामने आया है। इससे पुलिस को सुराग लगा और छात्र को बचा लिया। पुलिस को प्रेम प्रसंग का शक प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम

प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस कारणों की तलाश कर रही है।तीन से चार बदमाश थेसीसीटीवी से पता चला कि अंशु बाइक रोककर मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी थाना चौक की तरफ से कार आई। उससे उतरे तीन-चार युवकों ने मारपीट शुरू कर दी। फिर उसे गाड़ी में डालकर वापस थाना चौक की ओर ले गए। मोबाइल लोकेशन से भी मिली मदद पुलिस को अपहत छात्र की मोबाइल लोकेशन टाउन थाना क्षेत्र से बाहर मिली।

मौत के बाद भी महिला को किया रेफर

जमुई। के राधिका इमरजेंसी क्लिनिक में 8 दिनों से इलाजरत महिला की मौत हो गई। क्लिनिक संचालक ने परिजनों को उसे जिंदा बताकर सदर अस्पताल भेज दिया। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत कई घंटे पहले ही हो चुकी है। इसके बाद आक्रोशित ग्रामिणों ने क्लिनिक के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। मृतका की पहचान हांसडीह गांव निवासी गुड़िया देवी के रूप में हुई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान क्लिनिक संचालक ने 10-20 बदमाशों को बुलाकर परिजनों पर हमला करवा दिया। हमलावरों ने ईंट-पत्थर और लोहे के रॉड से हमला किया। इस हमले में मृतका के भाई तपोश रावत, काजल कुमारी, उत्तम कुमार समेत पांच लोग घायल हो गए। मृतका के भाई तपोश रावत ने बताया कि गुड़िया को 1 अप्रैल को बुखार आया था। सदर अस्पताल के

दलालों ने उसे राधिका इमरजेंसी में भर्ती करा दिया। क्लिनिक में रोजाना 25,000 रुपए का खर्च बताया जा रहा था। बुधवार की रात को क्लिनिक स्टाफ ने बताया कि मरीज की हालत गंभीर है और उन्हें सदर अस्पताल ले जाना चाहिए। लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि गुड़िया की मौत कुछ घंटे पहले ही हो चुकी है। सूचना मिलने पर अंचलाधिकारी ललिता कुमारी, टाउन थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहित भारी संख्या में सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने क्लिनिक के सारे सामानों को जब्त कर लिया। साथ ही, 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस हिरासत में 6 लोग अंचलाधिकारी ललिता कुमारी ने बताया कि जिले में बिना रजिस्ट्रेशन के चलाए जा रहे हैं, सभी क्लिनिकों को शील किया जाएगा।

प्रेमी से मिलने बिहार से 1230KMदूरMPगई प्रेमिका

मुजफ्फरपुर। लड़का बोला- नाबालिग हो, लौट जाओ; 10वीं में कम नंबर आए तो पिता ने कहा था-शादी करा दूंगा मुजफ्फरपुर4 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे कोल्डड्रिंक्स और चिप्स लेने के लिए घर निकली लड़की बिना बताए मुजफ्फरपुर से 1230 ङट दूर मध्यप्रदेश के खंडवा चली गई। लड़की वहां रहने वाले अपने प्रेमी शादी करना चाहती थी। दोनों में दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। जब वो अपने प्रेमी से मिली तो उसने कहा- 'तुम अभी नाबालिग हो, लौट जाओ।' जब लड़की ने इससे इनकार किया तो लड़के ने नाबालिग को पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद खंडवा पुलिस ने लड़की के परिजन को मामले की जानकारी दी। बुधवार को परिजन खंडवा पहुंचे तो पुलिस ने लड़की को उन्हें सौंप दिया। लड़की के पिता की ओर से 5 अप्रैल को मुजफ्फरपुर के सकरा थाने में FIR दर्ज करने के लिए आवेदन

दिया गया था। इसमें पिता ने कहा- 16 साल की मेरी बेटी 4 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे कोल्डड्रिंक्स और चिप्स लेने के लिए निकली थी, लेकिन घर नहीं लौटी। मुझे आशंका है कि किसी ने हत्या की नीयत से उसका अपहरण कर लिया है। पढ़ाई में मन लगता नहीं है, तुम्हारी शादी करा दूंगा लड़की 10वीं की छात्रा है। हाल ही में 10वीं का रिजल्ट आया था, जिसमें छात्रा को मात्र 40 फीसदी नंबर मिले थे। खराब रिजल्ट आने की वजह से लड़की के पिता ने उसे डांटा था और कहा था कि, 'पढ़ाई में तुम्हारा मन नहीं लगता, तुम्हारी शादी करा दूंगा।' उधर, लड़की प्रेमी से लगातार बात कर रही थी। उससे शादी करना चाहती थी। पिता की ओर से शादी की बात किए जाने की वजह से वो घर से निकली और प्रेमी से शादी के लिए इंदौर जाने वाली ट्रेन में बैठ गई। नाबालिग का प्रेमी इंदौर का रहने वाला है। लड़की मुजफ्फरपुर से सीधा इंदौर न जाकर खंडवा में ही उतर गई थी। फिर बॉयफ्रेंड को वहां बुलाया था। खंडवा स्टेशन पर लड़की के आने की जानकारी के बाद बॉयफ्रेंड वहां पहुंचा। इसके बाद किसी तरह बहाना बनाकर उसे सीधा खंडवा पुलिस के पास ले गया और पूरे मामले की जानकारी दे दी। फिर लड़का अपने घर इंदौर लौट गया।जानकारी के मुताबिक, खंडवा कोतवाली पुलिस ने तत्काल लड़की को वन स्टाप सेंटर भेज दिया, जहां से उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। फिर समिति ने लड़की के परिजन को फोन कर खंडवा बुला लिया। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के मुताबिक, लड़की ने बताया कि 'उसने जब अपने प्रेमी को फोन किया, तो साथ में उसका बड़ा भाई भी आया था। उसी ने समझाया और कहा- तुम अभी नाबालिग हो, एक साल बाद तुम दोनों की शादी करा देंगे, फिलहाल तुम अपने घर लौट जाओ, लेकिन मैं जिद पर अड़ गई, तो मुझे पुलिस को सौंप दिया।' लड़की को जब बाल कल्याण समिति को सौंपा गया, तो उसके पास 1100 रुपए भी थे। जब समिति के सदस्यों ने पूछा कि क्या ये पैसे तुम घर से चुरा कर लाई हो, तो उसने बताया कि 'ये पैसे उसके प्रेमी के बड़े भाई ने ही दिए हैं।

अतुल ने कहा था-परेशान हूं, लैपटॉप-डायरी से खुलेगा राज

जमुई। में जर्मनी से आए इंजीनियर अतुल कुमार (28) की 7 अप्रैल को झरने से लाश मिली थी। वो अपनी पत्नी प्रिया के साथ पंचभूर झरना धूमने गया था। पत्नी का कहना था कि, चट्टान से गिरने की वजह से अतुल की मौत हो गई थी, लेकिन अतुल की मां ने यह आरोप लगाया था कि बहू ने साजिश के तहत बेटे की हत्या करवाई है। बहन ने बताया कि 'अतुल मोबाइल समय-समय पर ऑन-ऑफ हो रहा है। लेकिन पुलिस उसके मोबाइल के लोकेशन तक नहीं पहुंच पा रही है। वह कभी अपना लैपटॉप नहीं छोड़ता था। इस बार लैपटॉप का

गायब होना संदेह बढ़ा रहा है।' अनुपमा ने बताया है कि, अतुल जर्मनी से जमुई अपनी शादी रजिस्टर कराने आया था। हमारी मां चैती छठ करती हैं, इसलिए वो यहां रुक गया। अनुपमा ने बताया कि अतुल और प्रिया शादी के बाद हनीमून के लिए जर्मनी गए थे। 30 दिन का वीजा था, लेकिन प्रिया 15 दिन में ही वापस लौट आई थी। प्रिया बंगलुरू में ही जॉब करती थी। छुट्टियों में हो अपने मायके बिहार शरीफ जाया करती थी। अनुपमा का कहना है कि पुलिस को हर एंगल से जांच करनी चाहिए, ताकि सही बात सामने आ सके। प्रिया शादी के बाद भी बेंगलुरु में जॉब करती थी। वो छुट्टियों में बिहार शरीफ में अपने माता-पिता के साथ ही रहा करती थी।मां ने बहू पर लगाया था आरोप अतुल की मां सरिता देवी का कहना है कि, बहू ने साजिश कर मेरे बेटे की हत्या की है। बहू मेरे बेटे को टॉर्चर करती थी। मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है। IIT से एयरोनॉटिक्स में इंजीनियरिंग करके अतुल 2022 से जर्मनी में काम कर रहा था। सरिता देवी का आरोप है कि, 'प्रिया और उसके परिवार के सदस्य पहले भी उनके बेटे के साथ गाली-गलौज करते थे और जान से मारने की धमकी देते थे।'दोनों की 3 साल पहले हुई थी मुलाकात प्रिया का कहना है कि, बेंगलुरु में अतुल और मैं एक ही कंपनी में काम करते थे। बातचीत बढ़ी तो हमदोनों करीब आ गए और शादी का फैसला कर लिया। इसके बाद 2022 में वह जर्मनी चला गया।

धारदार हथियार से गला रेतकर बुजुर्ग महिला की हत्या

जमुई। में बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना झाझा थाना क्षेत्र के ढिबा गांव में की है। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने उनका शव घर के बाहर संदिग्ध हालत में पड़ा देखा। मृतका की पहचान स्वर्गीय जुगल यादव की पत्नी सुगनी देवी(74) के रूप में हुई है। उनकी बहन ने बताया कि सुगनी अपनी नातिन की शादी के लिए डेढ़ लाख रुपए एक मोटरी में बांधकर रखी थी। साथ में कुछ जेवर भी थे। परिजनों का कहना है कि अपराधियों ने पैसों के लिए देर रात हत्या की और रुपए-जेवर लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही झाझा थाना पुलिस और एसडीपीओ राजेश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जमुई भेज दिया है। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। एफएसएल टीम भी जांच के लिए पहुंचने वाली है। पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही इस घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। प्रशासन ने ग्रामीणों से मांगा सहयोग प्रशासन ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीणों से सहयोग मांगा है।

पूर्णिया में कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री का खुलासा

पूर्णिया। में किराए के मकान में नकली मोबिल बनाया जा रहा था। धंधेबाज नकली मोबिल बनाता और फिर उसे बहुचर्चित कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम से बेचता था। नकली मोबिल के दो से तीन बार के इस्तेमाल से गाड़ियों में इंजन के सीज करने की समस्या आ जाती। नकली मोबिल बेचकर धंधेबाज ने 2 सालों में अथाह संपत्ति बनाई। शातिर धंधेबाज के इस काले धंधे की भनक लगते ही पुलिस ने फैक्ट्री में छापेमारी की। किराए के मकान से चल रही कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री से लाखों के नकली मोबिल के साथ धंधेबाज को धर दबोचा। मामला पूर्णिया के मधुबनी थाना क्षेत्र के मोलवी टोला इलाके की है। धंधेबाज की पहचान शहर के मधुबनी थाना क्षेत्र के मोलबी टोला इमामबाड़ा निवासी मो.बाबर के रूप में हुई है। कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी ने पुलिस को दी जानकारी घटना की जानकारी देते हुए छापेमारी टीम में शामिल कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी शुभाशीष दत्ता ने बताया की पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कम्पनी के मोबिल की बिक्री में तेजी से गिरावट आ रही थी। इसके बाद उनकी टीम ने

इसकी पड़ताल करते हुए सेल्स में आई कमी की वजह तलाशने में जुट गए। पड़ताल में टीम को इसकी भनक लगी कि पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कंपनी का नकली मोबिल बेचा जा रहा है। वो जांच करते हुए मधुबनी मोलवी टोला पहुंचे, जिसके बाद उन्हें मालूम हुआ कि कैस्ट्रॉल कंपनी का मोबिल इसी इलाके में मौजूद किराए के मकान से बनाया जा रहा है। इसके दौरान बाद टीम ने इसकी सूचना मधुबनी थाना प्रभारी सूरज प्रसाद को दी। कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल फैक्ट्री संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर मधुबनी थानाध्यक्ष सूरज प्रसाद ने पुलिस टीम के साथ मोलबी टोला स्थित इमामबाड़ा के समीप स्थित मो.बाबर के घर में छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस और कैस्ट्रॉल कंपनी के टीम के अधिकारियों ने नकली मोबिल, डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, कई ड्रामों में जला हुआ लाखों का नकली मोबिल बरामद किया। मधुबनी थानाध्यक्ष सुरज कुमार ने बताया कि छापेमारी में कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल का धंधा करने वाले शातिर धंधेबाज मो.बाबर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जब्त नकली मोबिल, खाली डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, ड्राम की गिनती की जा रही है। घर से नकली कैस्ट्रॉल मोबिल के साथ ही दूसरी कंपनी गल्फ, ळश्र, हीरो का भी डब्बा बरामद किया गया है। पूछताछ में धंधेबाज मो.बाबर ने बताया है कि वो पिछले 2 साल से नकली मोबिल बनाकर बेचने का काम करता था। इससे उसने खूब संपत्ति बनाई।

संक्षिप्त डायरी

'पशुपति पारस ने चिराग को बताया फिल्मी हीरो

जमुई। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने बड़ी घोषणा की है। पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी 247 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए पारस ने उनकी सरकार को भ्रष्टाचार की जननी बताया। उन्होंने कहा कि बिहार अब बीमारू राज्य बन गया है। आवास योजना से लेकर वृद्धा पेंशन तक, कोई भी काम बिना घूस के नहीं होता। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने भतीजे चिराग पासवान पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने चिराग को फिल्मी हीरो बताते हुए कहा कि पर्दे पर कुछ और, पर्दे के बाहर कुछ और यही उनकी भूमिका है। पारस ने आरोप लगाया कि रामविलास पासवान के निधन के बाद चिराग ने अपनी बड़ी मां को अंतिम दर्शन तक नहीं करने दिया।बिल के कारण मुसलमानों में बढ़ी नाराजगी वक्फ बिल को लेकर पारस ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस बिल के कारण मुसलमानों में बीजेपी, जेडीयू, लोजपा और हम पार्टी के प्रति नाराजगी बढ़ी है। नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता होता कि वह ईद में शामिल हो रहे हैं या किसी और कार्यक्रम में।

सास ने बहू की प्रेमी से कराई शादी,

बेगूसराय। में एक सास ने रात में अपनी बहू को उसके प्रेमी के साथ कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। महिला ने शोर मचाकर गांव के लोगों को बुलाया। रातभर बहू और उसके प्रेमी को बंधक बनाकर रखा गया।फिर बुधवार दोपहर बहू की

उसकी प्रेमी से शादी करा दी गई। गांव के लोगों की मौजूदगी में सास ने अपनी बहू की मांग में प्रेमी से सिंदूर डलवाया और दोनों को विदा कर दिया। अपनी 2 साल की पोती को भी बहू के साथ भेज दिया।घटना लाखो थाना क्षेत्र की है। चंदन साह और विभा की 3 साल पहले शादी हुई थी। चंदन परदेस में रहकर मजदूरी करता है। घर पर चंदन की पत्नी विभा देवी, सास रेखा और 2 साल की बेटी के साथ रहती थी।लाखो थाना क्षेत्र के राजा डुमरी का रहनेवाला अमिताभ पासवान सूजा गांव में मजदूरी करने जाता था। जहां उसकी विभा से पहचान हुई।बहू की शादी का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल है।6 महीना पहले दोनों की मुलाकात राशन की दुकान पर हुई थी। दोनों अक्सर राशन लेने के बहाने सुबह या शाम को दुकान पर एक-दूसरे को दिख जाते थे।इसी बीच अमिताभ ने एक दिन विभा से उसका नंबर मांगा और फिर दोनों के बीच बातें होने लगी। करीब छह महीने की बातचीत के बाद दोनों ने एक दूसरे से प्यार का इजहार किया।दरअसल, चंदन के परदेश में होने, ससुर के गुजर जाने और सास के बुजुर्ग होने के चलते विभा अक्सर रात को अपने प्रेमी अमिताभ को अपने घर बुलाने लगी। सुबह सभी लोगों के जागने से पहले अमिताभ, विभा के घर से निकल जाता था। हालांकि, इसी बीच कभी किसी ने अमिताभ को विभा के घर से निकलते देखा। फिर इस बात की चर्चा पूरे गांव में होने लगी।पति ने कहा- मैं उसके साथ नहीं रहूंगा शादी से ठीक पहले पूरे मामले की जानकारी विभा के पति चंदन साह को भी दी गई। जब उसने पूरी घटना सुनी तो विभा को रखने से इनकार कर दिया। विभा की सास ने भी कहा कि बेटा मजदूरी करने क्या गया, बहू बदल गई।

मां ने लगाई फटकार, घर से भागकर स्टेशन पहुंची बेटी

शेखपुरा। में महिला पुलिस की सतर्कता और तत्परता से एक 19 वर्षीय युवती की जान बच गई। करंडे थाना क्षेत्र की रहने वाली यह युवती मंगलवार की देर रात मां की डांट से नाराज होकर घर से भाग गई। वह घर से सीधे रेलवे स्टेशन पर जाकर बैठ गई।स्टेशन पर परेशान युवती को देख अनहोनी की आशंका होने पर किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस टीम फौरन स्टेशन पहुंची और युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया।रेलवे स्टेशन पर बैठी थी अकेली बुधवार दोपहर को सूचना मिली कि एक लड़की किऊल-गया रेलखंड के शेखपुरा रेलवे स्टेशन पर कई घंटों से अकेली बैठी है। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लड़की को देखा। वह परेशान नजर आ रही थी। उसके पास कोई बैग भी नहीं था। या तो वह किसी ट्रेन में चढ़ने की फिराक में थी या फि सुसाइड करने की कोशिश कर सकती थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उसके पास पहुंची तो वह भागने लगी।पुलिस ने समझाकर परिवार को सौंपापुलिस टीम ने फौरन युवती को पकड़ लिया और महिला थाने लाकर समझाया-बुझाया। इसके बाद पहचान पता चलने पर परिजनों को सूचना देकर थाने बुलाया और उनके सुपुर्द कर दिया। पुलिस की संवेदनशीलता और फुर्ती से एक बड़ा हादसा टल गया।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामला संवेदनशील था। समय रहते युवती को सुरक्षित बरामद कर परिवार को सौंप दिया गया। किसी भी तरह की अनहोनी नहीं होने दी गई।

महिला की संदिग्ध मौत; पति-देवर पर हत्या का आरोप

सुपौल। के पिपरा थाना क्षेत्र के अमहा वार्ड-7 में एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि पति ने गले मे रस्सी लगा कर पत्नी की हत्या कर दी और शव को फंदे से लटका कर आत्महत्या की बात कह रहे थे।बताया जा रहा है कि एक दिन पहले पति-पत्नी में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। घर में महिला के शव मिलने की सूचना पर वहां भीड़ जुट गई। इसी बीच स्थानीय लोगों की जानकारी पर मृतका पिंकी देवी के मायके वाले घटनास्थल पर पहुंचे।मामले की जांच में जुटी पुलिस मायके वालों का कहना है कि जब वे लोग पहुंचे तो बेटी की बॉडी जमीन पर पड़ी थी। उसको देखने के बाद उसके होश उड़ गए। फिर सूचना मिलते ही पिपरा पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर जायजा लिया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया। पुलिस घटना के विभिन्न बिंदुओं पर पुलिस जांच में जुट गई है। परिजनों ने बताया पूर्व में भी कई बार पिंकी देवी के पति शंकर सदा ने जान से मारने का प्रयास किया था और वह आज कामयाब भी हो गया। घटना के बाद घर से दोनों भाई फरार भी हो गया है। इधर, पिपरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि मृतका के गले पर रस्सी से बंधे होने का जख्म मिला है।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेंगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

महावीर जयंती पर 10 अप्रेल को बैंक बंद

इस महीने 10 दिन बैंकों में नहीं होगा कोई कारोबार, राज्यों के अनुसार रहेंगी छुट्टियां

मुंबई।

महावीर जयंती के चलते गुरुवार को शेयर बाजार बंद है। गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों की भी छुट्टियां हैं, लेकिन देशभर में आज बैंक हॉलीडे नहीं है। महावीर जयंती पर गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में सभी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन राज्यों में महावीर जयंती को राजकीय अवकाश के रूप में मान्यता दी गई है। असम, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, कोहिमा, केरल, जम्मू और उत्तराखंड जैसे राज्यों में महावीर जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। लिहाजा यहां आज बैंकों में सामान्य दिनों की तरह ही कामकाज हो रहा है।

महावीर जयंती, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। जैन समुदाय के लिए यह सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इसी कारण कई राज्यों में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है और स्कूल-कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद हैं। भारतीय रिजर्व बैंक हर साल राज्य-वार बैंक अवकाश कैलेंडर जारी करता है, जिसमें त्योहारों और स्थानीय पर्वों के अनुसार छुट्टियां तय की जाती हैं। आरबीआई की सूची में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह की छुट्टियां शामिल होती हैं। राष्ट्रीय अवकाश के दिन पूरे देश में सभी बैंक बंद रहते हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। इन दिनों केवल संबंधित राज्य या क्षेत्र के बैंक ही बंद रहते हैं। एक राज्य में किसी दिन बैंक अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

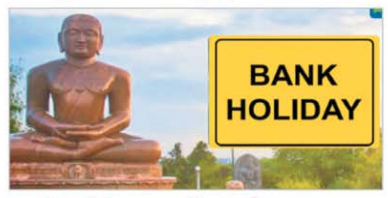

आरबीआई के मुताबिक अप्रैल 2025 बैंक हॉलीडे लिस्ट इस प्रकार है-

10 अप्रैल (गुरुवार) - महावीर जयंती- गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, यूपी, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना में बैंक बंद।

14 अप्रैल (सोमवार) - अंबेडकर जयंती और नए साल के त्योहार (विशु, बिहू, तमिल न्यू ईयर)- मिजोरम, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मेघालय, हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद।

रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती

होम, कार व कॉरपोरेट लोन की ईएमआई घटेगी

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट कटौती का एलान कर दिया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में तत्काल प्रभाव से 0.25 फीसदी की कटौती का फैसला सर्वसम्मति से लिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6 प्रतिशत करने के लिए मतदान किया। इस दौरान गवर्नर ने वैश्विक विकास के लिए नई चुनौतियों की ओर इशारा भी किया। आरबीआई ने बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती का एलान किया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से अमेरिका की ओर से लगाए गए पारस्परिक शुल्कों से प्रभावित अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ब्याज दरों में कटौती के बाद प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो रेट घटकर 6 प्रतिशत हो गई। इस कदम से आवास, ऑटो और कॉर्पोरेट ऋण लेने वालों को राहत मिली।

फरवरी महीने में भी की गई थी कटौती

फरवरी में अपनी पिछली नीति में आरबीआई ने रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। यह दर मई 2020 में पिछली दर में कटौती के बाद आई थी। दरों में आखिरी संशोधन फरवरी 2023 में हुआ था। जब नीति दर को 25 आधार अंकों से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था।

टैरिफ के झटके के बाद कटौती

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण आरबीआई ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय आयातों पर 26 प्रतिशत का भारी-भरकम पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो 9 अप्रैल से प्रभावी होगा। आरबीआई गवर्नर ने वित्तीय वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नीतिगत और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि अनुमानों में 20 आधार अंकों की कमी की गई है।

टाटा मोटर्स ग्रुप की होलसेल बिक्री में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स ग्रुप की वैश्विक स्तर पर होलसेल बिक्री में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसमें लग्जरी वाहन इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की बिक्री भी शामिल है।

टाटा मोटर्स की कुल होलसेल बिक्री क्यू4 एफवाय24 में जहां 3,77,000 यूनिट रही थी, वहीं क्यू4 एफवाय25 में यह घटकर 3,66,177 यूनिट पर आ गई। टाटा मोटर्स के कमर्शियल व्हीकल और टाटा देवू की बिक्री में भी 3प्रतिशत की कमी आई है, जो घटकर 1,07,765 यूनिट रह गई। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में भी गिरावट देखने को मिली, जहां बिक्री 6प्रतिशत घटकर 1,46,999 यूनिट रही। हालांकि, कंपनी की लग्जरी ब्रांड जेएलआर ने तिमाही में मामूली बढ़त दर्ज की है। क्यू4 एफवाय25 में जेएलआर की कुल बिक्री 1,11,413 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 1प्रतिशत अधिक है। इसमें से जगुआर ब्रांड की 7,070 यूनिट्स और लैंड रोवर की 1,04,343 यूनिट्स शामिल रहीं। वहीं इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टाटा मोटर्स ने अपना वर्चस्व बनाए रखा है। मार्च में कंपनी ने 4,710 यूनिट इलेक्ट्रिक वाहन बेचे, जो फरवरी की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। पंच ईवी और नेक्सन ईवी जैसे मॉडल इस ग्रोथ के मुख्य कारण रहे। भारत में मार्च 2025 की बिक्री में टाटा मोटर्स तीसरे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी ने 1.5 लाख से अधिक यूनिट्स बेचकर पहला स्थान बनाए रखा, जबकि हुंडई 51,820 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रही। टाटा मात्र 204 यूनिट्स के अंतर से तीसरे स्थान पर खिसक गई, जिसकी मार्च में कुल बिक्री 51,616 यूनिट रही।

एसयूवी क्रूव का सीएनजी वेरिएंट जल्द होगा पेश

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स जल्द ही एसयूवी क्रूव का सीएनजी वेरिएंट पेश करने वाली है। इस कार का डिजाइन काफी आकर्षक है और यह इस सेगमेंट की पहली एसयूवी होगी जो टर्बो पेट्रोल, डीजल, इलेक्ट्रिक और अब सीएनजी वर्जन में भी उपलब्ध होगी।

इसे हाल ही में पुणे की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। टाटा की यह बहुप्रतीक्षित एसयूवी पहले से ही बाजार और क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, खासतौर पर टाटा आईपीएल के दौरान इसके प्रचार के कारण। फिलहाल कंपनी ने इसकी लॉन्चिंग को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि यह कार त्योहारों के सीजन में बाजार में दस्तक दे सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रूव सीएनजी को 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल 3-सिलेंडर इंजन से पावर मिलेगी, जो लगभग 99 बीएचपी की ताकत और 170 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। इसे 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ पेश किया जाएगा। उम्मीद है कि इसका पावर आउटपुट नेक्सॉन सीएनजी के बराबर ही रहेगा। खास बात यह है कि क्रूव सीएनजी में ट्विन-सिलेंडर सीएनजी टैंक का इस्तेमाल होगा, जो ज्यादा बूट स्पेस बनाए रखने में मदद करेगा। इस फीचर के चलते यह अपने क्लास में एक नई मिसाल कायम कर सकती है।

इन दोनों एसयूवीज में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल होता है जो 87 बीएचपी और 121.5 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। दोनों गाड़ियां 26.6 किमी/किग्रा का माइलेज देती हैं। ऐसे में टाटा क्रूव सीएनजी के आने से बाजार में प्रतियोगिता और ज्यादा दिलचस्प हो जाएगी। टाटा की यह नई एसयूवी सीधे तौर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा और टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर जैसी गाड़ियों को टक्कर देगी, जो पहले से ही पेट्रोल, हाइब्रिड और सीएनजी ऑप्शन में बाजार में मौजूद हैं।

भारत-अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा में नई चुनौतियां

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती हैं

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा में नई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं, जैसा कि आर्थिक शोध संस्थान ने जारी की चेतावनी में कहा है। इस समझौते के तहत अमेरिका के मांगों का संशोधित खाद्य आयात, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन माध्यमों कम करना और दवाओं पर एकाधिकार को बढ़ाने से बहुलक चिंताओं के संदेश हैं।

इसमें कहा गया है कि ये जोखिम खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय और छोटे विक्रेताओं के लिए बड़े परिणाम ला सकते हैं। आर्थिक शोध संस्थान के अनुसार इस समझौते से भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। वहां उदाहरण के तौर पर कृषि उत्पादों पर लगाए जा रहे शुल्क का कम होना और कारों पर शुल्क को घटाने का प्रस्ताव देने से उद्योगों, किसानों और विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान हो सकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के एक प्रमुख अधिकारी ने इस समझौते के बारे में चिंताओं को जताते हुए कहा कि भारत को इसे पुनर्विचार करने और अमेरिका के साथ विस्तृत स्वतंत्र ट्रेड समझौते से बचने की जरुरत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कार उद्योग का नुकसान इसी तरह की चर्चा का हुआ था जब 1990 के दशक में भारी शुल्क कटौती की गई थी। जीटीआरआई ने सुझाव दिया है कि भारत को यह समझौता शून्य-से-शून्य शुल्क से सीमित रखने का सुझाव देने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। इसके अलावा, वह चीन जैसे देशों के साथ उत्पाद मूल्य श्रृंखला तैयार करने की भी सलाह देते हैं। उन्होंने सरकार से भी घरेलू सुधारों पर ध्यान देने की गुहार दी है जैसे कि शुल्क को सरल बनाना, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों में सुधार करना और व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना।

इन सुधारों को अमल में लाने से भारत वैश्विक बदलावों का अधिकतम लाभ उठा सकता है, हालांकि इसमें काफी मेहनत और सहयोग की जरुरत होगी। इस पुनर्विचार का मुद्दा बिगड़ता हुआ दिग्गज अर्थशास्त्री एवं व्यापारिक विश्लेषकों की तोहमतों के साथ जुड़ा है जो इसे देश की आर्थिक स्थिति तथा छोटे व बड़े उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं।

भारत-बांग्लादेश ट्रांसशिपमेंट सुविधा की वापसी से बढ़ेगा तनाव

दोनों देशों को मध्यस्थता और संवाद के माध्यम से बातचीत करने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की चिंता बढ़ रही है जब भारत ने अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से बांग्लादेश को पारगमन सुविधा वापस ले ली। इस पारगमन सुविधा का उपयोग करने के लिए बांग्लादेश को इसे और देशों को निर्यात के लिए उपयोग करने का अधिकार था। यह कदम बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के और भारत के बीच तनाव में और खिंचाव में आया है। भारत ने इस पारगमन सुविधा को नेपाल और भूटान को छोड़ दिया है, जिसे विश्व व्यापार संगठन की मान्यताओं के अनुसार पारित किया गया है। यह नया आंकड़ा भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया चुनौतीपूर्ण पहलू है। इसे लेकर अनेक राजनैतिक और आर्थिक मसले हो सकते हैं जो इन दोनों देशों के बीच समझौते को प्रभावित कर सकते हैं। इस परिस्थिति में दोनों देशों को मध्यस्थता और संवाद के माध्यम से बातचीत करने की आवश्यकता है ताकि इस मुद्दे पर सभी की सुरक्षा और हित की गारंटी मिल सके।

किआ मोटर्स के पेनकोंडा प्लांट में 900 इंजनों की चोरी का खुलासा

मुंबई। किआ मोटर्स इंडिया के पेनकोंडा स्थित प्लांट से हाल ही में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बीते पांच वर्षों में लगभग 900 कार इंजन चोरी हो गए हैं जिसका खुलासा कंपनी के ऑडिट में हुआ। पुलिस ने मामले में तुरंत जांच शुरू की है और शक्तिशाली दोषियों की तलाश में है। किआ मोटर्स ने किसी भी दोषी कर्मचारी और अंदरूनी संगठन को बचाने के लिए पुलिस से सहायता मांगी है। इस मामले में प्रमुख संदेह है कि इंजनों की चोरी किसी भी अन्य संगठन से नहीं हुई है, बल्कि कंपनी के अंदरी कर्मचारियों के साथ साझेदारी में किया गया है। इस बीच किआ मोटर्स ने इस मामले में सार्वजनिक रूप से कोई बयान देने से इनकार किया है, हालांकि कंपनी ने यह जरूर स्पष्ट किया कि चोरी की इस घटना से उनके उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। किआ मोटर्स हर साल तीन से चार लाख कारों का निर्माण करती है, इसलिए 900 इंजन की चोरी से उनके प्रोडक्शन में कोई रुकावट नहीं आई। फिर भी यह घटना कंपनी की आंतरिक सुरक्षा और निगरानी पर सवाल खड़े करती है। पुलिस की जांच फिलहाल जारी है।

अमेरिकी बॉन्ड बाजार में मची हलचल के बाद ट्रंप ने लिया यू टर्न

डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ का फैसला वापस न लेते तो और मच जाती तबाही

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीति पर बड़ा यू-टर्न लेते हुए बुधवार को 75 देशों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन तक रोक लगा दी है। बीते हफ्ते तक ट्रंप ने कहा था कि मेरी नीतियां कभी नहीं बदलेंगी, लेकिन केवल एक सप्ताह में ही राजनीतिक और आर्थिक दबाव के चलते उन्होंने इस योजना पर विराम लगाने का निर्णय लिया। अमेरिकी बॉन्ड बाजार में मची हलचल ने डोनाल्ड ट्रंप को टैरिफ पर अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर कर दिया। सूत्रों के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी विभाग में बॉन्ड बाजार की स्थिति को लेकर बढ़ती चिंता ट्रंप के फैसले की प्रमुख वजह बनी। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में ट्रंप से मुलाकात की और उन्हें बाजार की गिरावट और उसकी संभावित आर्थिक तबाही के बारे में जानकारी दी। ट्रंप ने भी मीडिया से बातचीत के दौरान कि बॉन्ड बाजार काफी पेचीदा है। एक हफ्ते पहले ग्लोबल ट्रेड सिस्टम को हिला देने वाली घोषणा करने के बाद अब ट्रंप ने कहा, आपको लचीला होना पड़ता है। वित्तीय बाजार तेजी से बदलते हैं। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट का कहना है कि यह रोक किसी तरह की हार नहीं बल्कि राष्ट्रपति की रणनीति का हिस्सा है। राष्ट्रपति जहां एक तरफ बाजार की गिरावट को संभालने की कोशिश कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार के इतिहास की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो हम चार हफ्ते पहले की स्थिति में लौट आएंगे।

आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 में भारत का निर्यात 820 बिलियन के पार

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का माल और सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 820 बिलियन डॉलर को पार कर गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 778 बिलियन डॉलर के इसी आंकड़े से करीब 6 फीसदी ज्यादा है।

उभरते व्यापार परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग निकायों के साथ आयोजित बैठक में ये आंकड़े सामने आए हैं।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने लाल सागर संकट, खाड़ी क्षेत्र में इजराइल-हमास संघर्ष, रूस-यूक्रेन संघर्ष के लगातार बने रहने और कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में हल्की बढ़ोतरी समेत कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद निर्यात में सर्वकालिक उच्च उपलब्धि के लिए निर्यातकों की तारीफ की। उन्होंने निर्यातकों के प्रयासों की सराहना की। बैठक में सीआईएम पीयूष गोयल ने निर्यातकों को पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ चल रही चर्चाओं के बारे में भी जानकारी दी।

बातचीत की शुरुआत पीएम मोदी ने की, जो फरवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक में बीटीए पर सहमत होने वाले पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे। गोयल ने निर्यातकों को आश्वासन दिया कि सरकार वैश्विक व्यापार वातावरण में हाल के बदलावों को सफलतापूर्वक नेविगेट करने में सक्षम बनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि देश सक्रिय तरीके से काम कर रहा है

और ऐसे समाधान तलाशे जा रहे हैं जो राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में हों। उन्होंने निर्यातकों से कहा कि वे घबराएं नहीं और वर्तमान परिदृश्य में सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दें।

हालांकि, जहां तक भारत का सवाल है, विनिर्माण में वृद्धि और अतिरिक्त नौकरियों के सृजन की संभावना है, क्योंकि देश ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़े प्लेयर्स को आकर्षित कर सकता है, क्योंकि भारत खुद को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करने में सक्षम है। कई क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्यात संवर्धन परिषदों ने वैश्विक व्यापार में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर अपने विचार और दृष्टिकोण पेश किए हैं।

बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों, उद्योग निकायों और वाणिज्य और संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

इरविन आनंद निंबसपोस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बने

मुंबई। लॉजिस्टिक प्रौद्योगिकी मंच और एक्सप्रेसबीज की अनुषंगी कंपनी निंबसपोस्ट ने इरविन आनंद को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। आनंद, जिन्हें वैश्विक शिक्षण मंच उडेमी में भारत एवं एशिया-प्रशांत के प्रबंध निदेशक के रूप में देखा गया था, ने इस नये भूमिका में उत्पाद व नवाचार में तेजी लाने, विक्रेता की सफलता को बढ़ाने, परिचालन उत्कृष्ट को बढ़ावा देने और नए व मौजूदा बाजारों में निंबसपोस्ट के रणनीति विस्तार पर ध्यान देने की प्रतिबद्ध हैं। एक्सप्रेसबीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने उन्हें एक अनुभवी और विचारशील संगठन के नेतृत्व के लिए बधाई दी है। उन्होंने योगदान की सराहना की और उनकी प्रतिबद्धता के साथ कंपनी के भविष्य को उज्जवल बनाने में उनकी मदद करने का आग्रह किया। निंबसपोस्ट का नया नेतृत्व एक नयी ऊर्जा का स्रोत है और कंपनी की त्वरित उत्थान में मददगार साबित हो सकता है।

लेक्सस इंडिया की खुदरा बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी लेक्सस इंडिया की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ गई। कंपनी बयान के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी खुदरा बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, कंपनी ने बिक्री के सटीक आंकड़े साझा नहीं किए। इस बीच, लग्जरी कार विनिर्माता ऑडी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने देश भर में 6,500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। चार्ज माई ऑडी पहल के दूसरे चरण तहत ये चार्जर स्थापित किए गए।

भारत-अमेरिका ट्रेड में लंबी अवधि का नजरिया रखें निर्यातक:पीयूषगोयल

नई दिल्ली।

नए व्यापार परिदृश्य में उभरते हुए चुनौतियों के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने निर्यातकों को भारत-अमेरिका ट्रेड में नजरिया बनाए रखने का सुझाव दिया है। उन्होंने एक बैठक में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और उद्योग बॉडीज के साथ चर्चा की जिसमें आधुनिक व्यापार परिदृश्य और विपरीत समय के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने उद्यमिता और संभावित रूप से दूरदराज निर्यातकों को बताया कि सरकार उभरती व्यापार वातावरण में सकारात्मक योजनाओं का समर्थन करेगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में अधिकतम निर्यात का लक्ष्य विशेष ध्यान देने के साथ बताया और मान्यता दी कि यह उपलब्धि कई संदेश और संधियों के बावजूद संभव हो सकी है। बैठक के माध्यम से, निर्यातकों को व्यापारिक समझौतों के महत्व और भारत-अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दों पर गहराई से चर्चा करने का भी मौका मिला। इस समय में व्यापारिक वातावरण में उभरती चुनौतियों का मुकाबला किया जाएगा, सरकार ने निर्यात उद्योग की समर्थन के प्रति अपनी पहल की पुष्टि की है। बैठक के दौरान गोयल ने निर्यातकों को पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए अमेरिका के साथ चर्चा के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली अलग-अलग एक्सपोर्ट

प्रमोशन काउंसिल ने वैश्विक व्यापार में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए और सरकार से इन चुनौतीपूर्ण समय में निर्यात उद्योग को समर्थन देने के लिए सक्रिय कदम उठाने का अनुरोध किया।

महिंद्रा ने 20 दिन में 3000 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी पूरी की

महिंद्रा ने नए ग्राहकों के लिए 'डिफॉल्ट ड्राइव मोड' नामक एक विशेष मोड पेश किया

कोलकाता।

वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक ओरिजिन स्पोर्ट्स यूटिलिटीज व्हीकल (एसयूवी) एक्सईवी 9ई और बीई6 की 3000 से अधिक इकाई की डिलीवरी पूरी कर ली है। ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, दोनों मॉडलों की बुकिंग तेजी से बढ़ रही है। ग्राहकों की अधिकांश ने पैक थ्री वैरिएंट को चुना है। कंपनी के अनुसार, एक्सईवी9ई की कुल मांग का 59 प्रतिशत हिस्सा है जबकि बीई6 के लिए 41 प्रतिशत ग्राहक इच्छुक हैं। इन मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि कई क्षेत्रों में छह महीने तक पहुंच गई है। इस बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, महिंद्रा देशभर में डिलीवरी बढ़ाने और ग्राहकों को सहज अनुभव देने के लिए अपने वितरण नेटवर्क को सशक्त बना रही है। महिंद्रा ने ईवी अपनाने वाले नए ग्राहकों के लिए 'डिफॉल्ट ड्राइव मोड' नामक एक विशेष मोड पेश किया है। साथ ही, हर डिलीवरी के साथ ग्राहकों को एक क्यूरेटेड वीडियो गाइड भी दिया जा रहा है, जिसमें ईवी चार्जिंग के स्मार्ट तरीके, ड्राइविंग तकनीकें और कनेक्टेड फीचर्स का विस्तृत वॉकथ्रू शामिल है।

वित्त वर्ष 2024-25 में जेएलआर इंडिया ने सबसे अधिक खुदरा बिक्री दर्ज की

थोक बिक्री भी सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 6,266 इकाई हुई

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में जगुआर लैंड रोवर इंडिया कीखुदरा बिक्री वार्षिक आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर सर्वाधिक 6,183 वाहन रही। कंपनी की इस दौरान थोक बिक्री भी सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 6,266 इकाई हो गई। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया ने कहा कि चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में खुदरा वार्षिक आधार पर 110 प्रतिशत बढ़कर 1,793 इकाई और थोक बिक्री 118 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,710 इकाई रही। वाहन विनिर्माता कंपनी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में डिफेंडर कंपनी का सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा जिसकी बिक्री में 90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद स्थानीय स्तर पर निर्मित रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट क्रमशः 72 और 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

उमेश चतुर्वेदी

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदयार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

संपादकीय

राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु.सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया है, वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु.के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा किया, बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नर्विचार के लिए पुनः उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोई विधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु.सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोई भी विधेयक राज्यपाल की मनमर्जी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गईहै। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

क्या कांग्रेस अधिवेशन से निकल आया जीत का मंत्र?

डॉ हिदायत अहमद खान

गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुआ कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन महज एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि इसे एक सियासी पुनर्जागरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने यहां से एक नई रणनीति, नई चेतना और शायद एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में उतरने के मूड में है। दरअसल अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी। खड़गे कहते हैं कि सरकार ने एक ऐसी तकनीक अपनाई हुई है जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 150 सीटों में से 138 सीटों पर बीजेपी की जीत संदिग्ध है। खड़गे ने यह कहकर सरकार पर आरोप ही नहीं लगाए बल्कि उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और देश के मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश की है, कि ईमानदार चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन संभव है। वहीं राहुल गांधी ने अपने सशक्त भाषण से अधिवेशन में जहां जान फूंकने का काम किया वहीं पार्टी से जुड़े लोगों को एक पार्टी विचारधारा के तहत एकजुट होकर मैदान में आने का आव्हान भी किया है। उन्होंने यहां वक्फ संशोधन कानून पर बीजेपी पर सीधा हमला बोला और इसे ह्यफ्रीडम ऑफ रिलीजनह्ल और संविधान पर हमला करार दिया है। साथ ही, उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के भीतर व्याप्त गुटबाजी पर खुलकर बात की और यह स्वीकार किया कि पार्टी के कुछ नेता जनता से कटे हुए हैं या विरोधी दलों से मिले हुए हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का यह आत्ममंथन इस बात की ओर इशारा करता है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक शुद्धि की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह एक तरह से देर आयद दुरुस्त आयद को ही चरितार्थ करने जैसा है। इस पर दो दशक पहले ही विचार कर लिया जाना चाहिए था, तब शायद पार्टी को इतना ज्यादा नुक्सान भी नहीं हुआ होता। नेताओं की आपसी खींचतान और बेमानी रुतबे के कारण पार्टी रसातल पर पहुंच गई। पहले एक-एक कर कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले राज्य हाथ से जाते गए और फिर केंद्र में भी पकड़ ढीली हो गई। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के साथ नेताओं का भी बर्चस्व जाता रहा और स्थानीय स्तर पर भी कांग्रेस का वो कद नहीं रहा जो पहले कभी हुआ करता था। इस स्थिति से पार्टी को उबारने के लिए राहुल गांधी और उनकी सीमित टीम जी-जान से लगी रही। यहां कहना गलत न होगा कि राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम विरोधी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं ने उतना नहीं किया जितना कि खुद कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने किया। बात अगर गुजरात राज्य की ही कर लें तो यहां कांग्रेस पिछले तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि गुजरात में युवाओं की एक ऐसी पौध तैयार हो चुकी है जिसे शायद यह भी न पता हो कि कांग्रेस की रीति-नीति और उसकी सरकार क्या और कैसे काम करती है। बहरहाल यह कहने की बात है, क्योंकि यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि गुजरात में कांग्रेस का लगभग 30 प्रतिशत वोट शेयर है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पार्टी की नीति और रीति के प्रति जनता में लोकप्रियता बरकरार है। बस चुनाव के दौरान चाहने वालों और प्रशसंकों को वोट में कनवर्ट करने का जादू और फामूर्ला पार्टी नेताओं ने भुला दिया है। यह कम बात नहीं है कि राहुल गांधी ने गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी को स्वीकारा है और यह भी कहा है कि अगर संगठन में 30-40 लोगों को हटाना पड़े तो वो इसके लिए तैयार हैं। यह बयान न सिर्फ कांग्रेस की नीयत को दिखाता है, बल्कि एक नई शुरूआत की मंशा भी जाहिर करता है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट जीती और करीब 31 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह नतीजा भले ही मामूली हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह मनोवैज्ञानिक जीत थी, खासकर पिछले चुनाव में मिली करारी हार के बाद यह ऑक्सीजन जैसी प्रतीत हुई है। अब जबकि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है, कांग्रेस को अकेले ही गुजरात में अपनी जमीन फिर से तैयार करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पार्टी अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने एक बार फिर यह जतला दिया है कि वह गुजरात को हल्के में नहीं ले रही है। संगठन निर्माण, जनसंपर्क और आक्रामक राजनीति के जरिए वह बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी बीजेपी गुजरात में बेहद मजबूत है, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। अगर कांग्रेस अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर पाती है, नए और प्रभावशाली नेताओं को उभारती है और जनता से सीधा संवाद कायम करती है, तो आने वाले वर्षों में वह फिर से राज्य की राजनीति में दमदार वापसी कर सकती है। अंततः इस अधिवेशन से कोई जादुई मंत्र तो निकलता हुआ नहीं दिखा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने घर को सजाने-संवारने के साथ ही एक विचारधारा के सूत्र में पार्टी को पिरोने का जो काम शुरू किया है यही शायद जीत की पहली शर्त होती है।

मोदी का कथनः एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामेश्वरम में उल्लेखनीय बात कही, 'भगवान श्री राम की अयोध्या से रामेश्वरम तक उत्तर से दक्षिण की यात्रा ने भारत को सांस्कृतिक रूप से एक पहचान देते हुए देश को जोड़ने का काम किया।' वास्तव में राम, लक्ष्मण, सीता के वनगमन ने देश को न केवल सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया, बल्कि जो वनवासी थे, उन्हें भी एक सनातन समुदाय और एक संस्कृति से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया था। यही कार्य सतयुग में परशुराम ने उत्तर से पूर्वोत्तर और पूर्वोत्तर से दक्षिणी समुद्री तट केरल तक की यात्रा करके किया था। तत्पश्चात द्वापर युग में कृष्ण ने पांडवों के वनवास को सार्थकता देने के लिए देश को सांस्कृतिक एकरूपता में ढालने के लिए पूर्वोत्तर तक यात्रा कराई थी।

इस नाते कहा जा सकता है कि भारत की यही वे सांस्कृतिक यात्राएं थीं, जिनके चलते भारत आज भी सांस्कृतिक एकरूपता में ढला हुआ है। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ है। भारत के सामंत और वर्तमान संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र में राम के आदर्श मूल्य और रामराज्य की परिकल्पना प्रकट अथवा अप्रकट रूप में हमेशा मौजूद रही है। अतएव रामायणकालीन मुल्यों ने भारतीय जन-मानस को सबसे ज्यादा उद्वेलित किया है। इस जन-समुदाय में रामकथाओं में उल्लेखित वनवासी जातियां भी शामिल हैं, जिन्हें वानर, भालू, गिद्ध, गरुड़ भील, कोल, नाग इत्यादि कहा गया है। यह सौ प्रतिशत सच्चाई है कि ये लोग वन-पशु नहीं थे। इसके उलट वन-प्रांतों में रहने वाले ऐसे विलक्षण समुदाय थे, जिनकी निर्भरता प्रकृति पर अवलंबित थी। उस कालखंड में इनमें से अधिकांश समूह वृक्षों की शाखाओं, पर्वतों की गुफाओं या फिर पर्वत शिखरों की कंदराओं में रहते थे। ये अर्धनग्न अवस्था में रहते थे और रक्षा के लिए पत्थर और लकड़ियों का प्रयोग करते थे। इसलिए इन्हें जंगली प्राणी का संबोधन कथित सभ्य समाज करने लगा।

अलबत्ता, सच्चाई यह है कि राम को मिले चौदह वर्षीय वनवास के कठिन समय में जंगली मान लिए गए ये वनवासी समूह राम की वनवास यात्रा में सहयोगी नहीं बने होते तो आर्य राम का अनार्य रावण पर विजय पाना असंभव था। राम को वनगमन के बाद पहला साथ निषादराज गुह का मिलता है। इलाहाबाद के पास निषाद राज्य की सीमा शुरू होती है। निषाद को जब राम के आगमन की खबर मिलती है तो वे स्वयं राम की अगवानी के लिए पहुंचते हैं। हालांकि निषाद वनवासी नहीं हैं, लेकिन शूद्र माने जाने वाली जातियों के समूह में हैं, जिन्हें ढीमर, ढीबर, मछुआरा और बाथम कहा गया है। निषाद लोग शिल्पकार थे। उत्कृष्ट नावें और जहाजों के निर्माण में निपुण थे। निषाद के पास पांच सौ नौकाओं का बेड़ा उपलब्ध होने के साथ यथेष्ट सैन्य-शक्ति भी मौजूद थी। अतएव निषाद राज गुह ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राम को कौशल राज्य की सीमाओं के बाहर सुरक्षा का भरोसा देते हैं। हालांकि राम के आगे बढ़ते जाने के साथ उनसे अत्रि, वाल्मीकि, भारद्वाज, अगस्त्य, शरभंग, सुतीक्ष्ण, मांडकणि और मतंग ऋषि मिले। वनवासियों के बीच वन-खंडों में रहने वाले इन ऋषियों ने ही राम का मार्ग प्रशस्त किया। ऋषियों की वेधशालाएं, अग्निशालाएं और आश्रम थे, उन पर राक्षस तो आक्रमण करते हैं, लेकिन वनवासियों ने किसी ऋषि को कष्ट पहुंचाया हो ऐसा वाल्मीकि रामायण या अन्य रामायणों में उल्लेख नहीं मिलता।

पूर्वोत्तर के वर्तमान सातों राज्य पश्चिम बंगाल और असम के विभाजन के फलस्वरूप स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आए हैं। प्रागैतिहासिक काल के पन्नों को खंगालें तो पता चलता है कि भगवान परशुराम और कार्तवीर्य अर्जुन के बीच जो भीषण युद्ध हुआ था, उसके अंतिम आततायी को परशुराम ने अरु णाचल में जाकर मारा था। अंत में यहीं के 'लोहित क्षेत्र' में पहुंच कर ब्रह्मपुत्र नदी में अपना रक्त-रंजित फरसा धोया था। किंवदंती है कि लोहित कुंड़ में फरसा धोने के बाद से ही यहां का पानी आज भी लाल है। यहां कालांतर में स्मृति स्वरूप पांच कुंड बनाए गए, जिन्हें समंतपंचक रुधिर-कुंड कहा जाता है। ये कुंड आज भी अस्तित्व में हैं। इस क्षेत्र में यह दंतकथा भी प्रचलित है कि इन्हीं कुंडों में भृगुकुल भूषण परशुराम

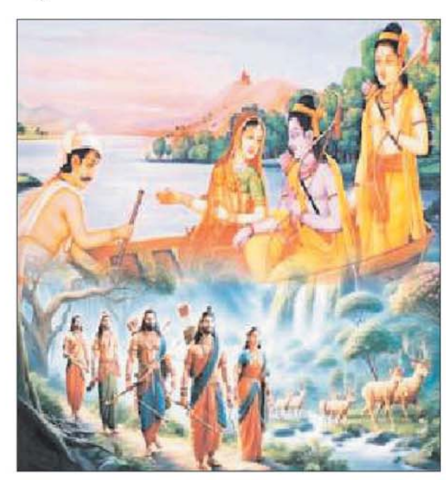

ने युद्ध में मारे गए योद्धाओं का तर्पण किया था। परशुराम यही नहीं रु के, उन्होंने शूद्र और इस क्षेत्र की जो आदिम जनजातियां थीं, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके उन्हें ब्राह्मण बनाया और सामूहिक विवाह कराए। तत्पश्चात परशुराम केरल पहुंचे और वहां के कोंकण क्षेत्र में वनवासियों की मदद से समुद्र से धरती को बाहर निकाल कर खेती की शुरू आत कराई और जो अविवाहित युवा वनवासी थे, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके युद्ध में मारे गए योद्धाओं की विधवाओं से पाणिग्रहण कराया। पांडवों ने उत्तर से पूर्वोत्तर की यात्रा करके छोटी जातियों की स्त्रियों से अर्जुन और भीम ने अनेक विवाह किए और सनातन संस्कृति स्थापित की।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

जब 12 ऑडिशन के बाद अनुप्रिया गोयनका के हाथ से फिसली सलमान की फिल्म?

अनुप्रिया गोयनका बॉलीवुड और ओटीटी की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने टाइगर जिंदा है, पद्मावत और वॉर जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया है। ओटीटी पर भी सेक्रेड गेम्स, अभय और क्रिमिनल जस्टिस में उन्होंने अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन क्या आपको पता है कि सलमान खान की एक फिल्म उनके हाथ से निकल गई थी? दरअसल, फिल्म सुल्तान के लिए अनुप्रिया ने कई ऑडिशन दिए थे, लेकिन अंत में यह रोल अनुष्का शर्मा के पास चला गया था।

हाल ही में बातचीत में अनुप्रिया ने इस अनुभव को साझा किया। अनुप्रिया ने कहा कि सुल्तान के लिए उनका सफर आसान नहीं था। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, मैंने मुख्य किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। उस वक्त यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) नए चेहरों की तलाश में था।

एक महीने तक चली प्रक्रिया

अनुप्रिया ने आगे कहा, मेरे 11-12 टेस्ट हुए। पहले एक ऑडिशन, फिर दूसरा, फिर म्यूजिक वीडियो टेस्ट, वैभवी मर्चेंट के साथ डांस टेस्ट और आखिर में डायरेक्टर अली अब्बास जफर के साथ रीडिंग्स। उन्होंने आगे कहा, शुरुआत में मुझे पता ही नहीं था कि यह सुल्तान के लिए है। वाईआरएफ में असली स्क्रिप्ट नहीं देते। वे दूसरी स्क्रिप्ट पर ऑडिशन लेते हैं। जब मैं अली से मिली और उन्होंने मिस्टर खान का जिक्र किया तब मुझे समझ आया कि यह सलमान की फिल्म है। अनुप्रिया को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मौका मिल जाए। लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनका दिल टूट गया। अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे लिए बहुत दुखद था। अनुप्रिया ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, एक तो मैं सांवली हूं और मुझे इस पर गर्व है, लेकिन मैं टिपिकल वाईआरएफ हीरोइन नहीं हूं। मेरी टांगें परफेक्ट शेप की नहीं हैं।

सुल्तान रही थी ब्लॉकबस्टर

सुल्तान की बात करें तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। अनुष्का शर्मा ने इसमें पहलवान का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी थीं। अनुप्रिया भले ही यह फिल्म न कर पाई, लेकिन उनकी मेहनत और जज्बा आज भी उनकी दूसरी परियोजनाओं में नजर आता है।

स्टार किड्स को भी नहीं मिलते मौके अगर वो...

मोहित मलिक पिछले 30 सालों से टीवी की दुनिया में एक्टिव हैं। वह कुल्फी कुमार बाजेवाला और साइबर वार जैसे टीवी शो में नजर आ चुके हैं। हाल ही में मोहित मलिक आजाद फिल्म में नजर आए। फिल्म में उन्होंने तेज बहादुर का किरदार निभाया है। हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि अपनी कला के प्रति अविश्वास की वजह से वह फिल्मों से दूर रहे। इसी वजह से उन्हें लंबा इंतिजार करना पड़ा।

मोहित मलिक ने बताया साल 2016 में मेरे अंदर इतना आत्मविश्वास नहीं था कि मैं फिल्मों में काम करूं। मुझे अपनी कला पर भरोसा नहीं था। आत्मविश्वास आने के बाद मैंने 2017-18 में फिल्मों में हाथ आजमाया। टीवी सीरियल में काम करने के दौरान मैं अक्सर टाइम निकाल कर फिल्मों के ऑडिशन के लिए जाया करता था। अभिषेक कपूर को मेरा ऑडिशन अच्छा लगा और उन्होंने मुझे फोन किया। मैंने दूसरा टेस्ट दिया और मैं इसमें पास हो गया।

नई इंडस्ट्री में काम करने में होती है दिक्कत

मलिक ने आगे बताया कि एक अलग इंडस्ट्री में इतने लंबे वक्त तक काम करने के बाद, एक दूसरे नए उद्योग में एकदम से शुरुआत करने के बाद, आप अहंकार से भी जूझते हैं। लेकिन जुनून अहंकार को हरा देता है। मैं आज भी लोगों के पास जाता हूं और उनसे काम मांगता हूं। लोगों ने आजाद में मेरे काम को पसंद किया। मोहित से पूछा गया कि स्टार किड को अदाकारी का कोई तजुर्बा नहीं होता है। ऐसे में उन्हें काम मिल जाता है, इस पर उनका क्या कहना है? इस पर एक्टर ने जवाब दिया एक वक्त के बाद उन्हें भी मौके मिलने बंद हो जाते हैं।

स्टार किड्स को भी करनी पड़ती है मेहनत

मलिक ने बताया अगर मैं भी किसी फिल्मी परिवार में पैदा होता, तो मुझे भी कोई गॉडफादर मिलता और मुझे कई अवसर मिलते। हालांकि, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने काम में कितनी मेहनत कर रहे हैं। अगर आप अपने काम को निखारने के लिए मेहनत नहीं कर रहे हैं, तो आप अपने सभी मौकों को बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए स्टार किड्स को भी बने रहने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्हें कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन अगर उनके काम में सुधार नहीं होगा, तो काम नहीं मिलेगा।

एक जादूगर बन जादू दिखाएंगे विक्की कौशल!

विक्की कौशल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म छावा की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब कथित तौर पर विक्की कौशल अपनी एक और नई फिल्म के साथ एक और धमाका करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें विक्की कौशल जादूगर की ड्रेस पहने नजर आए। पैपराजी पेज और यूजर द्वारा यह विक्की की नई फिल्म बताई जा रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टर में बताया गया है कि फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार कर रहे हैं और यह राइजिंग सन प्रोडक्शन है। हालांकि, विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का पोस्टर साझा नहीं किया है। पोस्टर में विक्की को हरे रंग की ड्रेस में देखा गया, जो जादूगर की भूमिका में उनके किरदार की ओर इशारा करता है। हालांकि, अब इस फिल्म पर मेकर्स और विक्की की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है।

मेरा किरदार सिर्फ उसके रूप तक सीमित नहीं है

शेमारू उमंग पर प्रसारित जमुनीया शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार जमुनीया सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें। जमुनीया का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है।

पहली फिल्म से मिला नेशनल क्रश का टैग, बॉलीवुड में भी चला श्रीवल्ली का जादू

भारतीय सिनेमा की चमकती सितारा रश्मिका मंदाना अपना जन्मदिन मना रही हैं। कर्नाटक के एक छोटे से शहर विराजपेट से निकलकर साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली रश्मिका आज न सिर्फ दक्षिण भारत की सुपरस्टार हैं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी धमाकेदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर आइए एक नजर डालते हैं उनके करियर के उस शानदार सफर पर, जहां साउथ से बॉलीवुड तक पहुंचते हुए उन्होंने छोटे-छोटे रोल्स को भी अपनी अदाकारी से बड़ा बना दिया और बड़े सितारों के साथ काम करते हुए देशभर में लोकप्रियता हासिल की।

रश्मिका ने अपने करियर की शुरुआत 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ उनकी डेब्यू फिल्म थी, बल्कि उनकी जिंदगी का एक अहम मोड़ भी बनी। इस फिल्म में उनके को-स्टार रक्षित शेट्टी के साथ उनकी ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री ने सबका ध्यान खींचा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों करीब आए और 3 जुलाई 2017 को रश्मिका के गृहनगर विराजपेट में एक निजी समारोह में दोनों ने सगाई कर ली। सितंबर 2018 में दोनों ने आपसी सहमति से सगाई तोड़ दी। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि रश्मिका का करियर पर फोकस करना भी इस टूटन की वजह बना। किरिक पार्टी की सफलता के बाद रश्मिका ने तेलुगु सिनेमा में कदम रखा। गीता गोविंदम (2018) में विजय देवरकोंडा के साथ उनकी जोड़ी हिट रही, जिसके बाद से ही दोनों के रिश्ते की अफवाहें शुरू हुईं, लेकिन असली धमाका तब हुआ, जब 2021 में पुष्पा- द राइज रिलीज हुई। अल्लू अर्जुन के साथ श्रीवल्ली का किरदार निभाकर रश्मिका ने पूरे देश का दिल जीत लिया। हाल ही में रिलीज हुई पुष्पा 2- द रूल ने तो 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म है।

श्रीवल्ली बनकर मिली खास पहचान

रश्मिका के करियर में कई टर्निंग पॉइंट्स रहे, लेकिन पुष्पा में श्रीवल्ली का किरदार उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। इस रोल ने उन्हें साउथ की सीमाओं से निकालकर पूरे भारत में पहचान दिलाई। श्रीवल्ली की सादगी, डांस मूव्स और अल्लू अर्जुन के साथ उनकी जोड़ी ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। फिल्म के गाने जैसे सामी सामी और श्रीवल्ली आज भी हर जुबान पर हैं। पुष्पा 2 में उनका किरदार और मजबूत हुआ, जिसने उन्हें पैन-इंडिया सुपरस्टार बना दिया। यह किरदार ही था, जिसने उन्हें नेशनल क्रश से लेकर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस तक का सफर तय कराया।

बॉलीवुड का बुरा दौर खत्म होगा नए फिल्ममेकर लाएंगे बदलाव

तेलुगु एक्टर विजय देवरकोंडा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा हालत पर खुलकर अपनी राय रखी है। जहां बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस नतीजे चिंता का विषय बने हुए हैं, वहीं साउथ सिनेमा का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बहस के बीच विजय का मानना है कि यह सब एक चक्र का हिस्सा है और जल्द ही हिंदी सिनेमा भी नए जोश के साथ वापसी करेगा।

यह सिर्फ एक चक्र है

बातचीत में कहा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री का अभी शानदार दौर चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ एक चक्र है। एक समय था जब आप हमें जानते भी नहीं थे। एक समय था जब इंडियन सिनेमा ने जबरदस्त पहचान बनाई थी और इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचा था। अब यह साउथ सिनेमा का समय है। 5 या 10 साल बाद फिर कुछ नया बदलाव आएगा। हिंदी सिनेमा को नया दौर मिलेगा विजय का मानना है कि हिंदी सिनेमा जल्द ही एक नया दौर देखेगा, जहां नए फिल्ममेकर इसे आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव से नए फिल्ममेकर निकलकर आएंगे, जो हिंदी सिनेमा को फिर से मजबूत बनाएंगे। बहुत जल्द हिंदी सिनेमा को नए डायरेक्टर और कहानीकार मिलेंगे, जो शायद मुंबई से बाहर के होंगे। मेरा मानना है कि वे हिंदी भाषी इलाकों से आएंगे और बिल्कुल अलग तरह की फिल्में बनाएंगे। उनकी स्टोरीटेलिंग साउथ से भी अलग होगी।

बाहुबली ने दी पहचान

विजय ने बाहुबली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एस. एस. राजामौली ने इस फिल्म के जरिए तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, तेलुगु सिनेमा को बड़े ऑडियंस तक पहुंचने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जब एस. एस. राजामौली ने बाहुबली बनाई, तो उन्होंने ऐसे दो एक्टर्स पर भारी निवेश किया, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री शायद जानती भी नहीं थी। अगर फिल्म न चलती, तो बहुत सारे करियर खत्म हो सकते थे। प्रोड्यूसर्स को बड़ा नुकसान होता और एक्टर्स ने 5 साल सिर्फ एक फिल्म के लिए दिए थे। यह सबके लिए बहुत बड़ा रिस्क था। लेकिन इस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ती है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा भी अपनी राह ढूंढ लेगा। यह सब जिंदगी का हिस्सा है।

कौन है ऋतिक का फेवरेट को-स्टार?

ऋतिक रोशन को जल्द ही स्पाई थ्रिलर वॉर 2 में देखा जाएगा। वॉर 2 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फैंस इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋतिक ने अपने वॉर 2 सह-कलाकार जूनियर एनटीआर की तारीफ की। जब उनसे पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया तो ऋतिक ने जूनियर एनटीआर का नाम लिया, जिसके बाद फैंस ने जोरदार तालियां बजाईं। ऋतिक ने जूनियर एनटीआर को शानदार बताते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन टीममेट हैं। वॉर 2 ऋतिक रोशन की 2019 की हिट फिल्म वॉर का सीक्वल है। यह यशराज फिल्म्स स्पाईवर्स का हिस्सा है, जो कई एक्शन फिल्मों को जोड़ता है।

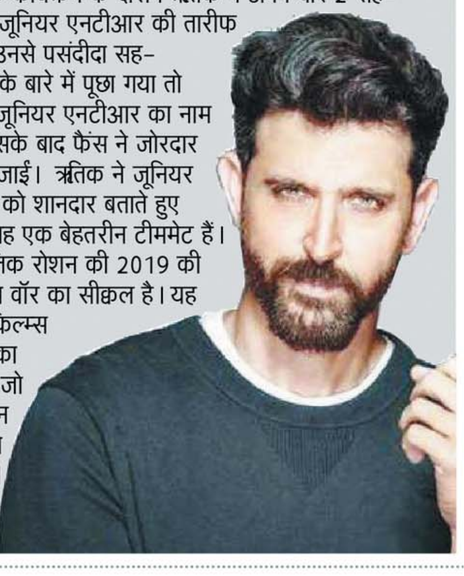

आईपीएल में आज सीएसके और केकेआर में होगा मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में लगातार मिल रही हार से निराश चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अब शक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। अब तक सीएसके लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे है। अनुभवी खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं हैं। टीम को पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। सीएस की राह इस मैच में भी हालांकि आसान नहीं है। पिछली बार कि विजेता केकेआर भी ये मैच जीतकर अपना अभियन पटरी पर लाने चाहेगी। उसे भी इस सत्र में अधिकतर हार ही मिली है। इस सत्र सीएसके अपनी ही घरेलू मैदान पर पहले आरसीबी और फिर दिल्ली कैपिटल्स से हारी थी। इस सत्र में उसे भी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है, इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद अहम बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से करीबी मुकाबले में 18 रनों से हार सामना करना पड़ा था। इसी को देखते हुए सीएसके इस बार अपने अनुसार पिच तैयार करा रही है।

आरसीबी के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर शिकायत की थी। पहले सीएसके को पिच का लाभ मिलता था पर अब उसमें बदलाव से उसे नुकसान हुआ है। चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को तेजी से हालातों के अनुरुप ढ़लना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा.चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं पर कप्तान रुतुराज गायकवाड़ अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

दूसरी ओर केकेआर की टीम भी टीम के लिए ये सत्र उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। उसे

अपने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उसे गेंदबाज पिछले मैच में विफल रहे थे। उन्हें भी बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। बल्लेबाजी में टीम की कमान क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा के पास रहेगी। ये मैच रोमांचक होने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर: क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा

सीएसके: एमएस धोनी (कप्तान), रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, विजय शंकर, मुकेश चौधरी।

सुदर्शन ऑरेंज कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर पहुंचे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की जीत में अहम भूमिका सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन एक बार फिर सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में आगे निकल आये हैं। सुदर्शन ने यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मैच में 53 गेंदों पर 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 82 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस के साथ ही गुजरात ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। सुदर्शन के इस मैच को मिलाकर अब पांच मैच में 54.60 के औसत से 273 रन बनाये हैं। इससे वह ऑरेंज कैप की दौड़ में भी लंबी छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन पहले नंबर पर हैं। पुरन ने अब तक 5 मैचों में 288 रन बनाये हैं। तीसरे नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के मिशेल मार्श हैं, मार्श ने पांच मैच में 265 रन बनाये हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नूर अहमद पांच मैच में 11 विकेट लेकर पहले जबकि साई किशोर पांच मैचों में 10 विकेट लेकर दूसरे व मोहम्मद सिराज भी पांच मैचों में 10 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं इस मैच के बाद गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा के अब पांच मैचों 8 विकेट हो गये हैं और वह आठवें नंबर पर हैं।

ऋतुराज आईपीएल से बाहर हुए, धोनी बचे हुए सत्र में कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर होने के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये है1 ऐसे में टीम की कप्तानी एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी को दी गयी है। अब धोनी आईपीएल के शेष सत्र में

टीम की कप्तानी संभालेंगे। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि हमारे पास टीम में कुछ विकल्प हैं पर हमने अभी तक किसी पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। वहीं धोनी कप्तानी संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए हमने अनुभवी होने के कारण उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी है। धोनी की कप्तानी में ही टीम ने पांच बार खिताब जीता था।

फ्लेमिंग ने कहा कि ऋतुराज को गुवाहाटी में चोट लगी थी पर वह दर्द के साथ खेल रहे थे। हमने एक्स-रे करवाया, लेकिन उससे कुछ साफ नहीं हुआ फिर हमने एमआरआई करवाया, जिससे पता चला कि उनकी कोहनी में फ्रैक्चर है। इससे हमें निराशा हुई पर उनका फिट होना सबसे जरुरी है। इसलिए उन्हें उबरने के लिए पूरा समया दिया जाएगा। दुर्भाग्यवश, अब वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं पर हमारे पास एक धोनी हैं, जो आईपीएल के बाकी मैचों में कप्तानी करेंगे।

गायकवाड़ को 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में चोट लगी थी। तुषार देशपांडे की एक गेंद उनके दाएं हाथ पर लगी थी। उनका 5 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने को संशय बना हुआ था पर फिर भी उन्होंने खेला। उन्होंने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मैच खेला। उनका बाहर होना टीम के लिए झटका है क्योंकिक इससे टीम की बल्लेबाज कमहोर होगी।

वहीं धोनी दो साल बार फिर कप्तानी करते दिखेंगे। ने आखिरी बार 2023 में चेन्नई की कप्तानी की थी और अपनी टीम को रिकॉर्ड बराबरी वाले पांचवें आईपीएल खिताब तक पहुंचाया था। तब फाइनल में धोनी की अगुवाई वाली सीएसके ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस को हराया था।

आईपीएल प्लेऑफ की रेस में इस बार दिल्ली कैपिटल्स सहित ये चार टीमें हैं प्रबल दावेदार

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 20 से अधिक मैच हो गये है। टूर्नामेंट हालांकि शुरुआती दौर में हैं पर अभी से कुछ टीम प्लेऑफ की दौड़ में आगे नजर आ रही हैं। वहीं कुछ टीमें पिछड़ती दिख रही हैं। इस बार दोनो ही पांच बार की चैंपियन टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन अब तक खराब रहा है और ऐसे में इनकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाए कम नजर आ रही हैं। वहीं इस बार दिल्ली दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अच्छा रहा है और ये चारों ही टीमें प्लेआफॅ की दावेदार नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से पहले हर टीम को 14-14 मुकाबले खेलने होंगे। इन मुकाबलों को खेलने के बाद ही शीर्ष स्थान पर आई टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी। अन्य टीमें आईपील सीजन से बाहर हो जाएंगी।

दिल्ली कैपिटल्स

आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल कर रहे है। इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ही ऐसी टीम है जो कोई मुकाबला नहीं हारी है। दिल्ली कैपिटल्स ने तीन मैच खेले हैं और तीनों में जीत दर्ज की है। छह अंकों के साथ दिल्ली कैपिटल्स का रन रेट (प्लस1.257) पर बना हुआ है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दिल्ली कैपिटल्स को यही प्रदर्शन जारी रखना होगा। उसे 11 में से 5 मैच जीतने होंगे।

गुजरात टाइटंस

गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे है। इस सीजन में चार में से तीन मुकाबलों में जीत दर्ज करने वाली गुजरात टाइटंस छह अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। टीम का नेट रन रेट प्लस 1.031 का है। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए गुजरात टाइटंस को 10 शेष मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल करनी होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

नये कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन में मजबूती के साथ खेल रही है। आरसीबी के बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों ही अच्छे फॉर्म में दिख रहे है। चार मैच खेल चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अबतक तीन मुकाबले जीत चुकी है। टीम का नेट रनरेट प्लस1.015 का बना हुआ है। पॉइंट्स टेबल में दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीसरे पायदान पर बनी हुई है। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए दमदार खेल दिखाते हुए टीम को 10 में से कम से कम पांच मुकाबले जीतने होंगे।

पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स की अगुवाई इस बार श्रेयर अय्यर के हाथों में है। उनके नेतृत्व में टीम ने चार में से तीन मुकाबले जीते है। टीम के बल्लेबाजों की फॉर्म जबरदस्त है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स शानदार खेल दिखा रही है। पंजाब किंग्स चौथे पायदान पर बनी हुई है। प्लेऑफ में जगह पाने के लिए उसे 10 में से पांच मुकाबले जीतने होंगे।

मुंबई इंडियंस

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिका पांड्या के हाथों में है। पिछले सीजन की तरह इस सीजन में भी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। मुंबई ने पांच मुकाबले

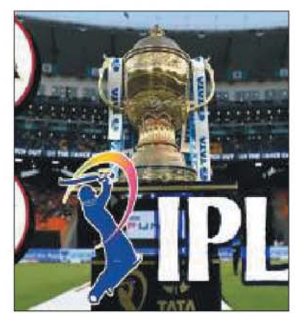

खेलने के बाद सिर्फ एक में जीत पाई है। मुंबई को नौ मैच खेलने है जिनमें से उसे सात मैच जीतने होंगे ताकि वो प्लेऑफ में पहुंच सके। अगर मुंबई दो मैच हार जाएगी तो प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल हो जाएगा।

चेन्नई सुपर किंग्स

इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स ने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में टीम विफल रही है। पांच मैच खेल चुकी टीम सिर्फ एक मैच ही जीती है। अंक तालिका में चेन्नई नौवें पायदान पर है। टीम के पास नौ मैच खेलने का मौका है, जिनमें से उसे सात में जीतना होगा तभी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बनेगी।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए सैमसन पर लगाया जुर्माना

–रॉयल्स ने सत्र में दूसरी बार किया आचारसंहित का उल्लंघन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 24 लाख का जुर्माना लगाया है। सैमसन पर ये जुर्माना अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। इस मैच में रॉयल्स को 58 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल 2025 में यह दूसरी बार है जब राजस्थान की टीम ने आचारसंहिता का उल्लंघन किया है। इस कारण राजस्थान की अंतिम ग्यारह में शामिल सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या 25 फीसदी मैच फीस जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में इससे पहले राजस्थान रॉयल्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था। उस मैच में कप्तानी कर रहे रियान पराग पर 12 लाख रुपए जुर्माना

लगा था। वहीं बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन पर टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।' साथ ही लिखा है, यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम की दूसरी गलती थी। इस कारण सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम ग्यारह के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में टॉस जीतकर रॉयल्स ने गुजरात को पहले पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

पोंटिंग और अय्यर के आत्मविश्वास बढ़ाने से प्रियांश को सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने में मिली मदद

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंद ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में प्रियांश आर्य के ऑफ स्टंप उखाड़ दिए थे लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की सलाह की बदौलत 24 वर्षीय खिलाड़ी का आत्मविश्वास डगमगाया नहीं। राजस्थान रॉयल्स के आर्चर की लेंथ गेंद ने लगातार दूसरी बार प्रियांश के ऑफ स्टंप उखाड़ दिए थे। अगर अय्यर और पोंटिंग के साथ प्रियांश ने खुलकर बातचीत नहीं की होती तो इस तरह आउट होने के तरीके ने दिल्ली के इस सलामी बल्लेबाज का आत्मविश्वास कम कर दिया होता। पर अय्यर और पोंटिंग के आत्मविश्वास बढ़ाने का नतीजा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 39 गेंद में शतक के रूप में सामने आया। इस पारी ने दिल्ली के इस खिलाड़ी को तुरंत स्टार बना दिया। प्रियांश ने कहा, 'रिकी सर ने मुझे यह कहकर आत्मविश्वास बढ़ाया कि कोई भी पहली गेंद पर आउट हो सकता है। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर आपको वही गेंद मिले तो उसे पार्क के बाहर मारो।' प्रियांश ने अगले मैच में पहली गेंद को पार्क के बाहर मारा था, हालांकि सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंद की लाइन एवं लेंथ अलग थी। पिछले साल स्थानीय दिल्ली लीग में छह गेंद में छह छक्के लगाकर सुर्खियों में आने वाले प्रियांश ने कहा, 'रिकी सर हमेशा मुझे अपने पुल शॉट को बेहतर बनाने के लिए कहते रहते हैं। तकनीकी पहलू पर उनके साथ काम नहीं किया है, हम केवल मानसिकता के बारे में बात करते हैं।'

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया: पार्थिव पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।

साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पार्थिव ने मैच के बाद कहा, 'जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया।'

पार्थिव ने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं। हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।'

भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत श्रृंखला की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इस श्रृंखला के मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, 'यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमारे खिलाड़ियों को अपने खेल का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा।'

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, डब्लूटीसी फाइनल से पूर्व कप्तान टेम्बा बावुमा हुए चोटिल

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कैप्टन टेम्बा बावुमा को कोहनी की चोट लगी है, जिसने उन्हें घरेलू प्रथम श्रेणी के फाइनल में भाग लेने से रोक दिया है, जो गुरुवार को जोहान्सबर्ग में होना है। बावुमा मंगलवार को केप टाउन से लायंस टीम के साथ जुड़ने वाले थे, लेकिन जोहान्सबर्ग पहुंचने में विफल रही। लायंस ने बुधवार को देर से पता लगाया कि बावुमा निगल के कारण मैच नहीं खेल सकते।

बावुमा की नई चोट जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से दो महीने पहले लगी है जो डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है। बावुमा की चोट को लेकर अभी तक पूरी जानकारी नहीं है। बुधवार की सुबह, लायंस के कप्तान डोमिनिक हेंड्रिक्स ने मार्की गेम में बावुमा के साथ खेलने के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त की।

यह बावुमा का पहला उदाहरण नहीं है। उन्होंने 2022 में अपनी बाईं कोहनी को चोटिल कर लिया था जिससे उन्हें साइडलाइन पर बैठने और मिस दक्षिण अफ्रीका के इंग्लैंड के दौरे के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले साल उन्होंने अबू धाबी में एक वनडे में आयरलैंड के खिलाफ एकल पूरा करते हुए अजीब तरह से गिरने के बाद एक ही कोहनी को फिर से घायल कर दिया। नतीजतन वह बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के दो परीक्षणों से चूक गए।

चोटों से त्रस्त एक चरण पर काबू पाने के बाद बावुमा ने चार परीक्षणों में दो शतकों और श्रीलंका के खिलाफ चार अर्धशतक के साथ वापसी की। उन्होंने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व किया, लेकिन अपनी कोहनी पर भारी स्ट्रैपिंग के साथ खेला। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की विजय के बाद से बावुमा प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से अनुपस्थित रहे हैं।

पिछले हफ्ते वह ब्लोमफोन्टिन में अपने अंतिम प्रथम श्रेणी के लीग मैच के लिए लायंस के साथ मौजूद थे, लेकिन खेल को बारिश से पूरी तरह से धोया गया था। दक्षिण अफ्रीका में

11 जून से शुरू होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्लूटीसी ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रतिष्ठित लॉर्ड में दिखाई देने से पहले सिर्फ आठ सप्ताह बाकी हैं।

जूनियर विश्व कप हॉकी में अच्छा प्रदर्शन करना है लक्ष्य : साक्षी राणा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा का लक्ष्य जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से सफल पदार्पण से भी साक्षी के हौंसले बुलंद हैं। जूनियर विश्वकप इस साल के अंत में चिली में होगा। साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में ही गोल किया था जबकि भारतीय टीम ये मुकाबला 3-4 से हार गयी थी। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी इसलिए टीम में जगह पाकर उत्साहित हूं। मैं मैच से पहले दबाव में नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन कर कहा था कि निडर होकर खेलना। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लगाया और गोल हो गया। साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी

खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे पता चला कि रफ्तार कितनी जरुरी है। मुझे फॉरवर्ड पंक्ति में होने के कारण मैदान पर अपनी रफ्तार अधिक से अधिक बढ़ानी होगी। इसलिए अब मैं इसी पर काम कर रही हूं। साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं जिससे देश के पदक जीतने में अपनी ओर से योगदान दे सकूं।

अमेरिकी वीजा में देरी के कारण भारत को विश्व कप में पदक से हाथ धोना पड़ा, कोच ने लगाया आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय कोच जीवनजोत सिंह तेजा ने कहा कि देश की महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम वीजा में देरी के कारण अमेरिका में सत्र के पहले विश्व कप चरण एक टूर्नामेंट में नहीं खेल सकी जिससे टीम को पदक से हाथ धोना पड़ा। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने 2024 में दांव पर लगे तीनों स्वर्ण पदक जीते थे। इसकी तीन सदस्य विश्व चैंपियन अदिति स्वामी, मधुरा धामनगांवकर और तनिपर्थी चिकिथा को समय पर अमेरिकी वीजा नहीं मिला जिसके कारण वे फ्लोरिडा के ऑरबर्नडेल में प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकीं।

तेजा खुद अमेरिका नहीं जा सके। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से यह पदक से चूकने जैसा था। हमारी महिला टीम स्पर्धा जीतने की शत प्रतिशत संभावना थी। हमने पिछले साल शंघाई, येचियोन और अंताल्या में आयोजित विश्व कप के सभी तीन स्वर्ण पदक जीते थे। लेकिन दुर्भाग्य से वीजा में देरी के कारण हम इस बार अपना खिताब नहीं बचा सके।' 2022 में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता तेजा ने 2021 में तोक्यो में हरविंदर सिंह को भारत का पहला पैरालंपिक तीरंदाजी पदक (कांस्य) दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में जब हरविंदर ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था, तब भी वह मौजूद थे।

तेजा ने बताया कि भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने तीन महीने पहले वीजा के लिए आवेदन कर दिया था। उन्होंने कहा, 'हमने तीन महीने पहले चयन ट्रायल आयोजित किए थे और टीम की घोषणा करने के तुरंत बाद हमने अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन कर दिया था। हमें 'बैकलॉग' के बारे में पता था।'

अमेरिकी दूतावास और बाद में खेल मंत्रालय के साथ प्रयासों के बावजूद वीजा आठ अप्रैल को जारी किए गए, तब तक कंपाउंड प्रतियोगिता शुरू हो चुकी थी। भारत को इस टूर्नामेंट के लिए 23 सदस्यीय दल भेजना था जिसमें तीरंदाज, कोच और सहायक कर्मचारी शामिल थे। बार-बार देरी के बाद केवल 14 सदस्यों के लिए वीजा की मंजूरी मिली।

एएआई ने इंस्टाग्राम पर एक अपील भी की थी। फिर विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप से वीजा मिल पाया। हालांकि नौ में से दो को वीजा देने से मना कर दिया गया जबकि अन्य सात को प्रतियोगिता शुरू होने के दिन आठ अप्रैल को मंजूरी मिली जिनमें तीन महिला कंपाउंड तीरंदाज शामिल थीं। एएआई के सहायक सचिव गुंजन अबरोल ने बताया, 'प्रतियोगिता शुरू होने के बाद तीन कंपाउंड तीरंदाजों को भेजने का कोई मतलब नहीं

था। हमें उनके टिकट रद्द करने पड़े।' भारत दो रिकर्व तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा और अनीशा कुमारी को भेजने में कामयाब रहा जो एक दिन बाद होने वाली अपनी स्पर्धाओं के लिए समय पर पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : मेक्सिको में बर्ड फ्लू से पहली मौत बच्ची के संपर्क में रहे सभी की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको में मंगलवार को एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा से पहली मौत दर्ज की गई है। उत्तरी राज्य कोआहुइला में तीन वर्षीय बच्ची की मौत हुई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एलिउड एगुइरे ने कहा कि बच्ची की सुबह-सुबह मौत हो गई। संक्रमण के कारण उसके कई अंग काम करना बंद कर चुके थे। एगुइरे ने कहा, हम उन सभी व्यक्तियों की निगरानी कर रहे हैं, जो रोगी के संपर्क में थे। हम पता लगाने के लिए परीक्षण कर रहे हैं कि वे संक्रमित हैं या नहीं। अभी तक, किसी का भी परीक्षण पॉजिटिव नहीं आया है। अमेरिका के टेक्सास राज्य के एक काउंटी में खसरा का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अब तक 505 लोग इस बीमारी से प्रभावित हो चुके हैं। इसमें लुबॉक शहर के एक डे केयर सेंटर में भी खसरे के कई मामले सामने आए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस प्रकोप के कारण इस साल तीन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें दो छोटे बच्चे शामिल हैं। लुबॉक अस्पताल में एक बच्चे की मौत हुई है।

अमेरिका : इडाहो में पुलिस ने दिव्यांग किशोर को गोली मारी, हालत गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के पोकाटेलो शहर में पुलिस अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय दिव्यांग किशोर विक्टर पेरेज को कथित तौर पर गोली मार दी। विक्टर बोलने में असमर्थ और बौद्धिक रूप से दिव्यांग हैं। वह अपने घर के पीछे वाले हिस्से में एक चाकू के साथ देखे गए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत करने या कम घातक उपायों को अपनाने के बजाय विक्टर पर गोलीबारी की, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। घटना को लेकर समुदाय के लोगों ने आक्रोश जाहिर किया है और उनके परिवार ने न्याय की मांग की।

नेपाल : राजशाही समर्थक पार्टी ने निकाली रैली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने मंगलवार को एक विरोध रैली निकाली। रैली में राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने की मांग की गई। काठमांडो के बाहरी इलाके बल्खू में पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व में रैली में हजारों कार्यकर्ता, नेता शामिल रहे।

उत्तर कोरिया अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ेगा- किम यो जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन ने बुधवार को वाशिंगटन और

उसके एशियाई सहयोगियों का उत्तर कोरिया को परमाणु निरस्त्रीकरण करने के उनके दिवास्वप्न के लिए मजाक उड़ाया और जोर देकर कहा कि देश कभी भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को नहीं छोड़ेगा। देश के शीर्ष विदेश नीति अधिकारियों में से एक किम यो जोंग का यह बयान पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष राजनयिकों के बीच एक बैठक के जवाब में था, जहां उन्होंने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमाणु निरस्त्रीकरण पर कोई भी बाहरी चर्चा सबसे शत्रुतापूर्ण काम है और उनके देश की संप्रभुता को नकारने के बराबर है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच ब्राजील के संचार मंत्री ने दिया इस्तीफा

ब्राज़ि‍लिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार में संचार मंत्री जुस्सेलिनो फील्हो ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ये आरोप उनके सांसद रहते हुए ((2017 से 2022 तक) मारान्हाओ राज्य में सड़क निर्माण के लिए आवंटित सार्वजनिक धन का निजी उपयोग करने से जुड़े हैं। फील्हो ने किसी भी गलत काम से इनकार किया। उन्होंने कहा कि आरोप उनके मंत्रालय में उनके कार्यकाल से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने अपने कानूनी बचाव पर फोकस करने के लिए कैबिनेट से इस्तीफा दिया है। लेकिन वह संसद में अपनी सीट को बनाए रखेंगे। राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद किसी मंत्री का यह पहला इस्तीफा है।

ब्रिटेन : 80 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में दो किशोर दोषी करार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में भारतीय मूल के भीम सेन कोहली (80 वर्षीय) की हत्या के मामले में दो किशोरों को दोषी पाया गया है। यह घटना पिछले साल सितंबर में तब हुई, जब कोहली अपने कुत्ते को पार्क में घुमाने गए थे और बिना किसी कारण के उन पर हमला कर दिया गया। हमलावर 14 साल के लड़के और 12 साल की लड़की को लीसेस्टर क्राउन कोर्ट ने दोषी करार दिया। दोनों ने हमला किया था और वीडियो बनाया। इन दोनों का नाम कानूनी कारणों से सार्वजनिक नहीं किया गया है।

डॉमिनिकन गणराज्य में नाइटक्लब की छत गिरने से कम से कम 44 लोगों की मौत, 160 अन्य घायल

सैंटो डोमिंगो, एजेंसी। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में मंगलवार तड़के एक नाइटक्लब की छत गिरने की घटना में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और 160 अन्य घायल हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि जेट सेट नाइटक्लब में मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि मलबे के नीचे दबे कई लोग अब भी जिंदा हैं और प्राधिकारी हार नहीं मानेंगे, जब तक कि प्रत्येक व्यक्ति को बाहर न निकाल लिया जाए।'' मेंडेज ने बताया कि मरने वालों की संख्या 44 तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। घायलों में पूर्व मेजर लीग बेसबॉल पिचर ऑक्टेवियो डोटेल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाइटक्लब की छत उस समय गिरी, जब मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं। पेरेज के मैनेजर एनरिक पॉलीनो ने संवाददाताओं को बताया कि उनका (पेरेज का) कंसर्ट सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात से कुछ समय पहले शुरू हुआ था और लगभग एक घंटे बाद नाइटक्लब की छत गिर गई। पॉलीनो के मुताबिक, हादसे में पेरेज के संगीत समूह में शामिल सैक्सोफोन वादक की मौत हो गई, जबकि पेरेज सहित अन्य सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, ''यह एक झटके में हुआ और शुरू में मुझे लगा कि भूकंप आया है। मैंने एक कोने में जाकर किसी तरह अपनी जान बचाई।'' पॉलीनो की शर्ट खून से सने हुए थे। राष्ट्रपति लुइस अबिनाडर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सभी बचाव एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद के लिए ''अथक प्रयास'' कर रही हैं। उन्होंने लिखा, ''हमें जेट सेट नाइटक्लब में हुई त्रासदी पर गहरा दुख है। हादसे के बाद से हम मिनट दर मिनट इससे जुड़ी जानकारी ले रहे हैं।'' अबिनाडर दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और अपनों को खोज रहे लोगों को गले लगाया। हालांकि, उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब देने से परहेज किया। नाइटक्लब की छत गिरने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति अबिनाडर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सभी बचाव एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। उन्होंने लिखा, जेट सेट नाइटक्लब में हुये हादसे पर हमें गहरा दुख है। घटना के बाद से हम हर मिनट इस पर नज़र रख रहे हैं।

पहले मेंडेज ने कहा था- मरने वालों की संख्या 66 पहुंची : इससे पहले, मेंडेज ने कहा था कि मरने वालों की संख्या 66 तक पहुंच गई है, जबकि कम से कम 160 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम मलबे में दबे कुछ लोगों की आवाजें सुन रहे हैं। बचाव दल क्लब में तीन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रहा है।

हादसे में इन हस्तियों की भी हुई मौत : नाइट क्लब की छत गिरने के बाद, डोमिनिकन गणराज्य के प्रोफेशनल बेसबॉल लीग ने एक्स पर एक पोस्ट किया। जिसमें बताया गया कि हादसे में 51 वर्षीय एमएलबी पिचर ऑक्टेवियो डोटेल की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने डोटेल को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। लीग के प्रवक्ता सोस्की टेरेरो के अनुसार, हादसे में डोमिनिकन बेसबॉल खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा की भी जान चली गई। हादसे में राष्ट्रीय विधायक ब्रे वर्गास घायल हो गए।

मेरेंग्या गायक रूबी पेरेज की तलाश जारी : हादसे के बाद से मेरेंग्या गायक रूबी पेरेज भी गायब हैं। हालांकि, छत गिरने के समय उनके रिश्तेदारों ने कहा था कि उन्हें बचा लिया गया है, लेकिन आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक मेंडेज ने इस बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बचाव दल अभी भी पेरेज की तलाश कर रहे हैं। पेरेज के मैनेजर एनरिक पॉलिनो ने बताया कि कॉन्सर्ट आधी रात को शुरू हुआ और लगभग एक घंटे बाद ही छत गिर गई। हादसे में उनके समूह के सैक्सोफोनिस्ट की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना बहुत जल्दी हुई। घटना के वक्त वह एक कोने में छिप गए, उन्हें लगा था कि भूकंप आया है।

छत गिरने के कारणों का नहीं चला पता

नाइट क्लब की छत गिरने के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि जेट सेट बिल्डिंग का आखिरी बार कब निरीक्षण किया गया था। इस बीच, क्लब ने एक बयान जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि वह अधिकारियों का सहयोग कर रहे हैं। क्लब की ओर से बताया गया है कि जब हादसा हुआ, उस समय क्लब के मालिक एंटोनियो एस्पैलेट देश में नहीं थे। हादसे का पता लगने के बाद वह मंगलवार देर रात वापस लौट आए। उन्होंने कहा, इस घटना से जो दुख पहुंचा है।

पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत को अपना समर्थन दोहराया

लिस्बन, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पुर्तगाल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के समापन पर, सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने प्रेस को बताया कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''पुर्तगाली नेतृत्व ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दोहराया है।'' भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह स्थायी सदस्य के रूप में यूएनएससी में स्थान पाने का हकदार है। भारत का कहना है कि 1945 में गठित 15 सदस्यीय यूएनएससी 21वीं सदी की जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं है और यह समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती।

लाल ने कहा कि पुर्तगाल, भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''यह संबंध उपयोगी है क्योंकि भारत और यूरोपीय संघ वर्तमान में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) पर बातचीत कर रहे हैं और हमारे पास अंतर-मंत्रालयी स्तर पर एक व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद भी है।

चीन में बड़ा हादसा, नर्सिंग होम में आग लगने से 20 की मौत

बीजिंग, एजेंसी। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। आग मंगलवार रात करीब 9 बजे चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में लगी। बुधवार सुबह तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि 8 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे हेबेई प्रांत के चेंगडे शहर में स्थित एक नर्सिंग होम में आग लग गई।

शिन्हुआ ने बताया कि नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को आगे की निगरानी और उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल कितने लोग घायल हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, आग के कारणों की जांच अभी चल रही है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी स्थिति की जांच कर रहे हैं और इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

कनाडा के चुनावी मैदान में पहली बार उतरे गुजराती, पहले राजनीति में पंजाबियों का था बोलबाला

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में इस महीने होने वाले 45वें संघीय चुनाव में भारतीय मूल के चार गुजराती उम्मीदवार पहली बार चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले तक कनाडाई राजनीति में पंजाबी समुदाय का ही बोलबाला था, लेकिन अब गुजराती भी राजनीति में अपनी पहचान बना रहे हैं। गुजराती समुदाय से जयेश ब्रह्मभट्ट, सुंजीव रावल, अशोक पटेल और मिनेश पटेल इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से दो उम्मीदवार पार्टी टिकट पर और दो निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे हैं।

पंजाबी अब भी ताकतवर, गुजराती भी दिखा रहे हैं दम : कनाडा में भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में है, जिसमें पंजाबी और गुजराती सबसे ज्यादा हैं। जहां पंजाबी समुदाय लंबे समय से राजनीति में सक्रिय है, वहीं गुजराती अब अपने सामाजिक योगदान और व्यापारिक समाज के दम पर राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गुजराती आमतौर पर व्यापार से जुड़े होते हैं और कनाडा में अच्छी आर्थिक स्थिति बनाने के बाद अब समाजसेवा और राजनीति में उतर रहे हैं। वहीं पंजाबी समुदाय की बात करें तो वे पहले से ही संसद, मंत्री पद और बड़े राजनीतिक पदों पर काबिज रहे हैं।

ये गुजराती उम्मीदवार लड़ रहे चुनाव : जयेश ब्रह्मभट्ट (ब्रैम्पटन चिंगुएकौसी पार्क) - जयेश साल 2001 में भारत से कनाडा आए थे। पेशे से सिविल इंजीनियर हैं और अब एक सफल रियल एस्टेट कारोबारी हैं। अब

पीपल्स पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका कहना है, हम स्वतंत्रता, जिम्मेदारी, और सभी के लिए सम्मान की बात करते हैं। मुझे लोगों से अच्छा समर्थन मिल रहा है। बदलाव की उम्मीद है। सुंजीव रावल (कैलगरी मिदनापुर) - सुंजीव रावल पिछले 20 साल से कनाडा में हैं और खुद का बिजनेस चलाते हैं। वह कई भारतीय संगठनों से जुड़े हुए हैं और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनका कहना है, हम मध्यम वर्ग के मुद्दों - जैसे महंगाई, मकान, और रोजगार - पर लड़ रहे हैं। इमिग्रेशन को भी संतुलित करने की जरूरत है। अशोक पटेल (एडमोंटन शेरवुड) - स्वतंत्र उम्मीदवार - अशोक पटेल कारोबारी हैं और पहली बार राजनीति में आए हैं। उनका उद्देश्य है कि वे लोगों की सेवा संसद में जाकर करें। मिनेश पटेल (कैलगरी स्काईव्यू) - स्वतंत्र उम्मीदवार - मिनेश भी व्यापारी हैं और अपने इलाके के लोगों की समस्याओं को लेकर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि जमीनी स्तर पर बदलाव जरूरी है। डॉन पटेल को नहीं मिला टिकट कनाडा की कंजरवेटिव पार्टी ने एक और गुजराती उम्मीदवार डॉन पटेल को टिकट देने पर विचार किया था। डॉन पटेल मूल रूप से गुजरात के आणंद जिले से हैं और कनाडा में रियल एस्टेट में सफल कारोबारी हैं। लेकिन आखिर में उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला। हेमंत शाह, जो ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ इंडिया कनाडा (ओएफआईसी) में इंटरनेशनल ट्रेड डायरेक्टर हैं, उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं है।

ट्रंप प्रशासन ने वापस लिया अमेरिका के खाद्य कार्यक्रमों की फंडिंग में कटौती का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने 14 कम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत आपातकालीन परियोजना के लिए फंडिंग की कटौती के फैसले को वापस लिया है। मंत्रालय ने कहा कि कुछ जीवन रक्षक मदद के अनुबंधन गलती से समाप्त कर दिए गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कुछ ऐसे कार्यक्रम थे, जिन्हें अन्य देशों में की गई कटौती में गलती से शामिल किया गया था। उन्हें वापस ले लिया गया है और फिर से लागू किया गया है।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कौन से देश हैं, जहां अमेरिका की फंडिंग बहाल की गई है। यह गलती कैसे हुई, इस बारे में भी ब्रूस ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। विश्व खाद्य कार्यक्रम की ओर से इस पर मुद्दे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सोमवार को एक रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और 11 अन्य संघर्ष ग्रस्त देशों में विश्व खाद्य कार्यक्रम की आपातकालीन परियोजनाओं के लिए फंडिंग में कटौती की थी, जिससे लाखों लोगों की जान संकट में पड़ गई। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि आपातकालीन खाद्य कार्यक्रमों और जीवनरक्षक मदद को बहाल किया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति कारोबारी एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के कई कार्यक्रमों को बंद कर दिया है। अब ट्रंप प्रशासन ने 14 देशों में अमेरिकी फंडिंग में कटौती के फैसले को वापस लिया है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने इस कदम पर फिर से विचार करने का आह्वान किया था और चेतावनी दी थी कि यह कदम लाखों लोगों की मौत की वजह बन सकता है।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में 6 लोगों की मौत, 15 घायल

सना , एजेंसी। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को यमन में कई अमेरिकी हवाई हमले हुए, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदाह में छह लोगों की मौत हुई है और 13 घायल हुए हैं। हमला, अमीन मुकबिल इलाके के एक रिहायशी इलाके पर हुआ। वहीं, धमार प्रांत में दो अन्य लोग घायल हुए, जहां एक खेत पर हमला हुआ था। हूती टेलीविजन और स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिमी-मध्य प्रांत अमरान और मध्य प्रांत इब्ब के दूरसंचार बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त बमबारी हुई।

हूती टेलीविजन ने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल लक्षित सुविधाओं में आग बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के ठिकानों के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया। उन्होंने कुल 50 हवाई हमले किए। इन हमलों को लेकर अमेरिकी सेना ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने पहले बयानों में कहा था कि वह तब तक प्रतिदिन हवाई हमले करना जारी रखेगा, जब तक कि हूती लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला करना बंद नहीं कर देता।

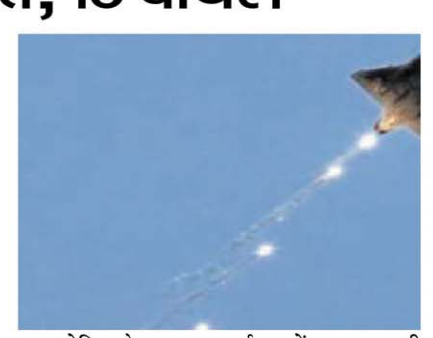

अमेरिका के लगातार हवाई हमलों का असर हूती समूह पर पड़ता नहीं दिख रहा है, जो इस क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायल की शिप्स पर हमले जारी रखे हुए है। हूती विद्रोहियों का दावा है कि उनके हमले अमेरिका समर्थित इजरायल पर दबाव डालने के लिए हैं, ताकि वह गाजा पट्टी पर हवाई हमले बंद करे और वहां मानवीय सहायता पहुंचने दे। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को यमन में हूती बलों के ठिकानों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी और उत्तरी यमन में 22 हवाई हमले किए। इन हमलों ने राजधानी सना के पूर्वी और दक्षिणी इलाकों लाल सागर में कमरान द्वीप और तेल से समृद्ध मारिब प्रांत को निशाना बनाया। यह जानकारी हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय निवासियों ने दी।

चीन का पलटवार करना गलती, खत्म हो चुका अमेरिका के आर्थिक आत्मसमर्पण का युग : कैरोलिन लीविट

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की कि चीन पर बुधवार से 104 फीसदी टैरिफ लागू होंगे। इसे टैरिफ युद्ध की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह कदम बाजारों को हिलाकर रख देने वाला साबित हो सकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने एक मीडिया ब्रिफिंग के दौरान जोर देकर कहा कि चीन का अमेरिका पर पलटवार करना एक गलती थी। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका को चुनौती दी जाती है, तो उसकी प्रतिक्रिया मजबूत होती है। लीविट ने कहा, चीन का पलटवार करना एक गलती थी। जब अमेरिका को घूंसा मारा जाता है, तो वह और भी जोर से पलटवार करता है। इसी वजह से आज रात (स्थानीय समयानुसार) से चीन पर 104 फीसदी टैरिफ लागू होंगे। अगर चीन समझौता करने के लिए संपर्क करता है, तो अमेरिका बहुत उदार होगा। उन्होंने आगे कहा, यह नए टैरिफ ट्रंप प्रशासन के उन प्रयासों का हिस्सा हैं, जो उन व्यापार प्रथाओं को सुधारने के लिए हैं, जिन्हें वह अनुचित मानते हैं और जिनकी वजह से अमेरिका के कामकाजी वर्ग को नौकरी के नुकसान और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ा है। उन्होंने चीन की व्यापार नीतियो की आलोचना करते हुए कहा कि चीन ने अमेरिका के कामकाजी वर्ग के लिए आर्थिक समस्याएं बढ़ा रहा है। प्रेस सचिव ने आगे कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बहुत स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका के

आर्थिक आत्मसमर्पण का युग का खत्म हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब अमेरिकी कामकाजी वर्ग और कंपनियों को उन मूर्खतापूर्ण व्यापार प्रथाओं के हाथों धोखा नहीं खाने देंगे, जो लाखों उच्च वेतन वाली नौकरियां छीन ले जाती हैं और देश के समुदायों को खाली कर देती हैं। उन्होंने कहा, चीन सहित जिन देशों ने पलटवार करने का फैसला लिया है और अमेरिका के कामकाजी वर्ग के साथ अपने बुरे व्यवहार को आगे बढ़ाने की कोशिश की है, वे गलती कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की रीढ़ लोहे की तरह मजबूत है। वह टूटेंगे नहीं। उनके नेतृत्व में अमेरिका नहीं टूटेगा। लीविट ने कहा, ट्रंप ने टैरिफ की अवधि बढ़ाने या उन्हें टालने पर कोई विचार नहीं किया है, लेकिन वह फोन उठाकर किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं।

पनामा नहर को चीन से लगातार खतरा: अमेरिकी रक्षा मंत्री : उधर, अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा कि पनामा नहर को चीन से लगातार चीन से खतरा है, लेकिन अमेरिक और पनामा मिलकर इसे सुरक्षित बनाएंगे। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो के साथ बैठक के बाद नौसेना के नुनेज डी बालबोओ बेस पर एक अमेरिकी वित्त पोषित डॉक का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका और पनामा नहर के संचालन को खतरे में डालने वाले किसी भी देश को इसकी सुरक्षा से समझौता नहीं करने देंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना ममता को पड़ा भारी, अवमानना नोटिस जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना भारी पड़ गया है। उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाकर आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं होने दूंगी। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है। ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमारी सरकार ने इस फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद कांग्रेस : कंगना रनौत

सुंदरनगर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस पर हमला कर भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद बताया। सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आईं अभिनेत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने साहसिक निर्णयों और बेदाग ईमानदारी से उस धारणा को पूरी दुनिया में बदल दिया। कंगना ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने आरोप लगाकर कहा कि मंडी से पूर्व कांग्रेस सांसद प्रतिभा सिंह ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से निर्वाचन क्षेत्र को कोई राशि आवंटित नहीं की। रनौत ने दावा किया कि उन्होंने बीते आठ महीनों में रामपुर से भरमौर तक मंडी के सभी इलाकों में पांच करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

नवरात्रि पर हिमाचल में 18.85 लाख तीर्थयात्रियों ने किए शक्तिपीठों के दर्शन

बिलासपुर (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न हुए नवरात्रि उत्सव के दौरान हिमाचल प्रदेश में 18.85 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने शक्तिपीठों के दर्शन किए। आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा 7.82 लाख भक्तों ने कांगड़ा जिले के ज्वाला मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद सिरमौर में माता बाला सुंदरी मंदिर में 3.42 लाख, बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में 3.20 लाख, कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर में 1.30 लाख, ऊना में चिंतपूर्णी मंदिर में 1.23 लाख, बृजेश्वरी देवी मंदिर में 96,850 और चामुंडा देवी मंदिर में 89 हजार भक्तों ने दर्शन किए। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यातायात आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि में 15,481 भारी मोटर वाहन, 66,996 हल्के मोटर वाहन और 55,718 दोपहिया वाहनों ने इन शहरों में प्रवेश किया।

दो अलग-अलग घटनाओं में आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

फिरोजाबाद (एजेंसी)। फिरोजाबाद जनपद में दो अलग-अलग स्थानों पर गुरुवार तड़के आए तूफान में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में हुई जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) पर आकाशीय बिजली गिरने से झुलस गई। झुलसी अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला आठ माह की गर्भवती थी। दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी में घटी जिसमें खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। दोनों स्थानों पर तहसील की टीम भेजी गई है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि शासन को दैवीय आपदा राहत कोष से राहत राशि देने के लिए अवगत करा दिया गया है।

अपना शरबत बेचने के लिए क्या क्या कह गए बाबा रामदेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। योगगुरु बाबा रामदेव योग सिखाते-सिखाते कारोबारी भी बन गए हैं। उन्होंने अपना शरबत बेचने के लिए दूसरे शरबतों को न केवल टॉयलेट क्लीनर बताया बल्कि यहां तक कह दिया कि ये लोग इन पैसों से मदरसों-मस्जिदों के निर्माण करते हैं। रामदेव ने आगे दावा किया कि जाहिर तौर पर अगर आप उस कंपनी का शरबत पीते हैं तो यह मस्जिद और मदरसों के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है। उन्होंने दावा किया कि अगर आप पतंजलि के शरबत का चयन करते हैं तो इससे गुरुकुलों, आचार्यकुलों, पतंजलि विश्वविद्यालयों और भारतीय शिक्षा बोर्ड को मदद मिलती है। पतंजलि प्रोडक्ट्स नामक हैंडल से फेसबुक पर पोस्ट किए गए इस वीडियो के कैप्शन में हिंदी में लिखा हुआ है कि शरबत जिहाद के नाम पर बेचे जा रहे टॉयलेट क्लीनर और कोल्ड ड्रिंक के जहर से अपने परिवार और मासूम बच्चों को बचाएं। घर में केवल पतंजलि का शरबत और जूस ही लाएं। इस वीडियो में बाबा रामदेव सॉफ्ट ड्रिंक की आलोचना करते हुए नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि ये टॉयलेट क्लीनर की तरह हैं, जिसे गर्मी में प्यास बुझाने के नाम पर पिया जाता है।

'तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण नए भारत का संकल्प', बीजेपी बोली- चाहे आप दुनिया के किसी कोने में...

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह सभी सुरक्षा, आतंकवाद निरोधक, अभियोजन और खुफिया एजेंसियों के लिए एक बड़ी जीत है। पूनावाला ने आगे कहा कि प्रत्यर्पण इस बात का संकल्प है कि भारत आतंकी हमलों पर चुप नहीं रहेगा बल्कि कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण, न केवल 138 भारतीय पीड़ितों के लिए बल्कि कई अन्य देशों के पीड़ितों के लिए भी न्याय और समाधान सुनिश्चित करने और उसके करीब पहुंचने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है।

शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई आम प्रत्यर्पण नहीं है, ये नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब है। जिसे 2019 में पीएम नरेन्द्र मोदी जी ने परिभाषित करते हुए कहा था? कि अगर कोई भारत की अखंडता, एकता, सुरक्षा, अस्मिता या किसी भी निर्दोष भारतवासी पर हमला करने की जुर्रत करेगा, तो भारत ऐसे आतंकी को पाताल से भी खोज कर न्याय के पथ पर लाने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि आज तहव्वुर राणा जब भारत लाया जा रहा, तो ये एक चेतावनी भी है... हर एक उस आतंकी के लिए, आतंकी साजिशकर्ता के लिए कि

चाहे आप दुनिया के किसी कोने में छिप कर क्यों न बैठे हो, भारत आपको चुन चुन कर ढूंढेगा और न्याय के पथ पर लाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि घरेलू आतंकवाद के कई मामलों में हमारी एजेंसियों ने अपराधियों को सजा दिलाने में सफलता प्राप्त की है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि हमने नए कानूनों के माध्यम से इन एजेंसियों को सशक्त बनाया है और उन्हें काम करने की पूरी छूट दी है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए ÷कुछ नहीं करने÷ के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जिसमें 166 से अधिक लोगों की जान चली गई।

एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, गोयल ने तत्कालीन सरकार पर 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक अजमल कसाब को केवल ÷बिरयानी परोसने÷ का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने हमलावरों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें भारतीय धरती पर न्याय का सामना कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकवादियों ने उसी होटल पर हमला किया था, जिसमें हम खड़े हैं। यहां लोग मारे गए। लेकिन कांग्रेस ने इसमें शामिल लोगों को सजा दिलाने के लिए कुछ नहीं किया। कसाब जो पकड़ा गया था, उसे भी बिरयानी खिलाई गई। हमारे देश पर हमला करने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा करना और उन्हें सजा दिलाना ही पीएम मोदी का संकल्प है। हर भारतीय नागरिक को पीएम मोदी पर गर्व है कि इस देश में शामिल लोगों को सजा मिलेगी।

बड़ा सवाल : बाबा की दीवानगी या कुछ गड़बड़... चंद मिनटों में हो गई बुकिंग

देहरादून। चारधाम यात्रा के दौरान संचालित होने वाली केदारनाथ हेली सेवा के लिए देश के सभी राज्यों से यात्रियों ने ऑनलाइन टिकटों की बुकिंग कराई है। वेबसाइट खुलने के कुछ घंटों में मई माह की पूरी टिकट फुल हो गए। चंद मिनटों की यह प्रक्रिया 2022 जैसे किसी कंफर्म रेलवे टिकट स्कैम की याद भी दिला रही है। उस वक्त सोशल मीडिया पर मौजूद कई विदेशी सॉफ्टवेयर से दलालों ने कंफर्म टिकट का कालाधंधा चलाया था। कई दलाल गिरफ्तार हुए और हजारों आईडी बंद कराई गई। हालांकि, उत्तराखंड सरकार ने बुकिंग के लिए इस्तेमाल हुए आईपी एड्रेस का ब्योरा तलब किया है। इससे ही साफ हो पाएगा कि यह आखिर क्या मामला था?

श्री केदारनाथ धाम के लिए चंद मिनटों में ही सात हजार से अधिक टिकट बुक हो गए और फिर विंडो बंद हो गई। ये बाबा केदार के प्रति लोगों की दीवानगी है या फिर एजेंटों का कोई खेल। जी हां, ये टिकट व्यक्तिगत रूप से लोगों ने बुक कराए या फिर एजेंटों ने कुछ गड़बड़ की, ये जांच का विषय है। लेकिन, आईआरसीटीसी के माध्यम से ऐसा एक नहीं, बल्कि कई बार हो चुका है। अभी तीन साल पहले ही आईआरसीटीसी की वेबसाइट को कई एजेंटों के इसी सिंडीकेट ने गच्चा दिया और करोड़ों रुपये की चपत लगाकर लोगों को ऊंचे दामों में रेलवे के कंफर्म टिकट बेचे। ऐसे में हेली सेवा टिकट बुकिंग में भी ऐसा खेल हुआ होगा यह कहना फिलहाल गलत नहीं है।

दरअसल, पिछले साल से श्री केदारनाथ धाम हेली सेवा के लिए टिकट बुकिंग की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी को दी गई थी। इसके अलावा और कोई विंडो या प्लेटफार्म नहीं है। इस बार भी मंगलवार को सुबह 12 बजे आईआरसीटीसी ने अपनी वेबसाइट पर टिकट विंडो खोली। लोगों ने टिकट बुकिंग शुरू की।केवल 40 मिनट बाद ही मई माह के स्लॉट फुल हो गए। इस पर कई लोग सवाल भी उठा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि टिकट बुकिंग करने के लिए केवल नाम और फोन नंबर दर्ज किया जाता है। इसके लिए एक विस्तृत फॉर्म भरा जाता है।

वोट बैंक की राजनीति के खातिर बंगाल में वक्फ कानून को लागू नहीं करना चाहती ममता : सरावगी

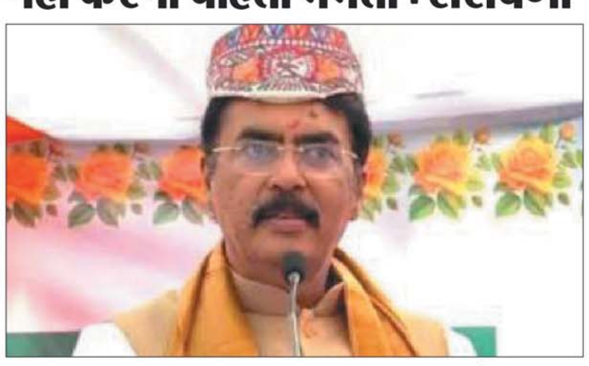

पटना (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वक्फ संशोधन कानून को लागू नहीं करने के ऐलान पर बिहार सरकार में राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि ममता वोट बैंक की राजनीति करने में लगी हुई हैं। नीतिश सरकार में राजस्व मंत्री सरावगी ने कहा, जब संसद से कोई कानून पारित होता है, तब वहां कानून पूरे देश में लागू होता है। मैं उनसे (ममता बनर्जी) पूछना चाहता हूं कि वे वक्फ कानून को बंगाल में क्यों नहीं लागू करना चाहती हैं। ये कानून मुसलमानों के हित का है और इसमें भी ये विशेषकर पसमांदा मुसलमानों के हित में हैं। मगर, ममता वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं और पश्चिम बंगाल के लोग इस बात को समझ रहे हैं। इस बार उन्हें समझ में आ जाएगा।

उन्होंने कहा, विरोधी दलों ने तीन तलाक का भी विरोध किया और इतना ही नहीं सीएए के बारे में भम्र फैलाया गया कि सभी मुसलमानों को देश से भगा दिया जाएगा। मगर, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा था कि एक भी मुसलमान देश से बाहर नहीं जाएगा, ये लोगों को भ्रमित करने का काम करते हैं। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वक्फ भारत के पार्लियामेंट से पास कानून है। ममता अगर इस फैसले को नहीं मानती हैं, तब देश के कानून में इतने उपाय हैं कि उन्हें ठीक कर दिया जाएगा।

वहीं बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कहा, ममता हमेशा ही उन लोगों का समर्थन करती हैं, जो इस राष्ट्र के विकास के बाधक रहे हैं। वक्फ कानून में राष्ट्र का विकास निहित है और इसमें पसमांदा, गरीब और अल्पसंख्यकों के विकास की बात कही गई है। मगर, ममता बनर्जी को कभी भी इस राष्ट्र के विकास की चिंता नहीं है बल्कि, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है।

अगर बैंकों में मराठी का इस्तेमाल नहीं हुआ तो...राज ठाकरे ने आईबीए को लिखी चिट्ठी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शीर्ष बैंक निकाय से कहा है कि वह बैंकों को निर्देश दे कि वे अपनी सेवाओं में आरबीआई के मानदंडों के अनुसार मराठी का उपयोग करें, अन्यथा उनकी पार्टी अपना आंदोलन तेज करेगी। मनसे नेताओं द्वारा बुधवार को भारतीय बैंक संघ को सौंपे गए पत्र में ठाकरे ने यह भी कहा कि यदि बैंक अपनी सेवाओं में तीन-भाषा फार्मूले अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा (महाराष्ट्र के मामले में मराठी) का पालन नहीं करते हैं, तो कानून और व्यवस्था के लिए बैंक स्वयं जिम्मेदार होंगे। ठाकरे ने आईबीए को लिखे पत्र में कहा, 'आप बैंकों को मराठी भाषा का उपयोग करने के लिए आवश्यक निर्देश दें, अन्यथा मनसे अपना आंदोलन तेज कर देगी और उसके बाद कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित बैंकों की होगी।

पत्र में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र और निजी बैंकों में क्षेत्रीय भाषाओं के इस्तेमाल को लेकर एक परिपत्र जारी किया है। इसके अनुसार, बैंकों में बोर्ड तीन भाषाओं में होने चाहिए। हिंदी, अंग्रेजी और उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा। पत्र में कहा गया है कि यहां तक कि सेवाएं भी तीन भाषाओं में होनी चाहिए। यह कदम तब उठाया गया है जब ठाकरे ने शनिवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य प्रतिष्ठानों में मराठी के इस्तेमाल को लागू करने के लिए आंदोलन को फिलहाल रोकने के लिए कहा क्योंकि हमने इस मुद्दे पर पर्याप्त जागरूकता पैदा कर दी है।

आंदोलन के बाद, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर कहा कि मनसे कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले लोग बैंक शाखाओं में जा रहे हैं और कर्मचारियों को धमका रहे हैं। 30 मार्च को गुड़ी पड़वा की रैली में ठाकरे ने आधिकारिक उद्देश्यों के लिए मराठी को अनिवार्य बनाने के अपने पार्टी के रुख को दोहराया।

1 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ वक्फ कानून प्रस्ताव, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव भेजने की कसम खाई है। कोलकाता के रामलीला मैदान में एक विशाल सभा में जमीयत के बंगाल चैप्टर ने अपने प्रमुख और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री से इस कानून को तुरंत निरस्त करने का आग्रह किया। जमीयत ने वक्फ कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए क्राउडफंडिंग अभियान की भी घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते कई याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। कानून के खिलाफ हस्ताक्षर स्वयंसेवक बंगाल के विभिन्न जिलों में जाकर एकत्र करेंगे। चौधरी ने कहा कि इस तरह के सामूहिक आंदोलन के कारण पहले भी सरकारों ने कानून वापस लिए हैं।

हमारा लक्ष्य विभिन्न जिलों और कस्बों से ये हस्ताक्षर प्राप्त करना और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी को भेजना है। चौधरी ने सभा को बताया कि पहले भी कानून वापस लिए गए हैं और इस कानून को निरस्त करवाने के लिए हम 1 करोड़ हस्ताक्षर प्राप्त करेंगे। वक्फ कानून, जिसे पिछले सप्ताह संसद द्वारा आधी रात के बाद तक चली बैठकों में पारित किया गया था, वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने और उनसे संबंधित विवादों का निपटारा करने में सरकारी निगरानी का विस्तार करता है। जमीयत ज्ञापन में कहा गया है कि वक्फ कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसमें कहा गया है कि यह कानून वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कमजोर करता है और नौकरशाहों को अत्यधिक अधिकार देकर अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता है। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र का इरादा वक्फ प्रशासन पर नियंत्रण करना और मुस्लिम समुदाय को अपने धार्मिक बंदोबस्त के प्रबंधन से अलग करना है। मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग द्वारा विरोध किए जाने वाले प्रावधानों में से एक केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को अनिवार्य रूप से शामिल करना है। कानून का एक और विवादास्पद प्रावधान यह है कि यह राज्य के अधिकारी को यह निर्धारित करने का अधिकार देता है कि विवादित संपत्ति वक्फ है या सरकार की है।

तपती गर्मी पर बादलों ने लगाए ब्रेक: दिल्ली, उप्र और बिहार समेत कई राज्यों में राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी से राहत मिल रही है। यहां बारिश और बादल के चलते राहत मिली है। यूं कह सकते है कि गर्मी और तपन पर बादलों ने ब्रेक लगा दिए हैं।

बिहार के ज्यादातर जिलों में बुधवार शाम से ही अच्छी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चली हैं। इससे मौसम में नरमी आई है। इसके अलावा यूपी के गोरखपुर, लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में भी हल्की बारिश से राहत मिली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बदलाव के चलते कम से कम 15 तारीख तक गर्मी थोड़ी कम रहेगी। इसके बाद ही तापमान में फिर से इजाफा होना शुरू होगा।

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव दिख रहा है। इसी के कारण बारिश और आंधी का मौसम बना हुआ है।

विभाग का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा पूरे पश्चिम उत्तर भारत यानी यूपी, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार तक खुशनुमा मौसम रहेगा और हल्की बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज यानी गुरुवार से ही हीट वेव में तेजी से कमी आएगी, जिसने बीते कई दिनों से लोगों को तपा रखा था। यही नहीं मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में भी थोड़ी राहत 10 अप्रैल के बाद से मिलेगी। पूर्वी भारत यानी बंगाल और ओडिशा आदि राज्यों में भी गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वोत्तर भारत में अच्छी बारिश हो सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस सप्ताह के अंत तक हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड जैसे राज्यों में बारिश होगी। इसके अलावा हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक होगी। इससे यूपी, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर जैसे इलाकों में भी तापमान कम होगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। कुछ मैदानी इलाकों में भी हल्की बारिश की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में इस वीकेंड में रेतीला तूफान भी उठ सकता है। उत्तराखंड में भी तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा तो इसका असर मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली तक दिख सकता है।

चुराचांदपुर जिले में 17 अप्रैल तक रहेगा कर्फ्यू: झंडा फहराने को लेकर जोमी और हमार जनजातियों में हुआ टकराव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार को दो जनजातियों के बीच झंडा फहराने को लेकर हुए उग्र विवाद के बाद हालात इतने बिगड़े कि प्रशासन को 17 अप्रैल तक के लिए कर्फ्यू लागू करना पड़ गया। यह टकराव जोमी और हमार जनजातियों के बीच हुआ, जहां दोनों पक्षों ने विवादित स्थल पर अपने-अपने समुदाय के झंडे लगाने की कोशिश की। यह जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच स्थित है, जिसे दोनों समुदाय अपनी-अपनी जमीन बताते हैं।

प्रशासन ने बिगड़े हालात को देखते हुए जिले के वी मुनहोइह, रेंगकाई, कांगवाई, समुलामलान और संगाइकोट इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। हालांकि, आम जनजीवन को ध्यान में रखते हुए सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है। इस मामले को लेकर बुधवार को जिले के कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों के साथ बैठक की थी, जिसमें दोनों समुदायों ने स्पष्ट किया था कि यह विवाद जातीय नहीं बल्कि भूमि स्वामित्व से जुड़ा है। बैठक में प्रशासन और नेताओं ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। यहां बताते चलें कि यह पहली बार नहीं है जबकि विवाद के चलते हिंसा भड़की हो। 18 मार्च को भी इसी स्थान पर झंडा हटाने को लेकर हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें हमार समुदाय के रोपुई पाकुमटे की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद बता चुके हैं कि दिसंबर 2023 से मार्च 2024 तक मणिपुर में कोई नई हिंसा नहीं हुई। ऐसे में स्थानीय नेता बता रहे हैं कि हालात इस कदर बदतर हैं कि प्रशासन को कर्फ्यू लगाना पड़ा है। चुराचांदपुर में हालिया घटनाएं बताती हैं कि तनाव अब भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है।

कन्हैया कुमार की बिहार में बढ़ती सक्रियता, लालू और तेजस्वी का बीपी बढ़ा रही

-तेजस्वी के मुद्दों को भुनाने में जुटे कन्हैया

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटी बिठाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में बिहार में पलायन और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनने में कांग्रेस जुटी हुई है। हालांकि पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर महागठबंधन में दो दल यानी कि कांग्रेस और राजद में खटपट चल रही हैं। दोनों ही दलों की ओर से मुद्दे को उठाया जा रहा है। लेकिन इसके जरिए एक ओर जहां तेजस्वी यादव है। वहीं दूसरी ओर कन्हैया कुमार हैं। राजनैतिक जानकारों के द्वारा दावा किया जा रहा है तेजस्वी के एजेंडे को कन्हैया ने पूरी तरीके से लपक लिया है।

तेजस्वी लगातार बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा को मुद्दा बना रहे हैं। वहीं अब इन्हीं मुद्दों के सहारे कन्हैया भी बिहार में कांग्रेस की राजनीति को धार देने की कोशिश में लगे हुए हैं। कांग्रेस नेता कन्हैया पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा निकल रहे हैं। इसके जरिए बेरोजगारी और पलायन को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन यह कहीं ना कहीं राजद के लिए परेशानी खड़ कर रहा है। दावा हैं कि कन्हैया की पदयात्रा तेजस्वी के लिए परेशानी की सबब बन सकती है। यह दोनों नेता एक ही गठबंधन के हिस्सा हैं, लेकिन एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि युवाओं के वोटो को अपनी और कौन खींचने में ज्यादा कामयाब रहता है। राजद प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव की वीटो के बावजूद भी कन्हैया को कांग्रेस आलाकमान का सहयोग मिल रहा है। इसकारण कन्हैया की यात्रा में खुद राहुल गांधी शामिल हुए। इसके बाद सवाल उठा रहा हैं कि क्या तेजस्वी के चुनावी मुद्दे को अब कांग्रेसी छीनना चाहती है। पिछले 5-7 सालों में तेजस्वी लगातार रोजगार की बात कर रहे हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में 10 लाख नौकरी देने का भी वादा किया था। इस बार भी वह कुछ इसी तरीके का वादा कर रहे हैं।

लेकिन कन्हैया भी इसमें पीछे नहीं है। वह युवाओं से सक्षम बनने की बात कर रहे हैं। रोजगारी की बात कर रहे हैं। लगातार आरक्षण का भी मुद्दा उठा रहे हैं। पलायन को रोकने का भी दावा कर रहे हैं। यह बात किसी से भी छिपी नहीं है कि लालू कभी भी खुलकर नहीं चाहते कि कन्हैया कुमार बिहार की राजनीति में आए। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी जब कन्हैया सीपीआई की टिकट पर चुनावी मैदान में थे और राजद का समर्थन उन्हें नहीं मिल सका था। 2024 के चुनाव में भी यही हुआ। कांग्रेस चाहती थी कि कन्हैया बिहार से चुनाव लड़े। लेकिन फिर से लालू ने वीटो लगा लिया। इसके बाद कन्हैया कुमार को दिल्ली से चुनावी मैदान में उतारा गया था।

दरअसल लालू और राजद को लगता है कि कन्हैया कहीं तेजस्वी के प्रतिस्पर्धी साबित न हो जाए। कन्हैया कुमार जेएनयू से पढ़े लिखे जबकि तेजस्वी की शिक्षा को लेकर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। कन्हैया कुमार शानदार वक्ता हैं, लोगों को तर्क पूर्ण बातों से अपनी ओर खींचते हैं। जबकि दूसरी ओर तेजस्वी इस मामले में पिछड़ते हुए दिखाई देते हैं।